THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 294 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.2, 2082 मंगलवार, 20 जनवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तीन मकान, एक कार और तीन ऑटो

भिखारी निकला लाखों रुपये की संपत्ति का मालिक, दंग रह गए अधिकारी

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर प्रशासन ने लेप्रोसी से जूझ रहे एक 50 साल के भिखारी को बचाया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि शुरुआती तौर पर पता चला कि वह तीन मकानों, एक कार और तीन ऑटो रिक्शा समेत लाखों रुपये की प्रॉपर्टी का मालिक है। प्रशासन ने इंदौर में भीख लेने के साथ ही भीख देने और भिखारियों से कोई भी सामान खरीदने तक पर कानूनी रोक लगा रखी है।

प्रशासन यह दावा करता है कि इंदौर शहर पूरी तरह से भिखारियों से मुक्त है। महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि आम लोगों से मिली जानकारी के बाद सर्राफा क्षेत्र से कुष्ठ रोगी को भीख मांगने से मुक्त कराने के लिए बचाया गया है। मिश्रा खुद भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के नोडल अधिकारी हैं। अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया, 'हमें पता चला है कि इस व्यक्ति के पास तीन पक्के मकान हैं।

इनमें तीन मंजिलों वाला एक घर शामिल है। इसके अलावा, उसके पास तीन ऑटो रिक्शा हैं जिन्हें उसने किराये पर दे रखा है।' मिश्रा ने कहा कि इस व्यक्ति के पास एक कार भी है। इसी में बैठकर वह भीख मांगने जाता है और इसके लिए उसने ड्राइवर भी रखा हुआ है।

इस मामले को मानवीय नजरिये से देखा जाना चाहिए-रूपाली जैन

एक एनजीओ प्रवेश की अध्यक्ष रूपाली जैन ने कहा कि लेप्रोसी से जूझ रहे इस व्यक्ति के मामले को मानवीय नजरिये से देखा जाना चाहिए क्योंकि उसने लाखों रुपये की कथित संपत्ति भीख मांगकर नहीं बनाई है।

उन्होंने बताया कि यह व्यक्ति कुछ साल पहले मकान बनाने वाले मिस्त्री के तौर पर काम करता था, लेकिन कुष्ठ रोग के कारण उंगलियों और पैरों को गंभीर नुकसान के बाद वह यह काम जारी नहीं रख सका और सामाजिक और पारिवारिक भेद-भाव का शिकार होने के बाद उसने सर्राफा क्षेत्र की मशहूर चाट-चौपाटी के पास रात के वक्त भीख मांगनी शुरू कर दी। जैन ने बताया, ''हमने पिछले चार साल के दौरान दो बार इस व्यक्ति को समझाया कि वह भीख मांगना छोड़ दे। उसने कुछ वक्त के लिए भीख मांगना छोड़ भी दिया था, लेकिन बाद में उसने फिर से भीख मांगनी शुरू कर दी।'

उधार देकर ब्याज वसूलता है

मिश्रा ने बताया, 'लेप्रोसी से जूझ रहा यह व्यक्ति पहियों के सहारे घिसटने वाली गाड़ी पर बैठकर भीख मांगता है।' मिश्रा के मुताबिक, यह व्यक्ति साल 2021-22 से भीख मांग रहा है और यह भी पता चला है कि उसने सर्राफा क्षेत्र में लोगों को चार से पांच लाख रुपये उधार दिए हैं। इनसे वह रोजाना ब्याज वसूलता है। अधिकारी ने बताया, 'इस ब्याज से वह हर दिन 1000 से 2000 रुपये कमाता है। इसके अलावा, उसे रोजाना 400 रुपये से 500 रुपये भीख के तौर पर मिल जाते हैं।' मिश्रा ने बताया कि इस व्यक्ति को शेल्टर होम में रखा गया है। डीएम शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर बैगर फ्री शहर है। भीख मांगने की किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर भिखारियों का पुनर्वास किया जाता है। डीएम ने कहा कि सर्राफा क्षेत्र में बचाए गए व्यक्ति की संपत्तियों के बारे में प्रशासन को शुरुआती जानकारी मिली है और तथ्यों की जांच के बाद कानूनी प्रावधानों के मुताबिक कदम उठाए जाएंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने इधर चालान काटा, उधर बैंक से पैसे कट गए

क्यों डरे हुए हैं हैदराबाद के लोग

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) फर्ज कीजिए आप अपनी कार से कहीं जा रहे हैं। बीच रास्ते में आपके मोबाइल फोन पर मैसेज आए कि आपका ट्रैफिक चालान कट गया है। जैसे ही मैसेज पढ़ना शुरू करें, फिर बैंक से चालान के पैसे कटने का एसएमएस आ जाए। आपको कैसा लगेगा? हैदराबाद के मोटर वाहन मालिकों ने इस तरह की चर्चा शुरू कर दी है। उसकी वजह यह है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में कहा है कि ट्रैफिक चालान के पैसे सीधे गाड़ी मालिकों के बैंक खाते से काटे जा सकते हैं।

खूब हो रही है आलोचना

हो सकता है कि यह कदम शायद नियमों को और सख्त बनाने और लोगों को उनका पालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए उठाया जा रहा हो। लेकिन, राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर आम लोगों, कारोबारियों की कड़ी प्रतिक्रिया आ रही है। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी इस प्रस्ताव की खूब आलोचना हो रही है। लोग इसे कानूनी, संवैधानिक और नैतिक रूप से गलत बता रहे हैं। वे राज्य की कांग्रेस सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगा रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले दिनों सुझाव दिया था कि ट्रैफिक चालान के पैसे सीधे मोटर वाहन चलाने वालों के बैंक खाते से ऑटो-डेबिट हो जाएंगे। इस बयान के आने के बाद हैदराबाद में बवाल मच गया। बहुत से लोग एक सीधा सवाल पूछ रहे हैं: क्या सरकार किसी की सहमति या सही प्रक्रिया के बिना पैसे काट सकती है? बीते सप्ताहांत तो यह आलोचना और तेज हो गई। समाज के अलग-अलग तबकों के लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि ऐसी व्यवस्था कैसे काम करेगी और क्या यह नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन करेगी।

खबरे जरा हटके

बिक गई दुनिया की सबसे महंगी जमीन, 916,000 एकड़ बड़ा प्लॉट, कीमत जान मुंह में आ जाएगा कलेजा!

भारत में लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना बहुत पसंद करते हैं. जिसकी जैसी हैसियत, उसके हिसाब से प्लॉट खरीदते हैं. अब दुनिया में जमीन खरीदने की सबसे चर्चित डील अब सामने आई है. इसे अभी तक के सबसे बड़े प्लॉट की बिक्री माना जा रहा है. ये डील हुई अमेरिका के वायोमिंग राज्य में स्थित पैथफाइंडर रैंचेज़ की. यह विशाल संपत्ति हाल ही में बिक गई है. इसका कुल क्षेत्रफल करीब 916,000 एकड़ है, जो न्यूयॉर्क सिटी से चार गुना बड़ा और रोड आइलैंड राज्य से भी अधिक है. इस रैंच की लिस्टिंग प्राइस 79.5 मिलियन डॉलर (लगभग 670 करोड़ रुपये) थी और डील 14 जनवरी 2026 को फाइनल हो गई. यह रैंच रॉकी माउंटेंस में चार काउंटियों में फैला हुआ है और राज्य के कुल क्षेत्रफल का 1% से ज्यादा कवर करता है. इसमें 20 मील से अधिक स्वीटवॉटर नदी, पेड्रो, फेरिस, सेमिनो और ग्रीन माउंटेन रेंज के हिस्से शामिल हैं. ऐतिहासिक इंडिपेंडेंस रॉक भी यहीं है, जो ओरेगन, मोर्मन, पोनी एक्सप्रेस और कैलिफोर्निया ट्रेल्स पर स्थित है. यह एक वर्किंग कैटल रैंच है, जहां 90,000 से ज्यादा मवेशी रखे जा सकते हैं. कई महीनों तक खरीदार की पहचान रहस्य बनी रही. लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैला रहे थे, लेकिन अब खुलासा हो गया है कि खरीदार क्रिस्टोफर रॉबिन्सन हैं. वे समिट काउंटी काउंसिल के सदस्य और एनसाइन ग्रुप एलसी के सीईओ हैं. उनकी फैमिली कंपनी पहले से ही यूटा, इडाहो और वायोमिंग में 10 लाख एकड़ से ज्यादा प्राइवेट और पब्लिक लैंड कंट्रोल करती है. एनसाइन रैंचेज़ के नाम से जानी जाने वाली यह होल्डिंग अब पैथफाइंडर रैंच के साथ और बढ़ गई है. इस डील से पहले रॉबिन्सन और उनकी फैमिली की होल्डिंग लैंड रिपोर्ट मैगज़ीन की टॉप 100 लैंडओनर्स लिस्ट में 31वें नंबर पर थी. पैथफाइंडर रैंच जोड़ने के बाद उनकी कुल ज़मीन 4.70 लाख एकड़ से ज्यादा हो सकती है,

ये है दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन, 125 साल पहले हुआ था निर्माण, आज भी हालत टकाटक!

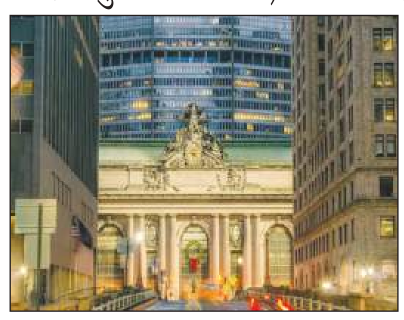

अगर आप कभी न्यूयॉर्क गए हैं तो ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल जरूर देखा होगा. यह ना सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है (प्लेटफॉर्म की संख्या के हिसाब से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज), बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक चमत्कार भी है. 42nd स्ट्रीट और पार्क एवेन्यू पर स्थित यह टर्मिनल 48 एकड़ (19 हेक्टेयर) में फैला है, जिसमें 44 प्लेटफॉर्म और कुल 67 ट्रैक्स हैं, जिसमें 41 ऊपरी लेवल पर और 26 निचले लेवल पर है. इसके दो अंडरग्राउंड लेवल्स की वजह से यहां ट्रेनें बिना किसी टकराव के आसानी से आ-जा सकती हैं. इस स्टेशन का निर्माण 1903 में शुरू हुआ और 10 साल बाद यानी 2 फरवरी 1913 को इसे जनता के लिए खोला गया था. निर्माण के समय यह दुनिया का सबसे महंगा और बड़ा प्रोजेक्ट था, जिसमें करीब 35 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से अरबों रुपये) लगे थे. न्यूयॉर्क सेंट्रल रेलरोड ने इसे बनवाया था ताकि स्टीम ट्रेनों की जगह इलेक्ट्रिक ट्रेनें चल सके. 1902 में पार्क एवेन्यू टनल में एक भयानक हादसा हुआ था, जिसमें 15 लोग मारे गए थे, जिसके बाद स्टीम ट्रेनों पर बैन लगा और इलेक्ट्रिक ट्रेनों का दौर शुरू हुआ. ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल बीयू-आर्ट्स स्टाइल में बना है, जो इसे महल जैसा लुक देता है. मुख्य कंसोर्स की छत पर 2,500 से ज्यादा तारे बने हैं, जो राशि चक्र दिखाते हैं – लेकिन उल्टे! (एक छोटी गलती जो आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है). केंद्र में 4-फेस ओपल क्लॉक वाली इंफॉर्मेशन बूथ है, जो न्यूयॉर्क वालों का मिलने का सबसे पॉपुलर स्पॉट है.

दुनिया का सबसे साफ झील, पैर पोंछकर घुसते हैं लोग, कांच से भी ज्यादा क्लियर है इसका पानी

क्या आपने कभी सोचा है कि किसी झील का पानी कितना साफ हो सकता है? न्यूजीलैंड की रोटोमेयरव्हेनुआ झील (जिसे ब्लू लेक भी कहा जाता है) दुनिया का सबसे साफ़ झील है. यह झील ना सिर्फ दुनिया की सबसे साफ झील है, बल्कि वैज्ञानिकों ने इसे पृथ्वी पर अब तक रिकॉर्ड की गई सबसे पारदर्शी प्राकृतिक झील घोषित किया है. इस झील का पानी इतना क्लियर है कि 70 से 80 मीटर की गहराई तक तल साफ दिखाई देता है. यानी आप नीचे की चट्टानें, मछलियां और यहां तक कि छोटे-छोटे पत्थर भी देख सकते हैं, जैसे कोई कांच की परत हो! यह झील न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड पर नेल्सन लेक्स नेशनल पार्क के अंदर स्थित है.

दुनिया की नजरों से दूर

ये झील चारों तरफ से ऊंचे-ऊंचे आल्पाइन जंगल, बर्फीली चोटियां और घने जंगल से घिरा है. यहां पहुंचने के लिए कोई सड़क या गाड़ी नहीं है. पर्यटकों को यहां तक आने के लिए ट्रैकिंग करनी पड़ती है, जो लगभग 6-8 घंटे का कठिन ट्रेक है. इसमें पहाड़ चढ़ना, जंगल पार करना और प्रकृति का पूरा सम्मान करना शामिल है. यह झील बहुत दूरस्थ और संरक्षित है, जिसकी वजह से इसका पर्यावरण बिल्कुल प्राकृतिक और अछूता बना हुआ है. झील को माओरी जनजाति नगाती आपा की ते रा तो' (Ngāti Apa ki te Rā Tō) बहुत पवित्र मानती है. उनके अनुसार, इस झील का पानी आध्यात्मिक शुद्धिकरण का प्रतीक है. इसलिए यहां आने वाले हर व्यक्ति से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने जूते या बूट अच्छी तरह पोंछ लें या साफ कर लें. जूते पर लगी थोड़ी सी भी मिट्टी, धूल या बैक्टीरिया झील की पवित्रता को भंग कर सकती है. यह नियम ना सिर्फ सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि झील के नाजुक इकोसिस्टम को भी बचाता है. यहां आने वाले पर्यटक बोर्ड पर लिखे नियमों का पालन करते हुए जूते पोंछते हैं और फिर ही झील के किनारे पहुंचते हैं.

सब-इंस्पेक्टर ने महिला पुलिसकर्मियों के टॉयलेट में कैमरा छिपाया

तमिलनाडु सीएम की सुरक्षा में तैनात अफसरों के वीडियो बना रहा था; आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक स्पेशल सब-इंस्पेक्टर (एसएसआई) ने महिला पुलिस अफसरों के टॉयलेट में हिडन कैमरा छिपा दिया। घटना का पता तब चला जब महिला पुलिसकर्मियों ने टॉयलेट में एक मोबाइल फोन देखा। जांच में पता चला कि मोबाइल आरोपी एसएसआई का था।

वह टॉयलेट के अंदर महिला पुलिसकर्मियों का वीडियो बना रहा था। घटना शनिवार की है। हैरानी की बात यह है आरोपी ने रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में घटना को उस समय अंजाम दिया जब वहां मुख्यमंत्री एमके स्टालिन स्वतंत्रता सेनानी त्यागी इमैनुएल सेकरन के मणि मंडपम का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहा था आरोपी

सीएम के कार्यक्रम को लेकर पूरे जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में राज्य के अलग-अलग इलाकों से महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। आरोपी एसएसआई परमकुडी नगर पुलिस थाने में तैनात था और मणि नगर चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहा था। इसी जगह पर तंजावुर क्षेत्र की महिला पुलिसकर्मी भी तैनात थीं। पुलिस के अनुसार, महिला पुलिसकर्मियों ने टॉयलेट में एक मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड होते हुए देखा। परमाकुडी पुलिस के अनुसार, मोबाइल फोन से कुछ महिला पुलिस अफसरों के वीडियो भी मिले हैं।

महिला पुलिसकर्मियों की शिकायत के आधार पर परमाकुडी महिला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर रामनाथपुरम जेल में डाल दिया गया।

दिल्ली में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 2.8 रही तीव्रता

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार की सुबह दिल्ली में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे हड़कंप मच गया। यह घटना सुबह 8 बजकर 44 मिनट पर हुई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई।

भूकंप का केंद्र उत्तरी दिल्ली में धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं, हरियाणा के सोनीपत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के कारण अब तक किसी तरह से जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप के झटके हल्के थे, किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन अचानक आए इन झटकों ने लोगों को कुछ पलों के लिए आशंकित कर दिया। कई लोगों ने अपने घरों और कार्यालयों में कंपन महसूस किया, जिसके बाद वे बाहर निकल आए।

बीआरएस से निलंबन के बाद नई पार्टी बनाएंगी के कविता, चुनावी रणनीति पर प्रशांत किशोर से बातचीत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कलवकुंतला कविता जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकती हैं। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इसके लिए कविता ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से बातचीत की है।

प्रशांत किशोर के साथ रणनीति पर मंथन

सूत्रों के मुताबिक, प्रशांत किशोर हाल ही में पांच दिनों के लिए हैदराबाद आए थे। इस दौरान कविता ने उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच नई पार्टी की शुरुआत और तेलंगाना में इसके लिए राजनीतिक जगह बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। कविता फिलहाल सांस्कृतिक संगठन 'तेलंगाना जागृति' की अध्यक्ष हैं और इसी बैनर तले सक्रिय हैं। कविता को सितंबर 2025 में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से सस्पेंड कर दिया गया था। उन्होंने अपने चचेरे भाइयों टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार पर आरोप लगाया था कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने केसीआर की छवि खराब की। इसके बाद कविता ने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे इस महीने की शुरुआत में अध्यक्ष गुथा सुखेन्द्र रेड्डी ने स्वीकार कर लिया था।

कराएंगी भ्रष्टाचार की जांच

कविता ने एलान किया है कि उनका नया राजनीतिक मंच अगले विधानसभा चुनाव लड़ेगा। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने कहा था कि वह एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने बीआरएस और कांग्रेस दोनों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। कविता ने कहा कि वह 2014 के बाद से हुए सभी अन्यायों की जांच कराएंगी।

पिता की पार्टी पर किया था हमला

इस महीने की शुरुआत में कविता ने अपने पिता की पार्टी बीआरएस पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने बीआरएस के संविधान को मजाक बताया और कहा कि पिछली सरकार के दौरान हुए कुछ अलोकप्रिय फैसलों में उनकी कोई भागीदारी नहीं थी। वहीं इसको लेकर कलवकुंतला कविता ने कहा कि वह तेलंगाना में एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगी। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष ने कहा कि यह एक राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरेगी और अगले विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

'दोषसिद्धि से पहले जमानत मिलनी ही चाहिए'

> उमर खालिद के मामले में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद की जमानत सुप्रीम कोर्ट से नामंजूर किए जाने के बाद अब इस पर पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बड़ा बयान सामने आया है। पूर्व सीजेआई ने उमर खालिद जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि बिना मुकदमे के लंबी जेल की सजा संवैधानिक न्याय को कमजोर करती है और जमानत की मांग करती है।

एक कार्यक्रम में पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि दोष सिद्धि से पहले जमानत प्राप्त करना एक नागरिक का अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिन मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे शामिल हों, उनमें इस प्रकार की राहत देने से पूर्व मामले की गहराई पड़ताल की जानी चाहिए।

जमानत अपवाद नहीं बल्कि नियम होना चाहिए

उमर खालिद के मामले में डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'वे पांच साल से जेल में हैं। मैं अपने न्यायालय की आलोचना नहीं कर रहा हूं, जमानत की शर्तों का दुरुपयोग रोकने के लिए आप शर्तें लगा सकते हैं, लेकिन आपको यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि उन्हें शीघ्र सुनवाई का अधिकार है। यदि वर्तमान परिस्थितियों में शीघ्र सुनवाई संभव नहीं है, तो जमानत अपवाद नहीं बल्कि नियम होना चाहिए।' उन्होंने कहा, कि मैंने अपने 24 महीनों के कार्यकाल में, हमने 21,000 जमानत याचिकाओं का निपटारा किया है। ऐसे कई मामले होते हैं जिनके बारे में लोग सुप्रीम कोर्ट की किसी विशेष मामले में जमानत न देने के लिए आलोचना करते समय नहीं सोचते। पूर्व न्यायमूर्ति ने विभिन्न मामलों का उदाहरण देते हुए कहा, अगर आरोपी के समाज में लौट कर फिर से अपराध को अंजाम देने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जमानत का फायदा कानून के शिकंजे से भाग निकलने के लिए किए जाने की आशंका है तो आरोपी को जमानत देने से इंकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ये तीनों आधार नहीं हैं, तो जमानत देनी ही होगी।

सीजेआई ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'मुझे लगता है कि जहां राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, वहां अदालत का कर्तव्य है कि वह मामले की गहराई से पड़ताल करे। अन्यथा लोग वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं।'

बीजेपी और पूर्व मेयर के समर्थकों में झड़प

भाजपा विधायक बोले-बच्चों को पीटा, ऑफिस पर पथराव

निगम चुनाव के नतीजों के बाद तनाव

ठाणे, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भिवंडी में रविवार को नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा और कोणार्क विकास आघाड़ी (केवीए) के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। विवाद छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के पास हुआ। दोनों पक्षों के बीच पथराव भी हुआ। पुलिस के मुताबिक, झड़प बीजेपी विधायक महेश चौघुले और केवीए नेता और पूर्व मेयर विलास पाटिल के समर्थकों के बीच हुई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया। डीसीपी जोन-2 शशिकांत बोराटे ने बताया कि दो नेताओं के समर्थकों के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने हस्तक्षेप कर भीड़ को हटाया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है। बीजेपी विधायक महेश चौघुले ने आरोप लगाया कि केवीए अध्यक्ष विलास पाटिल अपने इलाके में किसी को घुसने नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म हो चुके हैं। कल कुछ गरीब बच्चों पर हमला किया गया था। आज शाम करीब 5 बजे दो बच्चों को पीटा गया। इसके बाद मेरे कार्यालय पर पथराव हुआ। पुलिस और मेरे समर्थकों पर भी हमला किया गया। पुलिस ने समय पर हालात संभाले। महेश चौघुले ने बताया कि वे पुलिस थाने पहुंचे हैं।

शिवसेना शिंदे गुट भाजपा से मजबूत-वीबीए के दो कॉर्पोरेटर ने दिया समर्थन

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नगर निकाय में वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही थी। लेकिन अब उल्हासनगर नगर निगम से वीबीए के दो चुने गए कॉर्पोरेटरों शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं।

इससे शिंदे गुट की नगर निकाय में स्थिति मजबूत हो गई है। 78 सदस्यों वाला यह नगर निकाय ठाणे जिले में है। यहां सत्ताधारी महायुति गठबंधन के दोनों घटक दल भाजपा और शिवसेना ने अलग अलग चुनाव लड़ा था। भाजपा 37 और शिवसेना 36 सीट जीतने में सफल रही थी। इसके अलावा कांग्रेस, एक स्थानीय संगठन और एक निर्दलीय उम्मीदवार को भी एक एक सीट मिली। लेकिन वीबीए के समर्थन के बाद शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना नगर निकाय पर नियंत्रण के मामले में भाजपा से आगे निकल गई है। सूत्रों के मुताबिक वीबीए के कॉर्पोरेटर, सुरेखा सोनावणे और विकास खरात, ने रविवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलकर उन्हें अपना समर्थन दे दिया।

भीषण हादसे में चार की मौत, 20 से अधिक घायल

मालेगांव, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मालेगांव-मनमाड रोड पर सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा मालेगांव तालुका के वरहाने गांव के पास सुबह करीब तीन बजे के आसपास हुआ, जब पुणे से आ रही एक ट्रैवल्स बस और एक पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन सीधे ट्रैवल्स बस में घुस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार कई यात्री सीटों के बीच फंस गए, जबकि कुछ यात्री टक्कर के झटके से नीचे गिर पड़े। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा, करीब 20 से ज्यादा यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए मालेगांव के सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मालेगांव-मनमाड रोड पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या झपकी आने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इससे पहले, 14 जनवरी को पुणे स्थित पिंपरी-चिंचवड़ शहर के कालेवाड़ी इलाके में एक दर्दनाक हादसा हुआ था। इस हादसे में दो सगी बहनों की मौके पर मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान ऋतुजा पांडुरंग शिंदे (24) और नेहा पांडुरंग शिंदे (20) के रूप में हुई थी। दोनों पुणे के पुनावले इलाके की रहने वाली थीं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 294 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.2, 2082 मंगलवार, 20 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एसआईआर में गडबडी वाले 1.25 करोड़ नाम सार्वजनिक करने का निर्देश

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर के तहत 1.25 करोड़ 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' नोटिस जारी किए गए हैं। जो पिता-पुत्र की उम्र, नामों की स्पेलिंग (खासतौर पर बंगाली नामों) में अंतर होने पर भेजे जाते हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने प्रक्रिया पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा-उम्र के अंतर, नामों की स्पेलिंग पर सवाल हैं। >14

यूएई प्रेसिडेंट को मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर रिसीव किया

'अपने भाई को लेने आया हूं'

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार शाम साढ़े 4 बजे भारत पहुंचे। पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर रिसीव किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं अपने भाई को लेने खुद एयरपोर्ट आया हूं।

शेख जायद कुछ देर में पीएम मोदी के साथ मीटिंग करेंगे और करीब शाम 6 बजे भारत से रवाना हो जाएंगे। विदेश मंत्रालय (यमईए) के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच आज व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा और दुनिया से जुड़े अहम मुद्दों पर बड़ी डील हो सकती है। यमईए ने बताया कि दोनों नेता मिडिल-ईस्ट के मौजूदा हालात पर भी चर्चा कर सकते हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई है। यमन में यूएई और सऊदी अरब के बीच तनाव बना हुआ है।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से ऊर्जा आपूर्ति को लेकर मजबूत साझेदारी है। साथ ही, लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम और बाइलेटरल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी ने आर्थिक रिश्तों को और मजबूती दी है। यह दौरा भारत-यूएई कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और आगे बढ़ाने तथा आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग के नए रास्ते खोलने का अवसर देगा।

कुलदीप सेंगर की सजा पर रोक से इनकार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को रेपिस्ट कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। उसे उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

हाईकोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती। सेंगर के भाई अतुल सिंह सेंगर और पांच अन्य लोगों को भी 10 साल की जेल की सजा दी गई थी। इसी फैसले के खिलाफ सेंगर ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सेंगर ने दलील दी थी कि वह इस केस में करीब 9 साल जेल में रह चुका है और अब सिर्फ 11 महीने की सजा बाकी है।

नितिन नबीन निर्विरोध भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होगें। सोमवार को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा-इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। अब नितिन के नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी को किया जाएगा। आज हुई नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी समेत सभी राज्यों के सीएम और सीनियर नेताओं ने नितिन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किया था। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा-केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की।

सुप्रीम कोर्ट ने एमपी के मंत्री को फटकारा

कहा-माफी मांगने में देर हुई, सरकार 2 हफ्ते में बताए केस कब शुरू होगा

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। शाह की ऑनलाइन माफी पर सोमवार को कोर्ट ने कहा कि इसमें अब बहुत देर हो गई है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर 2 हफ्ते के भीतर फैसला लें।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि राज्य सरकार विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट पर कई महीनों से कोई फैसला नहीं ले रही है। जबकि विशेष जांच दल ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था- उन्होंने (आतंकियों ने) कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा-अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। >14

एनकाउंटर में घायल जवान शहीद

किश्तवाड़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। आतंकियों की तलाश के लिए जारी ऑपरेशन त्राशी-1 के बीच रविवार को 8 घायल जवानों में से एक की सोमवार को मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। चतरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था, जिसके बाद गोलीबारी हुई जिसमें आठ सैनिक घायल हो गए थे। वहीं, किश्तवाड़ में लगातार दूसरे दिन आतंकियों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो-तीन आतंकवादियों का एक ग्रुप जंगलों में छिपा हुआ है।

> मुलायम परिवार से बाहर होंगी अपर्णा यादव

प्रतीक लेंगे तलाक! बोले-स्वार्थी महिला

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के राजनीतिक गलियारों के इस वक्त बड़ी खबर सामने आई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी एवं भाजपा नेत्री अपर्णा यादव से तलाक लेने का एलान किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह बात सार्वजनिक की। हालांकि अपर्णा के भाई का कहना है कि अकाउंट हैक किया गया है। इसकी शिकायत की जा रही है। उन्होंने मेरे परिवार के रिश्ते खराब कर दिए। बस मशहूर और असरदार बनना चाहती हैं। अभी, मेरी मेंटल हेल्थ बहुत खराब है। लेकिन, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि उन्हें सिर्फ़ अपनी ही चिंता है। मैं बदकिस्मत था कि मेरी शादी उनसे हुई। अपर्णा यादव के भाई अमन बिष्ट ने कहा कि प्रतीक यादव का सोशल मीडिया एकाउंट हैक हो गया है। हैकर ने यह पोस्ट की है। इसकी शिकायत की जा रही है। बताते चलें कि अपर्णा यादव और प्रतीक की शादी वर्ष 2011 में हुई थी। इससे पहले वह दोनों आठ साल तक दोस्त रहे। यह बात अपर्णा ने एक इंटरव्यू में कही थी। 2011 में हुई ये शादी चर्चित शादियों में से एक थी। अपर्णा-प्रतीक की इस शादी में अनिल अंबानी, अमिताभ बच्चन सरीखे सेलिब्रेटीज शामिल हुए थे। अर्पणा बिष्ट यादव ने ब्रिटेन की मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल पॉलिटिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की है। प्रतीक लीड्स यूनिवर्सिटी से मैनेजमेंट डिग्री ली है।

आरएसएस-बीजेपी कुछ बिजनसमैन के हाथों देश बेचना चाह रही : राहुल

तिरुवनंतपुरम, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि आरएसएस और बीजेपी चाहती है कि जनता सवाल न करें और चुप रहें, ताकि यह कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश को बेच सकें। राहुल केरल के कोच्चि में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ऐसा बिल्कुल नहीं होने देंगे। कांग्रेस ही संविधान को बचा सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने संविधान में बदलाव करके पंचायत, जिला और राज्य स्तर पर शासन को मजबूत किया। संविधान बचाने का मतलब है सत्ता और फैसलों का अधिकार लोगों तक पहुंचाना।

राहुल ने कहा कि आरएसएस और बीजेपी सत्ता को अपने पास ही रखना चाहती हैं, लेकिन कांग्रेस सत्ता को नीचले स्तर तक पहुंचाने में भरोसा रखती है और गांव-कस्बों में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है। दिल्ली में हुई बैठकों में अलग-अलग नेताओं की अलग राय थी, लेकिन मैंने साफ कहा था कि यूडीएफ पंचायत और विधानसभा चुनाव जीतेगा। असली सवाल जीत के बाद का है। केरल में बेरोजगारी बड़ी समस्या है। यूडीएफ और कांग्रेस को ऐसा रोडमैप देना होगा, जिससे युवाओं को नौकरी मिले। मंच पर मौजूद नेतृत्व केरल की जनता की जरूरतों को समझता है और उन्हें पूरा कर सकता है। >14

HYDERABAD: SECUNDERABAD, AUTOFIN: QUTHBULLAPUR: 8885040011, 9177922446 | MADHAPUR, GEM: 9912458000 | KALYANI MOTORS, KARMANGHAT: 9100102763, 9100114822 | TELLAPUR: 9063126501 | MEDIPALLY, HIMAYATNAGAR MITHRA: 7799886249 | NACHARAM: 7386780127 | KOMPALLY, POPULAR VEHICLES & SERVICES: 9553264000 | BACHUPALLY, SAI SERVICE: 9160851515 | GACHIBOWLI, JAYABHERI AUTOMOTIVES: 9281105826 | HAYATNAGAR, JAYABHERI: 9100084455 | GOPANPALLE, JAYABHERI AUTOMOTIVES: 7799711226 | VARUN MOTORS - VANASTHALIPURAM: 7995024736, 7995052292 | BEGUMPET: 9100367806 | MADINAGUDA: 9052225052 | HABSIGUDA: 9052379797 | B.N.REDDY NAGAR: 9347068721, 9154855369 | BANJARAHILLS: 9989474453| RAMPALLY: 7995024745 | NIZAMPET: 9052225052| GACHIBOWLI: 8639880054 | ISNAPUR: 9966704555, SERILINGAMPALLY - PAVAN MOTORS: 8374459192 | SHAMSHABAD, ADARSHA AUTOMOTIVE: GURAMGUDA: 8297046633 | TRIMULGHERRY, ACER: 9154073240 | OLD ALWAL, ADARSHA AUTO WORLD: 6309888308, 9133665616.

विवादित पोस्ट मामले में नेहा सिंह राठौर लखनऊ के हजरतगंज थाने पहुंचीं

बोलीं-जांच में सहयोग दूंगी

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में सोमवार को लोक गायिका नेहा सिंह राठौर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर के सिलसिले में पुलिस के सामने पेश हुईं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई हुई है और उन्हें निर्देश दिया था कि वे जांच अधिकारी के सामने निर्धारित समय पर हाजिर हों और जांच में सहयोग करें। नेहा सिंह राठौर इस आदेश का पालन करते हुए सुबह 11 बजे थाने पहुंचीं। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "मुझे सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी को सुबह 11 बजे हजरतगंज पुलिस स्टेशन में जांच अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया था। मैं उसी आदेश का पालन करने यहां आई हूं। मैं न्यायिक प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दूंगी।" दरअसल, मामला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा है, जिसमें पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या की गई थी। इस घटना के बाद नेहा सिंह राठौर ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर कुछ पोस्ट और गाने साझा किए। इनमें सबसे विवादित गाना था, 'चौकीदारवा कायर बा...,' जिसे उन्होंने मई 2025 में प्रस्तुत किया। इस गाने में कथित तौर पर भाजपा सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं, जिसके बाद वाराणसी और लखनऊ में कई एफआईआर दर्ज की गईं।

अकेले लंका थाने में ही 318 शिकायतें दर्ज की गईं और कुल मिलाकर 500 से अधिक शिकायतें विभिन्न थानों में पहुंचीं। नेहा के खिलाफ आरोप था कि उनके गानों और पोस्ट ने देश की अखंडता को नुकसान पहुंचाने और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि नेहा की पोस्ट और गाने पाकिस्तान में भी व्यापक रूप से साझा किए गए और भारत की आलोचना के लिए वहां के मीडिया द्वारा इस्तेमाल किए गए। इस मामले में हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी।

इससे पहले नेहा सिंह राठौर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एफआईआर रद्द करने और अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन लखनऊ बेंच ने 5 दिसंबर 2025 को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें नोटिस भेजकर हजरतगंज थाने में पेश होने के लिए कहा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि वह जांच में सहयोग करें।

घर में घुसकर चार लोगों की हत्या

एटा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। एटा के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला नगला प्रेमी में सोमवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर जानलेवा हमला किया गया। इसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायल को अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसको भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मोहल्ला नगला प्रेमी निवासी गंगा सिंह (75 साल) के घर में सोमवार को जानलेवा हमला किया गया। दिनदहाड़े घर में घुसकर चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में गंगा सिंह, उनकी पत्नी 70 वर्षीय श्यामा देवी, पुत्रवधू 42 वर्षीय रत्ना और नातिन 20 वर्षीय ज्योति की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो खून से सने शव बेड और फर्श पर पड़े थे।

पटना नीट छात्रा मौत मामला

अशोक चौधरी का दावा-जल्दी सच सामने आएगा

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत को लेकर प्रदेश में सियासत गर्म है। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने सोमवार को कहा कि नीतीश सरकार वह सरकार नहीं है, जो अपराधियों को संरक्षण दे। उन्होंने दावा किया कि जांच चल रही है, दो से तीन दिन में सच सामने आ जाएगा।

पटना में मीडिया से बातचीत में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि इस मामले में विपक्ष लोगों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसएसपी, आईजी, एसआईटी और सरकार पर भरोसा रखें, बहुत जल्द दो-तीन दिनों के अंदर इस मामले का उद्भेदन होगा। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि एसआईटी की टीम जहानाबाद भी गई है, पूरा मामला पुलिस देख रही है। किसी को बचाया नहीं जाएगा। जिसने भी इस मामले में लापरवाही बरती है, उन सभी पर कार्रवाई की जाएगी। छात्रा की मौत पर कांग्रेस के प्रदर्शन पर मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि पुलिस कार्रवाई कर रही है, जांच कर रही है, तो प्रदर्शन का क्या औचित्य है? ये वह सरकार नहीं है, जो अपराधियों को संरक्षण देती है। 20 साल में एक भी ऐसी घटना नहीं हुई है, जिसमें नीतीश सरकार ने किसी अपराधी को संरक्षण दिया हो।

उन्होंने कहा, जब सरकार खुद ही सजग और संवेदनशील है, तो फिर प्रदर्शन की क्या जरूरत है? क्योंकि उन्हें माइलेज चाहिए। किसी की बेटी गई है, मुख्यमंत्री खुद ही कहते हैं कि पूरा बिहार उनका परिवार है, इसलिए मृतक छात्रा भी मुख्यमंत्री की बेटी है। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके में शंभू गर्ल्स हॉस्टल में जहानाबाद जिले की एक छात्रा, जो नीट की तैयारी कर रही थी, अपने कमरे में बेहोश पाई गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां 11 जनवरी को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पीड़िता के परिवार ने आरोप लगाया कि उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ था। हालांकि, सहायक पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित पटना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक स्पष्ट सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए शुरू में इस आरोप को मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद यह मामला गर्म होता चला गया।

'यूपी में निवेश के लिए गोल्डन टाइम'

सीएम योगी बोले-जरूरतों के अनुरूप तैयार करें ट्रेंड मैनपॉवर

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों और मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए। इनमें इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड, एसेंट सर्किट प्राइवेट लिमिटेड, अंबर इंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड को औद्योगिक इकाइयों तथा बोधिसत्व चैरिटेबल ट्रस्ट को मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए स्वर्णिम काल है और सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग दे रही है।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में नीति स्थिरता, सुशासन और त्वरित कार्य निष्पादन के कारण प्रदेश में अभूतपूर्व औद्योगिक परिवर्तन हुआ है। आज उत्तर प्रदेश केवल संभावनाओं का नहीं, बल्कि परिणामों का राज्य बन चुका है। उद्योग प्रथम, निवेश प्रथम की नीति के चलते प्रदेश वैश्विक निवेशकों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय गंतव्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रदेश में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड और एसेंट सर्किट जैसी कंपनियां इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अंबर इंटरप्राइजेज का निवेश भी प्रदेश की औद्योगिक क्षमता को नई मजबूती देगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने और सभी कार्यों को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए।

शोहदे को 12 थप्पड़ जड़े, हाथ जोड़ माफी मांगता रहा

छात्रा को छेड़ा, गली में खींचा था बोला-दोबारा ऐसा नहीं करूंगा

गोरखपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक युवक ने छात्रा से छेड़खानी कर दी। हाथ पकड़कर गली में खींच लिया। छात्रा ने तुरंत झटक कर हाथ छुड़ाया।

बचने के लिए भागने लगी। लड़के की इस हरकत का गली में खड़े लोगों ने वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के 24 घंटे के अंदर ही पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड ने आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया। आरोपी पुलिस के सामने युवक ऐंठ दिखाने लगा तो बीच बाजार महिला सिपाही ने कान पकड़कर सबक सिखाया। 30 सेकेंड में शोहदे के गाल पर 12 थप्पड़ बरसाए।

खुद को नशे का इंजेक्शन लगाया, फिर सिगरेट पी रहे फैजान का रेता था गला

डबल मर्डर के 'कातिल' का कबूलनामा

फतेहपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। फतेहपुर में अवैध संबंध के शक में दोस्त और भाभी की हत्या व बहन पर जानलेवा हमला करने वाले दिलदार कुरैशी का क्राइम सीन पुलिस की पूछताछ में सामने आया है। उसने बड़ी बेरहमी से फैजान का गला काटा था। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा चौकी अंतर्गत चौधराना मोहल्ले के दिलदार कुरैशी के किए कृत्य को लोग वर्षों भूल नहीं पाएंगे।

तीन दिन बाद भी वारदात की हर जुबां पर चर्चा रही। पुलिस के मुताबिक क्राइम सीन में सामने आया कि दिलदार नशे के इंजेक्शन खुद को लगाता था। पुलिस को एक गोकशी के मामले में दिलदार और उसके भाइयों की तलाश थी। नशे की पूर्ति के लिए फैजान को मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन खरीदने भेजा था। दोनों को क्रिकेट खेलने जाना था। रास्ते में फैजान को भेजकर दिलदार ने नशे का इंजेक्शन मंगवाया था। फैजान ने खुद के लिए सिगरेट खरीदी थी। जंगल जाते वक्त करबला के पास ही दोनों रुके थे। फैजान आराम से बैठकर सिगरेट पीने लगा। दिलदार ने बगल में ही बैठकर इंजेक्शन की डोज ली। नशे में होने के बाद दिलदार उठा और पास में बैठे फैजान का गला पीछे से घूमकर रेत डाला। इसके बाद फैजान की छाती पर चढ़कर उसने चाकू को गले की गहराई तक घुसाया और फिर घर पहुंचा था।

पुलिस ने घायल मन्नू के हैलट में दर्ज किए बयान

भाई दिलदार के हमले में घायल मन्नू की हालत कानपुर हैलट में नाजुक बनी है। थरियांव थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह रविवार को मन्नू के बयान दर्ज करने हैलट पहुंचे। डॉक्टर की अनुमति बाद पीड़िता से घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक ने जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मन्नू की हालत अभी भी गंभीर बनी है लेकिन वह होश में है। पुलिस ने बयान दर्ज किए हैं। घायल पीड़िता मन्नू का बयान मामले की जांच में अहम है। वह घटना की गवाह है।

राहुल गांधी हमेशा अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के रायबरेली दौरे, देश की रक्षा नीति, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी मुठभेड़, और मनरेगा योजना के नाम में बदलाव को लेकर प्रतिक्रिया दी। प्रमोद तिवारी ने आईएएनएस से बताया कि राहुल गांधी आज लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे, क्षेत्र की समस्याएं सुनेंगे और विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए समय निकालते हैं और सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं।

रक्षा मामलों पर बोलते हुए तिवारी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की बात कही थी। तिवारी ने कहा कि पहले देश का रक्षा क्षेत्र मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन अब निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना ही चुनौतियों की बात करती है, जबकि गलवान की घटना के लिए चीन जिम्मेदार है। देश की सेना को मजबूत करने की परंपरा जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी तक सभी प्रधानमंत्रियों ने निभाई है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद 24 घंटे से अनशन पर

बोले-प्रण लेता हूं, मेले में हर बार आऊंगा-फुटपाथ पर रहूंगा

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी है। पालकी यानी रथ यात्रा रोके जाने के विरोध में शंकराचार्य वहीं धरने पर बैठे हैं, जहां पुलिस उन्हें छोड़ गई थी। वे अपने पंडाल में पूरी रात ठंड में धरने पर बैठे रहे। 23 घंटे से अनाज का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया। पानी तक छोड़ दिया।

इस बीच शंकराचार्य ने सोमवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- जब तक प्रशासन आकर माफी नहीं मांगता, तब तक हम अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। फुटपाथ पर ही रहेंगे। उन्होंने कहा- शंकराचार्य जब भी इतिहास में स्नान करने गए हैं, पालकी में ही गए हैं। हर साल इसी पालकी में जाते रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि जब तक पुलिस प्रशासन सम्मान और प्रोटोकॉल के साथ नहीं ले जाएगा, तब तक गंगा स्नान नहीं करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रण लेता हूं, मैं हर मेले के लिए प्रयागराज आऊंगा, लेकिन कभी भी शिविर में नहीं रहूंगा। फुटपाथ पर अपनी व्यवस्था करूंगा। इससे पहले मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने बताया- शंकराचार्य ने कल से कुछ भी नहीं खाया है। कोई प्रशासनिक अधिकारी उनसे मिलने भी नहीं आया। सुबह अपनी पूजा और दंड तर्पण उसी स्थान पर किया।

इस बीच मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य की रथ यात्रा के दौरान हुए बवाल का सीसीटीवी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस ने रास्ते पर बैरिकेडिंग लगाई थी। इसी दौरान शंकराचार्य के समर्थकों और पुलिस के बीच कहासुनी हुई। समर्थकों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकलना शुरू कर दिया।

70 साल का बुजुर्ग एमए की छात्रा को भेजता था आपत्तिजनक वीडियो

फिर पूछता था-कैसी लगी, थाने पर हंगामा

मेरठ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में एनएच-34 स्थित गंगानगर थाना क्षेत्र में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग द्वारा एमए की छात्रा को व्हाट्सएप पर अश्लील फिल्में भेजने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि बुजुर्ग वीडियो भेजने के बाद मैसेज लिखकर पूछता था-कैसी लगीं। परेशान छात्रा ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला थाने तक पहुंचा।

एफसीआई से सेवानिवृत्त है आरोपी

आरोपी बुजुर्ग फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) से सेवानिवृत्त कर्मचारी बताया गया है और अपने परिवार के साथ रहता है। वह छात्रा का पड़ोसी है। छात्रा के अनुसार, शुरुआत में उसने सोचा कि वीडियो गलती से सेंड हो गई होगी, लेकिन इसके बाद बुजुर्ग लगातार उसके नंबर पर अश्लील वीडियो भेजने लगा। कुछ वीडियो के साथ उसने आपत्तिजनक मैसेज भी किए।

परिजनों ने की बात, आरोपी ने किया इनकार

घटना की जानकारी मिलने पर सोमवार सुबह छात्रा के परिजन आरोपी के घर पहुंचे और उसके बेटे से बातचीत की। आरोप है कि बुजुर्ग ने बाहर आने से मना कर दिया और कहा-जो करना है कर लो।

नोएडा में कार समेत दलदल में गिरा इंजीनियर, हुई मौत

80 मिनट तक मदद के लिए चिल्लाता रहा; पिता को फोन कर कहा- मैं मरना नहीं चाहता

गौतम बुद्ध नगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नोएडा में घने कोहरे की वजह से साफ्टवेयर इंजीनियर की दलदल में गिरकर मौत हो गई।

वह करीब 80 मिनट तक पिता के सामने चिल्लाता रहा। उनसे फोन कर कहा- पापा मुझे बचा लो, मैं मरना नहीं चाहता। इसके बाद कार समेत नाले के पानी से भरे 30 फीट गहरे दलदल में समा गया। इंजीनियर युवराज मेहता अपनी ग्रैंड विटारा कार से गुरुग्राम से नोएडा के सेक्टर-150 टाटा यूरिका पार्क जा रहे थे। रास्ते में एटीएस ले ग्रांड के पास कार नाले की दीवार तोड़ते हुए 30 फीट गहरे पानी से भरे दलदल में गड्ढे में गिर गई। युवराज की कार गड्ढे में गिरते ही दलदल में समाने लगी। युवराज किसी तरह कार से निकलकर उसके ऊपर चढ़ गए। पिता को फोन करके पूरी घटना बताई। डायल-112 पर सूचना देकर पिता मौके पर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक सर्वेश सिंह भी फोर्स के साथ वहां आए।

दमकल कर्मी भी छोटी-बड़ी क्रेन के साथ पहुंचे। युवराज से कुछ ही मीटर दूर पिता और तमाम फोर्स थी, लेकिन कोहरे की वजह से वह एक-दूसरे को देख नहीं पा रहे थे।

वह मोबाइल का टॉर्च जलाकर चिल्लाता रहा- पापा मुझे बचा लो, मेरी कार डूब रही है। कुछ ही समय में उसकी आवाज आनी बंद हो गई। करीब ढाई घंटे बाद उसका शव निकाला गया। घटना शुक्रवार देर रात की है।

70 लाख की धोखाधड़ी मामले में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, पांच साल से थी तलाश

वाराणसी, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी जिले की कैंट पुलिस ने 70 लाख की धोखाधड़ी मामले में पांच साल से वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि अर्दली बाजार स्थित सुविधा साड़ी से 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी और गबन मामले में सौरभ की तलाश थी। आरोपी सौरभ गुप्ता ने गुरुग्राम सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पटेल नगर में अपना ठिकाना बनाया था। मूलरूप से वह आदमपुर थाना क्षेत्र के गंगा नगर कालोनी का निवासी है। पीड़ित देवानंद सेवारमानी सप्पू द्वारा अपने फर्म सुविधा साड़ीज अर्दली बाजार वाराणसी में नियुक्त मैनेजर/अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता समेत दो लोगों के विरुद्ध फर्जी फर्म अपने नाम से स्थापित कर माल के भुगतान के नाम पर लगभग 70 लाख रुपये गबन करने का मामला दर्ज कराया था। कैंट पुलिस व साइबर सेल की सहायता से रविवार को सौरभ गुप्ता को गिरफ्तार किया गया।

बच्चों के कफ सिरप में मिला एथिलीन ग्लाइकोल

हाजीपुर की दवा कंपनी पर लगा प्रतिबंध; स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

वैशाली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वैशाली जिले के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कफ सिरप निर्माता कंपनी ट्रिडस रेमेडीज पर तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में प्रतिबंध लगने के बाद अब कंपनी के गेट पर ताला लटका मिला है। बताया जा रहा है कि जिन बच्चों के कफ सिरप पर तेलंगाना में प्रतिबंध लगाया गया है, उसका निर्माण हाजीपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित इसी कंपनी में किया जाता था। स्थानीय लोगों के अनुसार कंपनी के गेट पर कई दिनों से ताला लटका हुआ है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि दवा कंपनी पर बहुत जल्द कार्रवाई की जा सकती है।

मालूम हो कि केंद्रीय ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा अक्तूबर माह में ट्रिडस रेमेडीज में निर्मित सिरप का सैंपल लिया गया था, जिसकी रिपोर्ट कुछ दिन पहले आई है। जांच रिपोर्ट में अल्मोंट-किड सिरप में एथिलीन ग्लाइकोल जैसे घातक रसायन की मौजूदगी पाई गई है।

यूपी में गरजा बुलडोजर

मेडिकल कॉलेज में 10 मजारें की गईं ध्वस्त-पुलिस बल रहा मौजूद

बहराइच, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज परिसर में बनी 10 छोटी मजारों पर सोमवार को बुलडोजर चला। जिला प्रशासन ने इन्हें ध्वस्त करा दिया। इनको 24 साल पहले तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताया था। इसके बाद इसका संचालन करने वाले लोगों ने कमिश्नर ने यहां अपील की थी। लेकिन, सात साल पहले 2019 में कमिश्नर ने भी तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को सही करार दिया था। इसके बाद अब ये कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी कार्यालय के पास स्थित मेडिकल कालेज से लगी रसूल शाह बासवाडी का अस्ताना है। इसमें पहले सिर्फ दो मजारें थी, जो वक्फ बोर्ड में दर्ज हैं। इसकी देखरेख करने वाले लोगों ने करीब 10 अन्य छोटी मजारें बाद में स्थापित कर दीं। इन मजारों को सन 2002 में तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताया। इनके ध्वस्तीकरण के आदेश दिए। इसके बाद कमेटी ने जिलाधिकारी के यहां अपील की। 2004 में ये अपील भी खारिज हो गई। फिर संबंधित पक्ष ने मंडलायुक्त के यहां आदेश के खिलाफ अपील की। 2019 में वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद कमेटी ने प्रशासन से इसको स्वयं हटाने की बात कही। वर्ष 2023 में मेडिकल कालेज बनने के बाद ये मजार उसके परिसर में आ गई थीं।

नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद ने बताया कि 10 जनवरी 2026 को संबंधित पक्ष को अवैध मजारों को 17 जनवरी तक हटाने का नोटिस दिया गया था। लेकिन, मजारों को न हटाने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस बल की मौजूदगी में इन मजारों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है।

सुविचार

छल करोगे तो छल मिलेगा,
आज नहीं तो कल मिलेगा,
अगर जियोगे जिंदगी सच्चाई
से तो सुकून हर पल मिलेगा!

तेलंगाना को राजनीतिक गिद्धों से बचाने का संकल्प: भट्टी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि सरकार राज्य में संपत्ति बढ़ाएगी और उसका समान वितरण करेगी तथा स्पष्ट किया कि गिद्धों, बाजों और शिकारी ताकतों को राज्य के आसपास भी फटकने नहीं दिया जाएगा।

सोमवार को खम्मम जिले के मादिरा विधानसभा क्षेत्र के चिंतकानी मंडल में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के उद्घाटन के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें रानियों के रूप में ढालने के उद्देश्य से सरकार नगरपालिकाओं में महिला स्वयं सहायता समूहों को 5,000 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। उन्होंने याद दिलाया कि जब सरकार ने पहले वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण देकर एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य घोषित किया था, तब इसका मजाक उड़ाया गया था।

लेकिन सरकार ने लक्ष्य से अधिक 26,000 करोड़ रुपये वितरित किए। उपमुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से इंदिराम्मा आवासों को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया और कहा कि हर सप्ताह बिल स्वीकृत किए जा रहे हैं। तेलंगाना को कृषि प्रधान राज्य बताते हुए उन्होंने कहा कि रैतु भरोसा, बारीक धान बोनस और 24 घंटे मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को सीधे 74,163 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। महिलाओं को आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने और आत्मविश्वास से आगे बढ़ने के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा की सुविधा दी गई है। इसके लिए सरकार अब तक महिलाओं की ओर से आरटीसी को 7,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। भट्टी विक्रमार्का ने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि तब वितरित की गई साड़ियां खेतों में पुतले बनाने लायक भी नहीं थीं, जबकि जनता की सरकार के तहत हर महिला के घर तक सम्मानपूर्वक बिंदी सहित गुणवत्तापूर्ण साड़ियां पहुंचाई जा रही हैं।

हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत 54 इंस्पेक्टरों का तबादला

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत 54 सर्किल इंस्पेक्टरों का तबादला और नई तैनाती की गई है।

यह तबादले प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कई इंस्पेक्टरों को पुलिस आयुक्त कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। यह फेरबदल आयुक्तालय की सीमाओं में बदलाव और प्रस्तावित फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्तालय की स्थापना के मद्देनज़र किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आगे और समायोजन होने तक कुछ इंस्पेक्टरों को अगली पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने केसीआर और हरीश राव को दी बड़ी राहत

25 फरवरी तक कार्रवाई पर लगाई रोक

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और अन्य को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कालेश्वरम परियोजना से जुड़ी न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार द्वारा किसी भी तरह की कार्रवाई से उन्हें 25 फरवरी तक अंतरिम संरक्षण दे दी है। इतना ही नहीं हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहीउद्दीन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 25 फरवरी तक के लिए टाल दी है।

अदालत ने यह समय इसलिए दिया है ताकि सभी पक्ष अपने-अपने लिखित तर्क (सबमिशन) दाखिल कर सकें। तब तक पहले से दी गई राहत जारी रहेगी। इस मामले में केसीआर, हरीश राव के अलावा पूर्व मुख्य सचिव शैलेंद्र कुमार जोशी और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल ने भी हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं।

पहले भी मिली थी राहत :

इससे पहले 12 नवंबर को भी हाईकोर्ट ने केसीआर और अन्य को राहत दी थी और सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया था। सरकार को चार हफ्ते और उसके बाद याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का समय मिला था।

अब समझिए क्या है पूरा मामला :

बता दें कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज पीसी घोष की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग बनाया गया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी, जिसे अगस्त में विधानसभा में पेश किया गया। रिपोर्ट पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का एलान किया था।

आयोग की रिपोर्ट में क्या कहा गया :

गौरतलब है कि आयोग की रिपोर्ट में परियोजना में कथित अनियमितताओं के लिए केसीआर को जिम्मेदार ठहराया गया। उस समय के सिंचाई मंत्री रहे हरीश राव पर भी सवाल उठाए गए। कुछ अधिकारियों की भूमिका पर भी आपत्ति जताई गई

केसीआर ने क्या-क्या लगाए आरोप :

केसीआर ने हाईकोर्ट में कहा कि जांच आयोग का गठन अवैध और असंवैधानिक है। आयोग की रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करती है। सरकार द्वारा रिपोर्ट को बार-बार सार्वजनिक करना गलत और पूर्व नियोजित है। हाईकोर्ट ने अंतिम फैसला आने तक सरकार को निर्देश दिया है कि वह केसीआर, हरीश राव और अन्य के खिलाफ कोई भी कार्रवाई न करे। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

हैदराबाद में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्घाटन करेंगे राज्यपाल

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा रविवार, 25 जनवरी को हैदराबाद में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने दी। कार्यक्रम से पहले बातचीत में रेड्डी ने बताया कि यह समारोह लखड़ीकापुल स्थित रवींद्र भारती सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम 'मेरा वोट- मैं भारत हूं' रखी गई है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाना तथा राज्य भर में लोकतांत्रिक भागीदारी को सुदृढ़ करना है।

रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना की राज्य निर्वाचन आयुक्त, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्रीमती आई. रानी कुमुदिनी, इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, इस वर्ष का फोकस सजग, जागरूक और सत्यनिष्ठ मतदाता को विकसित करने तथा चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी को और गहरा करने पर है।

बीजेपी की अवमानना याचिका सुनवाई 6 फरवरी तक टली

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई स्थगित करते हुए इसे 6 फरवरी तक के लिए टाल दिया। यह याचिका भाजपा विधायक दल के नेता आलेटी महेश्वर रेड्डी ने दायर की है, जिसमें विधायकों के दल-बदल मामले में शीर्ष अदालत के आदेशों की अवहेलना का आरोप लगाया गया है। शीर्ष अदालत ने महेश्वर रेड्डी की याचिका को बीआरएस नेताओं के.टी. रामाराव और कौशिक रेड्डी द्वारा पहले दायर की गई समान याचिकाओं के साथ क्लब कर दिया। न्यायमूर्ति संजय करोल की अध्यक्षता वाली पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

भाजपा नेता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें 10 बीआरएस विधायकों के कथित दल-बदल से जुड़े अयोग्यता मामलों पर तीन माह के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया गया था। विपक्षी दलों ने बार-बार आरोप लगाया है कि स्पष्ट सुप्रीम कोर्ट निर्देशों के बावजूद अध्यक्ष जानबूझकर कार्रवाई में देरी कर रहे हैं। याचिका में खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र की हालिया सार्वजनिक टिप्पणी का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे अब भी कांग्रेस पार्टी के साथ हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष नवंबर में ही विधानसभा अध्यक्ष को अवमानना नोटिस जारी किया था। अब भाजपा की याचिका जुड़ने और नए नोटिस जारी होने के बाद यह राजनीतिक रूप से संवेदनशील दल-बदल मामला एक बार फिर तेलंगाना की राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

सिरसिला मेगा पावरलूम क्लस्टर में देरी पर केटीआर का केंद्र पर आरोप

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सिरसिला के लिए मेगा पावरलूम क्लस्टर की मंजूरी में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे तेलंगाना और बुनकर समुदाय के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध बताया। केटी रामाराव ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना को नुकसान पहुंचा रही है और आगामी केंद्रीय बजट में लंबे समय से लंबित सिरसिला मेगा पावरलूम क्लस्टर की घोषणा की जानी चाहिए।

उन्होंने सोमवार को केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह को लिखे पत्र में कहा कि व्यापक पावरलूम क्लस्टर विकास योजना के तहत सिरसिला सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है, इसके बावजूद केंद्र सरकार उदासीन बनी हुई है। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह मांग एक दशक से अधिक पुरानी है और सिरसिला तकनीकी, वित्तीय और बुनियादी ढांचे की सभी शर्तें पूरी करता है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में उन्होंने विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों को कई पत्र लिखे, बैठकें कीं और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी सौंपी, जिनकी केंद्रीय टीमों ने भी पुष्टि की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब योग्यता कोई मुद्दा नहीं है तो फाइल को लंबित क्यों रखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों को कम क्षमता के बावजूद मेगा क्लस्टर स्वीकृत किए गए, जबकि सिरसिला को नजरअंदाज किया गया।

केटी रामाराव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने भूमि, बिजली, पानी और अन्य सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली थीं। इसके बावजूद केंद्र की ओर से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र की निष्क्रियता से सिरसिला के बुनकर परिवार संकट में हैं और कांग्रेस शासन में यह क्षेत्र फिर से मुश्किल दौर से गुजर रहा है। उन्होंने तेलंगाना के भाजपा सांसदों पर भी राज्य के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। केटी रामाराव ने केंद्र सरकार से राजनीति से ऊपर उठकर सिरसिला मेगा पावरलूम क्लस्टर को केंद्रीय बजट में शामिल करने की मांग की और चेतावनी दी कि देरी से बुनकर समुदाय में असंतोष और बढ़ेगा।

दूसरा स्काईवॉक अपने अंतिम चरण में, मार्च तक शुरू होने की संभावना

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मेहदीपटनम में बन रहे दूसरे स्काईवॉक का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) ने बताया कि परियोजना 90 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी है और इसे मार्च तक चालू करने के लिए अंतिम कार्य जारी हैं।

इस स्काईवॉक की योजना पूर्व बीआरएस मंत्री केटी रामाराव द्वारा शहर में यातायात जाम कम करने के लिए बनाई गई थी। भूमि अधिग्रहण और रक्षा क्षेत्र से 3,380 वर्ग गज भूमि प्राप्ति के बाद निर्माण कार्य संभव हो पाया। 390 मीटर लंबे एलिवेटेड स्काईवॉक में रायथु बाजार, बस बे एरिया, हुमायूं नगर पुलिस स्टेशन और गुड़ीमलकापुर जंक्शन पर पांच प्रवेश और निकास बिंदु होंगे। स्काईवॉक सड़क के यातायात से पैदल यात्रियों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा।

इस परियोजना पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसमें 13 लिफ्ट, दो मध्यवर्ती सुरंग मार्ग और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए विशेष लिफ्ट चेयर की सुविधा होगी।

पर्यटन और तीर्थ स्थलों को विवाह स्थल बनाने का प्रस्ताव

मंचेरियल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दो कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों और एक प्रमुख तीर्थ केंद्र को विवाह समारोह स्थलों के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं।

इसका उद्देश्य पर्यटकों को आकर्षित करना, स्थानीय लोगों को आजीविका के अवसर देना और राज्य के लिए आय के स्रोत तैयार करना है। अधिकारियों के अनुसार श्रीपदा येल्लमपल्ली सिंचाई परियोजना (गुडीपेट), ऐतिहासिक गांधारी किला और प्राचीन श्री सत्यनारायण स्वामी देवस्थानम (गुडेम गुट्टा) को विवाह स्थलों के रूप में विकसित करने के लिए सरकार को धन आवंटन हेतु प्रस्ताव भेजे गए हैं।

इन स्थानों पर सड़क, बिजली, पीने का पानी, पार्किंग, वाई-फाई, खुले विवाह लॉन, बैंक्वेट हॉल, स्टेज, चेंजिंग रूम, प्री-वेडिंग शूट जोन, टेंट, कॉटेज, लॉज, होमस्टे और शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।

इसके अलावा खानपान क्षेत्र, भोजन कक्ष, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा कर्मी, सीसीटीवी निगरानी और कार्यक्रम समन्वय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

सौंदर्य और मनोरंजन के लिए भूनिर्माण, फव्वारे, सजावटी लाइटिंग, नौका विहार और सांस्कृतिक मंच विकसित करने का प्रस्ताव है।

आपातकालीन और सुरक्षा व्यवस्थाओं में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, अग्निशमन उपकरण, निकासी योजना और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस सहायता शामिल होगी। साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना भी है। अधिकारियों ने बताया कि येल्लमपल्ली परियोजना, गुडेम गुट्टा मंदिर और गांधारी किला में इन सुविधाओं के विकास से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

बिना अनुमति छुट्टी लेने पर सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक निलंबित

मंचेरियल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिना पूर्व अनुमति के छुट्टी लेने और दो महीने का वेतन लेने के आरोप में एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश शिक्षा विभाग के वारंगल क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक सत्यनारायण रेड्डी ने रविवार को जारी किया। आदेश के अनुसार ज़ेडपीएसएस चेन्नूर टाउन में कार्यरत प्रधानाध्यापक राधाकृष्ण मूर्ति पर बिना अनुमति छुट्टी लेने और दो महीने का वेतन लेने का आरोप था। मामले की जांच कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है।

संयोजक कोटा खत्म करने की साजिश : एचआरडीए

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थित हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (एचआरडीए) ने सोमवार को कहा कि स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों के लिए एक समान शुल्क संरचना का प्रस्ताव निजी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन संघों द्वारा संयोजक कोटा प्रणाली को समाप्त करने का प्रयास है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना जेड चोंगथू को सौंपे गए एक ज्ञापन में एचआरडीए ने कहा कि सभी श्रेणियों के लिए समान शुल्क तय करना कोई सुधार नहीं है, बल्कि सस्ती संयोजक कोटा सीटों को खत्म कर चिकित्सा शिक्षा को केवल अमीरों तक सीमित करने की सोची-समझी रणनीति है। एचआरडीए ने कहा कि उन्होंने संयोजक कोटा प्रणाली के तत्काल संरक्षण की मांग की है और राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह चिकित्सा शिक्षा में योग्यता, समानता और सामाजिक न्याय के हित में हालिया एकल पीठ के आदेश के खिलाफ अपील दायर करे। संघ ने बताया कि संयोजक कोटा सीटें वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्ग के मेधावी छात्रों, खासकर ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए सहारा रही हैं। एचआरडीए ने राज्य सरकार से अपील की कि वह किसी भी समान शुल्क संरचना को लागू न करे, जिससे निजी प्रबंधन को लाभ और गरीब व मध्यम वर्ग के छात्रों पर भारी आर्थिक बोझ पड़े।

दक्षिण भारत विज्ञान मेले में छात्रों ने पेश किए नवाचार

दो परियोजनाओं का राष्ट्रीय चयन

संगारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को गौडियम स्कूल में आयोजित दक्षिण भारत विज्ञान मेले में छह दक्षिणी राज्यों के छात्रों ने विभिन्न नवाचार प्रस्तुत किए। इस मेले में 200 से अधिक प्रोटोटाइप और मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें से कई को राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान मेलों के लिए चुना गया।

पलनाडु जिले के एसकेबीजेडपी हाई स्कूल के टी संपथ रेड्डी और टी जसवंत रेड्डी ने स्वचालित अग्नि सुरक्षा प्रणाली वाली स्मार्ट बस का प्रोटोटाइप बनाया। इसमें बस के अंदर सेंसर लगे हैं जो आग का पता लगाते ही वाहन को रोकते हैं, दरवाजे खोलते हैं और अलार्म सिस्टम चालू कर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद करते हैं। एलुरु जिले के ज़ेडपी हाई स्कूल की दो छात्राओं ने भी कई सुरक्षा सुविधाओं से लैस एक अभिनव उपकरण विकसित किया। दोनों परियोजनाओं को राष्ट्रीय विज्ञान मेले के लिए चुना गया है।

झील में मगरमच्छ दिखने से मछुआरों में दहशत

संगारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सदाशिवपेट मंडल के येनकेपल्ली झील में तीन मगरमच्छों के देखे जाने से मछुआरों में दहशत फैल गई है। सोमवार को मछली पकड़ने के लिए झील में उतरे मछुआरों को एक स्थान पर दो मगरमच्छ और झील के दूसरे कोने में एक और मगरमच्छ दिखाई दिया।

मगरमच्छों के हमले के डर से मछुआरों ने मछली पकड़ने की गतिविधियों से दूर रहने का फैसला किया है। उनका कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि झील में कुल कितने मगरमच्छ मौजूद हैं। मछुआरों ने सरकार से झील को मगरमच्छों से मुक्त कराने की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो मगरमच्छ मनुष्यों और मवेशियों पर हमला कर सकते हैं, जो रोजाना पानी पीने के लिए झील पर आते हैं।

सूफी दरगाह में बसंत पंचमी का उत्सव

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुराने शहर में स्थित हजरत शेखजी हाली दरगाह में हर वसंत ऋतु में बसंत पंचमी उत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर दरगाह भावपूर्ण सूफी संगीत और पीले सरसों व गेंदे के फूलों से सज जाती है।

हालांकि बसंत पंचमी मूल रूप से हिंदू त्योहार है, इसे 12वीं शताब्दी में सूफी परंपराओं, विशेषकर चिश्ती संप्रदाय, ने अपनाया। इस परंपरा की शुरूआत हजरत निज़ामुद्दीन औलिया और अमीर खुसरो के समय हुई। खुसरो ने पीर को खुश करने के लिए वसंत ऋतु में हिंदवी और फारसी छंदों के साथ गीत गाकर यह उत्सव शुरू किया।

हैदराबाद में अखिल भारतीय मरकज़ी मजलिस-ए-चिश्तिया 23 जनवरी को महफ़िल-ए-निज़ामी का आयोजन करेगी। इस कार्यक्रम में अमीर खुसरो की कालजयी रचनाएं और सूफियाना गाने प्रस्तुत किए जाएंगे। खुसरो की कविताएं हिंदू और इस्लामी सभ्यताओं के संगम का प्रतीक मानी जाती हैं और भारतीय संगीत और साहित्य में उनका अमर योगदान है।

दरगाह के सज्जादा नशीन मुजफ्फर अली सूफी ने कहा कि ऐसे उत्सव मानवता को एकजुट करते हैं और एकता, शांति और सौहार्द का संदेश फैलाते हैं। उत्सव के दौरान उपस्थित लोगों को पीले रंग के कपड़े पहनने और भक्ति व संगीत से सराबोर होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। बसंत पंचमी का यह पर्व सूफी दरगाहों में सद्भाव, साझा उत्सव और भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखता है।

सड़क हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

करीमनगर, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद के बाहरी इलाके में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बरमावत मनोहर (27) की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब मनोहर की मोटरसाइकिल हुस्नाबाद कस्बे के बाहरी क्षेत्र में स्थित सबस्टेशन के पास सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। जानकारी के अनुसार करीमनगर जाते समय बाइक से नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई। टक्कर के बाद मनोहर के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी, जहां कर्मचारियों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मनोहर हुस्नाबाद मंडल के फूलनाइक थंडा के मूल निवासी थे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। करीब तीन महीने पहले वह भारत लौटे थे और हैदराबाद में अपनी खुद की सॉफ्टवेयर कंपनी शुरू की थी। संक्रांति की छुट्टियों के लिए वह अपने पैतृक गांव आए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए हुस्नाबाद सरकारी अस्पताल भेज दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No 14667304X, NK, Shankarling Khaski, R/o, Dist: Bijapur, Karnataka, changed my Mother's name from Gurubai Khaski to Gurubai Kantappa Khaski,vide Affidavit No.284354 dt. 17.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Savita, W/o, No. 14649294W, Hav, Maruti Tarase, R/o, Dist: Vijayapura, Karnataka, changed my name from Savita to Savita Maruti Tarase vide Affidavit No 58 dt. 16.01.2026 before Executive Magistrate, Dharamshala.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE ISENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS COMPLEX, AT: HYDERABAD

S.O.P. No. 147 of 2025

Between
Asha Shamsunder& Ors ...Petitioners
AND
Reliance Nippon Life Insurance & Ors ...Respondents

PUBLIC NOTICE

To
ALL CONCERNED

Please take notice that the above mentioned petitioners have filed the above Petition to grant Succession Certificate in favour of the petitioners as mentioned in the Will by Sri Late GurnurkarShamsunder to claim the change of name in the policy issued by the Respondents and All Concerned. The above matter is posted on 05-02-2026 for calling objection from concern person/s and their written statements if any, hence the concern person/s if any are hereby required to appear before the Hon'ble court on 05-02-2026 at 10.30 A.M. either in person or through an Advocate, duly instructed by you concern failing which the matter will be decided exparte.

By order of the court

Sd/- P. JOHN MATHEW CALEB
ADVOCATE
#: P.No. 61, Street No.2, Himayathnagar , Hyderabad. -500029, Ph: 7013919931

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 20 जनवरी- 2026

2029 के चुनाव के लिए तैयार हैं नितिन नबीन

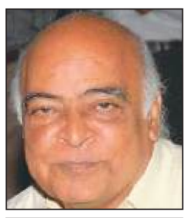

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे में आज एक बड़ा ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन आज, 19 जनवरी को, देश की राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया । इस कार्यक्रम को न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है । अगर सब कुछ तय रणनीति के मुताबिक रहा, तो 20 जनवरी को भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा यानि जब आप यह लेख पढ़ रहे होंगे तब तक नये अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के नाम की घोषणा हो चुकी होगी क्योकि नितिन नबीन के निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है और ऐसा हुआ तो वे भाजपा के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे।

ज्ञात हो कि जेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय परिषद और विभिन्न राज्य परिषदों के प्रतिनिधियों वाले एक इलेक्टोरल कॉलेज द्वारा किया जाता है। पूरी प्रक्रिया पार्टी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर की देखरेख में होती है।बीजेपी संविधान के अनुसार, इस पद के लिए उम्मीदवार का नाम किसी राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के कम से कम 20 सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित किया जाना चाहिए। नामांकित व्यक्ति ने पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में चार कार्यकाल पूरे किए हों और उसकी न्यूनतम 15 साल की सदस्यता होनी चाहिए।

संविधान में आगे यह भी कहा गया है कि ऐसा संयुक्त प्रस्ताव कम से कम पांच राज्यों से आना चाहिए जहां राष्ट्रीय परिषद के चुनाव पहले ही पूरे हो चुके हैं।शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने कहा था, ₹यदि आवश्यक हुआ तो 20 जनवरी को मतदान होगा और उसी दिन नए बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

कौन हैं नितिन नवीन? नितिन नवीन बिहार के एक सीनियर बीजेपी नेता हैं, जिनकी राजनीतिक जड़ें बहुत मज़बूत हैं। पटना में जन्मे, वह स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं - जो एक सम्मानित बीजेपी नेता और पूर्व विधायक थे। अपने पिता की अचानक मौत के बाद उन्होंने एक्टिव राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पहचान बनाई।उन्होंने पटना में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। नवीन को राज्य में बीजेपी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। उन्होंने 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार चार विधानसभा चुनाव जीते हैं। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, नवीन ने बांकीपुर से शानदार जीत हासिल की, और अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से ज़्यादा वोटों के अंतर से हराया। उनकी लगातार चुनावी सफलता ने पार्टी के अंदर उनकी स्थिति को और मज़बूत किया है। फिलहाल, नवीन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली NDA सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास विभाग संभाल रहे हैं। यहां यह बताना ज़रूरी है कि नवीन को JD(U) के साथ बीजेपी के गठबंधन को मैनेज करने और NDA की चुनावी जीत में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। बिहार के अलावा, नवीन छत्तीसगढ़ में बीजेपी के प्रभारी भी रह चुके हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाता है।

गौरतलब है कि बीजेपी आलाकमान ने नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का बड़ा फैसला केवल संगठनात्मक स्तर पर नहीं लिया, बल्कि देश की राजनीति को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। संदेश यह कि बीजेपी में नेतृत्व का रास्ता उम्र या वंश नहीं, बल्कि मेहनत, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता से तय होता है। महज 45 वर्ष की उम्र में नितिन नबीन को यह जिम्मेदारी देकर पार्टी ने यह साबित कर दिया है कि बीजेपी भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए युवा नेतृत्व तैयार करती है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की कमान 83 वर्ष के मल्लिकार्जुन खड़गे के बुजुर्ग कंधों पर है। बीजेपी में नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने का फैसला एक नियुक्ति नहीं बल्कि बीजेपी में पीढ़ीगत बदलाव की श्रृंखला का प्रतीक भी है। 1980 में स्थापना के बाद पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं के नेतृत्व में पार्टी ने अपनी वैचारिक और सांगठनिक नींव मजबूत की। उनके बाद नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, वैंकया नायडू, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह जैसी दूसरी पीढ़ी ने धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, योगी आदित्यनाथ, प्रह्लाद जोशी और अनुराग ठाकुर जैसी तीसरी पीढ़ी के साथ मिलकर पार्टी में संगठनात्मक विस्तार कर सत्ता तक पहुंचाया। अब चौथी पीढ़ी के रूप में युवा नितिन नबीन की ताजपोशी के साथ बीजेपी ने औपचारिक रूप से नेतृत्व की कमान सौंप दी है।

नितिन नबीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमित शाह के नाम था, जिन्होंने 49 वर्ष की उम्र में पार्टी की कमान संभाली थी। उनसे पहले नितिन गडकरी 52 वर्ष की उम्र में अध्यक्ष बने थे। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनसंघ के दौर में कम उम्र में अध्यक्ष बने थे।इस फैसले के जरिए बीजेपी ने युवाओं को सीधा संदेश दिया है कि पार्टी में उम्र बाधा नहीं है। बल्कि सामाजिक दृष्टि देखें तो नितिन नबीन कायस्थ समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या चुनावी राजनीति में निर्णायक नहीं मानी जाती। इसके बावजूद उन्हें पार्टी का शीर्ष पद सौंपना यह दर्शाता है कि बीजेपी नेतृत्व चयन में जातिगत गणित से ऊपर उठकर संगठनात्मक क्षमता और राजनीतिक समझ को प्राथमिकता दे रही है। संगठन में काम करने वाला, जमीन से जुड़ा और चुनावी चुनौतियों को समझने वाला कार्यकर्ता शीर्ष तक पहुंच सकता है। नितिन नबीन का चयन क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है। वह बिहार से आते हैं और पूर्वी भारत से बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। मतलब साफ है कि पार्टी का फोकस केवल हिंदी पट्टी या पश्चिमी भारत तक सीमित नहीं है। बिहार, बंगाल, ओडिशा, असम और उत्तर-पूर्व जैसे राज्यों में बीजेपी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है और नितिन नबीन को नेतृत्व सौंप कर पार्टी इस रणनीति को मजबूती प्रदान करना चाहती है।पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए एक लाख नए युवाओं को देश की राजनीति में लाने का वादा किया था। दूसरी तरफ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत समेत संघ पदाधिकारों ने कई बार सार्वजनिक मंचों से युवाओं को नेतृत्व देने की बात कही। नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाना इसी बात का संकेत है।

भले ही नितिन नबीन का अध्यक्षीय कार्यकाल 3 साल का है जो जनवरी 2029 में पूरा होगा लेकिन इतना तो तय है कि 2029 का लोकसभा चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उनसे पहले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ही पार्टी ने अमित शाह और फिर जेपी नड्डा के अध्यक्ष कार्यकाल को विस्तार दिया था।

चांदी ने रचा इतिहास

चांदी कीमतों ने आज नया इतिहास रच दिया है। एमसीएक्स पर सिल्वर की कीमतें पहली बार 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर पार कर गईं है। सोमवार को वायदा बाजार में चांदी की कीमतों ने नया इतिहास रच दिया। निवेशकों की मजबूत मांग और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच चांदी पहली बार तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर पार कर गई जिससे कमोडिटी बाजार में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मार्च में आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 13,553 रुपये या 4.71 प्रतिशत की भारी तेजी के साथ 3,01,315 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। चांदी ने पिछले एक साल में अब तक का सबसे तेज उछाल दर्ज किया है और कमोडिटी बाजार का खेल बदल कर रख दिया है। सोना-चांदी का नाम हमेशा साथ-साथ लिया जाता है। लेकिन सोने को जहां महंगी धातु मानकर संपत्ति के तौर पर अर्जित किया जाता रहा है वहीं चांदी को हमेशा एक ज्यादा किफायती धातु के तौर पर खरीदा-बेचा जाता रहा है। भारत में सोने को हमेशा से सुरक्षित संपत्ति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। चांदी भी हमेशा सोने के साथ-साथ चली है लेकिन किफायती होने के चलते यह सिर्फ रईसों की नहीं बल्कि गरीबों के गहनों के तौर पर भी अपनी जगह बना सकी। लेकिन पिछले 6 महीने में खेल बदल गया है। अब चांदी सिर्फ एक किफायती व कीमती धातु नहीं रही बल्कि यह वैश्विक कारोबार और ऊर्जा रणनीति का अहम हिस्सा बनकर उभर रही है। सिल्वर ने इस साल कमोडिटी बाज़ार में सबसे तेज उछाल दर्ज किया। इसके बाद भी बड़ी समस्या यह है कि भारत अभी तक चांदी की प्रोसेसिंग में आत्मनिर्भर नहीं है। यही वजह है कि वैश्विक आपूर्ति और भू-राजनीतिक दबाव के बीच भारत की चांदी सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत ने अब कदम नहीं उठाए तो यह सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं बल्कि औद्योगिक और ऊर्जा महत्व में भी पीछे रह सकता है। जनवरी 2025 की शुरुआत में चांदी का भाव 80000-85000 रुपये प्रति किलो पर था और इस हिसाब से देखें तो सिल्वर की कीमतों में आया यह उछाल असाधारण है। वैश्विक परिष्कृत चांदी व्यापार में लगभग 21.4% हिस्सेदारी के साथ भारत अब एक उभरते वैश्विक "सिल्वर वॉर" का प्रमुख केंद्र बन गया है। यह तेजी केवल निवेशकों की भावना नहीं बल्कि चांदी के उत्पादन, व्यापार और इस्तेमाल के ढांचे में हो रहे गहरे संरचनात्मक बदलाव को दिखाती है। चांदी को लेकर, भारत इस बदलते परिदृश्य के केंद्र में है और रिफाइंड चांदी का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। भारत चांदी अयस्क का व्यापार नहीं करता, लेकिन चांदी की ईंटों और छड़ों का प्रमुख खरीदार है।

पानी की क्वालिटी बड़ी चुनौती

पुनीत उपाध्याय

स्वच्छ पानी की दरकार भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरी है। 2025 के आखिर में मध्य प्रदेश के इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पीने के पानी में गंभीर कंटैमिनेशन का संकट देखा गया जब सीवेज पानी की सप्लाई में मिल गया। 20 लोगों की मौत हुई। 1500 से ज़्यादा डायरिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के शिकार होकर अस्पताल में भर्ती हुए। नगर निगम और राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की कि पीने के पानी में बैक्टीरिया से गंदगी फैलने की मुख्य वजह थी। यह हादसा एक बानगी है। देश का कोई भी शहर, कस्बा, गांव इस समस्या से अछूता नहीं है। इंटरनेशनल बेंचमार्क पीने के पानी की सेफ्टी और असुरक्षित पानी के संपर्क से जुड़े इंडिकेटर्स पर भारत को दुनिया भर में लगातार निचले लेवल पर रखते हैं। येल यूनिवर्सिटी ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर जो एनवायर्नमेंटल परफॉर्मेंस इंडेक्स 2024 बनाया उसमें असुरक्षित पीने के पानी के संपर्क को मापने वाले खास इंडिकेटर पर भारत 180 देशों में 116वें नंबर पर रखा।

सेंट्रल ग्राउंडवॉटर बोर्ड के असेसमेंट से पता चलता है कि भारत के ज़्यादातर ज़िले कम से कम एक पैरामीटर से ग्राउंडवॉटर कंटैमिनेशन से प्रभावित हैं। आम कंटैमिनेंट्स में फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट, सलिनिटी, आयरन और हेवी मेटल्स शामिल हैं। अलग-अलग नेशनल असेसमेंट से पता चलता है कि 200 मिलियन से ज़्यादा लोग ऐसे ग्राउंडवॉटर के संपर्क में हैं जिसमें केमिकल कंसंट्रेशन मंज़ूर लिमिट से ज़्यादा है।देश भर में टेस्ट किए गए ग्राउंडवॉटर सैंपल में से 20द्30 फीसदी एक या ज़्यादा सेफ्टी पैरामीटर से ज़्यादा हैं जिसमें कंटैमिनेशन हॉटस्पॉट मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्से जैसे राज्य हैं। इंडिया वाटर पोर्टल के अनुसार भारत में जल प्रदूषण एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है । यह न केवल एक प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दा है बल्कि यह राष्ट्र के स्वास्थ्य और समृद्धि से भी सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

भारत में जल प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत अनुपचारित सीवेज है। प्रमुख शहरों में प्रतिदिन लगभग 38 हजार 354 मिलियन लीटर सीवेज उत्पन्न होता है लेकिन शहरी सीवेज उपचार क्षमता केवल 11 हजार 786 मिलियन लीटर प्रतिदिन है। अधिकांश सरकारी स्वामित्व वाले सीवेज उपचार संयंत्र अनुचित डिजाइन, खराब रखरखाव, बिजली की अविश्वसनीय आपूर्ति, कर्मचारियों की अनुपस्थिति और खराब प्रबंधन के कारण ज्यादातर समय बंद रहते हैं । शहरी क्षेत्रों में उपयोग किए गए लगभग 80 फीसदी पानी को अपशिष्ट जल के रूप में बाहर निकाल दिया जाता है जिसे अक्सर ठीक से उपचारित नहीं किया जाता है जिससे सतही स्तर के ताजे पानी का भारी प्रदूषण होता है । गंगा नदी के किनारे रहने वाले लगभग 500 मिलियन लोगों से निकलने वाला सीवेज सीधे नदी में डाल दिया जाता है जिसमें साबुन, डिटर्जेंट और मानव मल जैसे रसायन होते हैं । वर्तमान में उत्पन्न अपशिष्ट जल का केवल लगभग 10 फीसदी ही उपचारित किया जाता है शेष सीधे हमारे जल निकायों में छोड़ दिया जाता है। अनियंत्रित शहरीकरण भी सीवेज जल के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है ।

राजधानी भी अछूती नहीं, दिल्ली में पानी में गंदगी की 45 हजार शिकायतें

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी दिल्ली में दिल्ली जल बोर्ड को पिछले साल 1 अप्रैल से 31 दिसंबर के बीच पूरे शहर से पानी में गंदगी से जुड़ी करीब 45000 शिकायतें मिलीं। सबसे ज़्यादा 9 हजार 308 शिकायतें ट्रांस.यमुना इलाके से दर्ज की गईं जिसमें त्रिलोकपुरी, कोंडली, पटपड़गंज, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर और विश्वास नगर जैसे विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। ज़्यादातर शिकायतें अप्रैल से सितंबर के बीच गर्मी और मॉनसून के मौसम में मिलीं, जब आमतौर पर पानी की खपत बढ़ जाती है और शहर में पीने के पानी की कमी हो जाती है। मध्य प्रदेश के इंदौर में पानी के दूषित होने का एक बड़ा संकट देखा गया जिससे 20 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग बीमार पड़ गए।

इंदौर के अलावा, गुजरात के गांधीनगर, तेलंगाना में हैदराबाद के आसपास के क्षेत्रों, उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा और हरियाणा के रोहतक और झज्जर में भी पानी के दूषित होने की खबरें आई हैं।

हर दल ब्राह्मणों को अपनी ओर खींच रहा

राजेश श्रीवास्तव

बीते दिनों बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने 7०वें जन्मदिन पर ब्राह्मणों को खास संदेश देकर यूपी की राजनीति में जहां अपनी सोशल इंजीनियरिंग को हवा दी, वहीं ब्राह्मण समाज की उपयोगिता पर एक नया विमर्श खड़ा कर दिया जिसके चलते दल भारतीय जनता पार्टी असमंजस में आ गयी है क्योंकि ब्राह्मण भाजपा का सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी। यूपी में होने वाले चुनाव में बसपा अकेले ही उतरेगी। इसे लेकर किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

दरअसल, यूं ही अचानक मायावती ने ब्राह्मणों को लेकर संदेश नहीं दिया। बीते दिनों आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा के ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था- ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ हैं। एक-एक से बात करके समझा दिया है। अब एक्शन लूंगा। अखिलेश यादव ने भी भाजपा की चुटकी ली थी। उन्होंने नए साल पर दी गई बाटी चोखा-पार्टी में कहा था कि भाजपा विधायक बैठे-बैठे लिट्टी चोखा खा रहे थे। अगर वो सरकार के खिलाफ खड़े हो गए, तो क्या होगा? अब भाजपा बाटी-चोखा की भी जांच कर रही है।

23 दिसंबर को लखनऊ में ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। इसमें सपा के बागी और भाजपा के विधायक शामिल थे। यह बैठक विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बीच कुशीनगर के भाजपा विधायक पीएन पाठक की पत्नी के जन्मदिन के नाम पर उनके लखनऊ आवास पर हुई थी। इसमें पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 45 से 5० ब्राह्मण विधायक शामिल हुए। विधायकों को लिट्टी-चोखा और मंगलवार व्रत का फलाहार परोसा गया। खास बात है कि बैठक में अन्य पार्टियों के भी ब्राह्मण विधायक पहुंचे थे। मीटिंग के बाद सरकार में हलचल मच गई। सूत्रों के मुताबिक, सीएम के ओएसडी सरवन बघेल ने बीजेपी विधायक पीएन पाठक को कॉल कर मामले की जानकारी ली। पाठक ने उन्हें बताया कि कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी। मैंने सहभोज रखा था। बताया गया कि आरएसएस और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस मामले को शांत कराने में जुट गए थे।

सूत्रों का कहना है कि बैठक में कहा गया कि अलग-अलग जाति के खांचों में कई जातियां तो पावरफुल हो गईं, लेकिन ब्राह्मण पिछड़ गए हैं। जाति की राजनीति में ब्राह्मणों की आवाज दबती जा रही है। उन्हें अनसुना कर दिया गया। ब्राह्मणों के मुद्दों को उठाने जोर-शोर से उठाने के लिए यह जुटान हुई है। विधायकों का मानना है कि उनके समाज से डिप्टी सीएम तो हैं, लेकिन उनको ताकत नहीं दी गई। मालुम हो कि ब्राह्मण वोट बैंक यूपी के लगभग हर जिले में है। हालांकि, पूर्वांचल यानी फैजाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, गाजीपुर, गोंडा, बस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, जौनपुर जैसे जिले ब्राह्मण वोट बैंक का गढ़ माने जाते हैं। मध्य यूपी यानी कानपुर, रायबरेली, फर्रुखाबाद, कन्नौज, उन्नाव, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, इलाहाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अमेठी आदि जिले भी इस वोट बैंक का गढ़ हैं। इसी तरह बुंदेलखंड जोन यानी हमीरपुर, हरदोई, जालौन, झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, बांदा आदि इलाके ब्राह्मण वोटर्स का केंद्र हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि ब्राह्मण वोटर्स की लगभग 30 जिलों में महत्वपूर्ण भूमिका है। अगर हम एक जिले की औसतन पांच विधानसभा मान लें तो इनकी संख्या 150 तक पहुंच जाती है।

भाजपा को 2०22 के यूपी विधानसभा चुनाव में 89% ब्राह्मणों ने वोट दिए थे। जानकार कहते हैं कि ब्राह्मण वोकल होता है और अपने आसपास के दस वोटरों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सभी पार्टियां ब्राह्मणों के ताकत को समझती हैं। भले ही ब्राह्मणों की संख्या यूपी में 11-12 प्रतिशत हो, लेकिन दमदारी से अपनी बात रखने की वजह से वह जहां भी रहे हैं, प्रभावशाली रहते हैं। यही वजह है कि आजादी के बाद से 1989 तक यूपी को छह ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिले लेकिन यह सभी मुख्यमंत्री कांग्रेस कार्यकाल में हुए। कांग्रेस अक्सर यह मुद्दा भी उठाती है कि ब्राह्मणों को सम्मान उसी ने दिया। 2००7 में ब्राह्मण दलित गठजोड़ से ही बसपा पूर्ण बहुमत में सत्ता में आ पाई थी। उस वक्त बीएसपी प्रमुख मायावती ने ब्राह्मण और दलित की सोशल इंजीनियरिग का फॉर्मूला बनाया था। 8० से 9० फीसदी तक ब्राह्मण बसपा के साथ जुड़ गए थे।

दलितों की पार्टी कही जाने वाली बसपा में सतीश चंद्र मिश्रा को दूसरे नंबर का दर्ज़ा दे दिया गया। आरोप लगते हैं कि 2009 में बीएसपी सरकार में तमाम लोगों पर एससी-एसटी के मुकदमे दर्ज हुए, जिनमें ब्राह्मण नाराज हो गए और वह 2012 के विधानसभा चुनावों में एसपी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ आ गए। 2017 में उन्होंने बीजेपी का साथ दिया और उनकी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में मदद की। विधानसभा में बीजेपी के 46 ब्राह्मण विधायक जीतकर पहुंचे।

लिहाजा मायावती अब ब्राह्मणों को साधकर फिर से यूपी में सत्ता का ख्वाब बुन रही हैं । वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ब्राह्मण विरोधी होने का शिगूफा भी अक्सर यूपी में उठता रहता है चाहे खुशी दुबे का प्रकरण या विकास दुबे।

कई मामलों को लेकर मुख्यमंत्री को कठघरें में खड़ा किया जाता है। इसी के चलते जब ब्राह्मणों ने बैठक की तो भाजपा हाईकमान अलर्ट हो गया क्योंकि वह इस वर्ग को नाराज नहीं करना चाहता लेकिन ब्राह्मण इन दिनों निराश महसूस कर रहा है।

ईरान संकट: बयानबाज़ी से बमबारी तक की दूरी कितनी?

आरके जैन

मध्य पूर्व एक बार फिर सत्ता और संघर्ष की दहलीज़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक तीखे और असाधारण बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में खलबली मचा दी है, जिसमें उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के दशकों पुराने शासन को विफल बताते हुए "नई लीडरशिप" की खुली मांग कर डाली। यह केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा करता हुआ सशक्त संकेत माना जा रहा है। यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान भीतर ही भीतर आर्थिक दबाव, सामाजिक असंतोष और जनआक्रोश से जूझ रहा है। ऐसे में सवाल और तीखा हो उठता है— क्या यह महज़ शब्दों की जंग है, या किसी बड़े टकराव की प्रस्तावना?

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों की जड़ें बेहद गहरी और पीड़ादायक हैं। ईंधन सब्सिडी में कटौती से भड़का जनआक्रोश अब बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, राजनीतिक दमन और व्यापक गरीबी के खिलाफ जनांदोलन का रूप ले चुका है। सरकारी आंकड़ों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में अब तक हजारों लोग जान गंवा चुके हैं। सड़कों पर उतरे युवा, महिलाएं और मजदूर सीधे तौर पर शासन को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ऐसे माहौल में ट्रंप का यह कहना कि ईरान को नई नेतृत्व व्यवस्था की जरूरत है, प्रदर्शनकारियों के लिए नैतिक समर्थन जैसा लगा, जबकि सत्ता के लिए यह एक सीधी चुनौती बन गया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में खामेनेई को न सिर्फ ईरान की बर्बादी का जिम्मेदार ठहराया, बल्कि उन्हें "सिक मैन" कहकर व्यक्तिगत हमला भी किया। उनका कहना था कि जिस सत्ता की नींव डर और हिंसा पर टिकी हो, वह देश को सम्मान और समृद्धि नहीं दे सकती। ट्रंप का यह रुख नया नहीं है।

2018 में ईरान परमाणु समझौते से बाहर निकलने के बाद से उन्होंने 'मैक्सिमम प्रेशर' नीति अपनाई है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब यह दबाव बयानबाजी से आगे बढ़कर खुले तौर पर सत्ता परिवर्तन की मांग में बदलता दिख रहा है।

ईरानी नेतृत्व की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर और आक्रामक रही। सुप्रीम लीडर खामेनेई ने ट्रंप को "अपराधी" और "राजद्रोह भड़काने वाला" बताया, जबकि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने साफ चेतावनी दी कि खामेनेई पर किसी भी तरह का हमला पूरे ईरानी राष्ट्र के खिलाफ 'फुल-स्केल वॉर' या 'ऑल-आउट वॉर' माना जाएगा। यह बयान केवल कूटनीतिक भाषा नहीं, बल्कि युद्ध की सीधी धमकी है। इससे साफ हो गया कि ईरान इस मामले को सिर्फ राजनीतिक बयानबाज़ी नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता पर खुला आघात मान रहा है। इस टकराव की गूंज सिर्फ अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहने वाली। मध्य पूर्व पहले ही संघर्षों की आग में सुलग रहा है—गाजा, यमन, सीरिया और लेबनान के हालात जगजाहिर हैं। यदि अमेरिका और ईरान आमने-सामने आते हैं, तो इसका असर तेल आपूर्ति, वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ेगा। इजराइल और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी ट्रंप के रुख से उत्साहित दिखते हैं, जबकि रूस और चीन खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े हैं। यह टकराव वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती दे सकता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि अमेरिका की "रेजीम चेंज" नीति हमेशा स्थिरता नहीं लाती। इराक और लीबिया इसके ठोस उदाहरण हैं, जहां सत्ता परिवर्तन के बाद अराजकता और हिंसा बढ़ी। ईरान की स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां सत्ता धार्मिक, सैन्य और राजनीतिक संस्थाओं के मजबूत गठबंधन पर टिकी है। ट्रंप की बयानबाज़ी से अल्पकालिक दबाव जरूर बनता है, लेकिन इससे ईरानी राष्ट्रवाद भी और मजबूत हो सकता है। विदेशी हस्तक्षेप का खतरा अक्सर आंतरिक विरोध को कमजोर करता है—यह सच ईरान पर भी लागू हो सकता है।

ईरान के भीतर हालात बेहद नाज़ुक बने हुए हैं। इंटरनेट ब्लैकआउट, सोशल मीडिया पर सख्त पाबंदियां और कथित विदेशी तकनीकी मदद के आरोप शासन की बेचैनी को उजागर करते हैं। महिलाएं और युवा इस आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं, जो 2022 के महसा अमीनी आंदोलन की याद दिलाता है, जहाँ हिजाब नियमों के खिलाफ विरोध हुआ था। ट्रंप का बयान इन आंदोलनों को अंतरराष्ट्रीय ध्यान जरूर दिलाता है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अमेरिकी समर्थन की छाया पड़ते ही शासन दमन और तेज कर सकता है। यही विरोधाभास इस पूरे संकट को और अधिक जटिल बना देता है। वैश्विक स्तर पर प्रतिक्रियाएं साफ तौर पर बंटी हुई नजर आ रही हैं। यूरोपीय देशों ने संयम और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है, जबकि अमेरिका के भीतर कई नेता ट्रंप के सख्त रुख के समर्थन में खड़े दिखते हैं।

सोशल मीडिया पर ईरान में सत्ता परिवर्तन की मांग वाले हैशटैग तेजी से ट्रेंड कर रहे हैं, वहीं अनेक विश्लेषक इसे खतरनाक उकसावे के रूप में देख रहे हैं। मीडिया में यह बहस तेज हो गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में सैन्य कार्रवाई की ओर बढ़ना चाहते हैं या फिर यह महज रणनीतिक दबाव बनाने की कोशिश है। ट्रंप का अतीत बताता है कि उनकी धमकियां कई बार बातचीत की मेज तक पहुंचाने का जरिया भी रही हैं।

आत्मोत्सर्ग का उत्सव

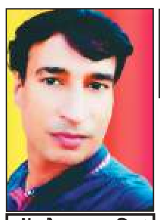

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सेवानिवृत्त हेडमास्टर दीनानाथ जी जब अपने छोटे बेटे सुमित के नए 'स्मार्ट होम' में रहने आए, तो उनके हाथ में पीतल का एक पुराना, भारी लोटा और एक फटी हुई सूती दरी थी। सुमित ने लाखों खर्च करके घर में 'वॉटर प्यूरीफायर' और विदेशी बाथटब लगवाया था, लेकिन दीनानाथ जी को उनमें 'आत्मीयता' की कमी महसूस हुई। पिताजी, यह लोटा यहाँ क्या करेगा? सेंसर वाले नल लगे हैं, हाथ नीचे करते ही गंगा बहने लगती है, सुमित ने गर्व से कहा।

दीनानाथ जी ने एक ऐसी फीकी, ठंडी मुस्कान दी जैसे किसी अपराधी को क्षमा कर रहे हों। बेटा, तुम्हारी मशीनों को क्या पता कि प्यास और तृप्ति में क्या अंतर है। तू अपनी प्रगति की पाइपलाइन से पानी पी, मुझे तो इस पीतल में अपनी पुरानी दरिद्रता की सुगंध आती है। वैसे भी, अब उम्र हो गई है, थोड़ा झुककर लोटे से पानी लूंगा तो यमराज को लगेगा कि अभी कमर में लचक बाकी है। अगले ही दिन से दीनानाथ जी ने घर के वैभव को अपनी 'सात्विक प्रताड़ना' से ढंकना शुरू कर दिया। सुमित की पत्नी, तन्वी, ने पिताजी के लिए एक आर्थोपेडिक गद्दे वाला पलंग मंगवाया था। दीनानाथ जी उस पर कभी नहीं सोए। वे रात को ड्राइंग रूम के उस सोफे के नीचे फर्श पर दरी बिछाकर सोते, जहाँ से रात भर आने-जाने वालों के पैर उनसे टकराते।

जब तन्वी घबराकर उन्हें उठाने जाती, तो वे अपनी सफेद दाढ़ी सहलाते हुए करुण स्वर में कहते, बहू, मुझे इस रुई के ढेर में मत दफ़ना। कल को जब श्मशान की सूखी लकड़ियों पर लेटना होगा, तो मेरा शरीर विरोध करेगा। मुझे कठोर धरातल की आदत रहने दे, ताकि जब मैं जाऊं, तो तुम्हें लगे कि मैं कोई भार नहीं, बस एक सूखी पत्ती था जो उड़ गई।

तन्वी को लगा जैसे उसके उपहार पर 'क्रूरता' की मुहर लग गई हो। वह महंगा बिस्तर कमरे में एक 'स्मारक' की तरह खड़ा रहा, और दीनानाथ जी की फर्श वाली दरी सुमित की सफलता की छाती पर एक घाव की तरह दिखने लगी।

मौन उपवास का प्रदर्शन

घर में हर रविवार को बेहतरीन पकवान बनते, लेकिन दीनानाथ जी ने नियम बना लिया था कि वे केवल उबली हुई लौकी और बिना नमक की एक रोटी खाएंगे। सुमित ने मिन्नतें कीं, पिताजी, आज आपकी पसंद की खीर बनी है, थोड़ा चख लीजिए।

दीनानाथ जी ने अपनी धंसी हुई आँखों में पूरे ब्रह्मांड का दुख समेटकर कहा, बेटा, तुमने तो छप्पन भोग कमा लिए, मेरी तपस्या पूरी हुई। अब इन स्वाद की इंद्रियों को जगाकर क्या करूँगा? तू अपनी 'कैलोरी' गिन, मुझे तो बस इस फीकेपन में अपना बीता हुआ अभाव चखने दे। बड़े घरों में अगर बूढ़े आधा पेट न सोएं, तो लक्ष्मी को बुरा लग जाता है कि हिस्सेदार अभी बाकी है। उस रात सुमित को पनीर का टुकड़ा गले में फांस की तरह लगा। डाइनिंग टेबल अब एक 'अदालत' बन गई थी जहाँ दीनानाथ जी जज थे और सुमित एक 'विलासी मुजरिम'।

पराकाष्ठा तब हुई जब सुमित ने उनके लिए एक चमचमाती कार खरीदी ताकि उन्हें मंदिर पैदल न जाना पड़े। दीनानाथ जी ने कार की चाबी को ऐसे देखा जैसे वह किसी जेल की चाबी हो। वे चिलचिलाती धूप में, नंगे पैर, हाथ में वही पीतल का लोटा लेकर मंदिर जाने लगे। पड़ोसी पूछते, मास्टर साहब, गाड़ी है तो पैदल क्यों? वे जवाब देते, बेटा कार लेकर आया है, पर मैं अपने पाप कैसे ढोऊँगा? थोड़ा पैरों को जलने दो, ताकि बेटे की तरक्की को नज़र न लगे। सुना है, पिता के पैर जितने घिसते हैं, बेटे की कुर्सी उतनी ही ऊंची होती है।

शाम तक दीनानाथ जी के पैरों में छाले पड़ जाते और सुमित की आत्मा पर 'अपराधबोध' के फफोले। एक दिन टूटकर सुमित उनके पैरों में गिर पड़ा, पिताजी, मार डालिए मुझे, पर यह नाटक बंद कीजिए। क्या चाहिए आपको? क्या मैं अपनी नौकरी छोड़ दूँ? यह घर बेच दूँ?

दीनानाथ जी ने कांपते हाथों से सुमित का माथा चूमा। उनकी आँखों में एक 'विजेता की शांति' थी। वे बोले, पागल है तू। मैं तो बस अपनी विदाई की रिहर्सल कर रहा हूँ। तू मुझे स्वर्ग की सुख-सुविधाएं देना चाहता है, पर मैं खुद को नरक के लिए तैयार कर रहा हूँ ताकि तुझे बाद में पछतावा न हो कि बाप को कष्ट हुआ। तू बस मुस्कुरा, मेरी इस सिसकती सादगी को अपनी तरक्की का 'टैक्स' समझ ले।

सुमित फूट-फूटकर रोने लगा। उसे समझ आ गया कि वह कभी नहीं जीत पाएगा।

स्वयं प्रकट होती हैं माता, एक फीट तक बढ़ जाती है मूर्ती..

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की पहचान सिर्फ इतिहास से नहीं, बल्कि आस्था और चमत्कारों से भी जुड़ी है. यहां ऐसे कई मंदिर हैं, जिनकी मान्यताएं पीढ़ियों से चली आ रही हैं. इन्हीं में से एक बेहद रहस्यमयी और चमत्कारी मंदिर खंडवा जिले के छैगांवदेवी गांव में स्थित है. इस मंदिर से जुड़ी मान्यताएं ऐसी हैं, जिन्हें सुनकर अच्छे-अच्छे लोग हैरान रह जाते हैं।

रेणुका चौदस पर खुद प्रकट होती हैं माता! ग्रामीणों की मान्यता है कि रेणुका चौदस के पावन दिन माता रानी स्वयं प्रकट होती हैं. इस दिन मंदिर में स्थापित माता की प्रतिमाएं लगभग एक फीट तक ऊंची हो जाती हैं. यही कारण है कि हर साल इस खास दिन पर हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं. कई भक्तों का कहना है कि उन्होंने यह बदलाव अपनी आंखों से देखा है।

700 साल पुराना मंदिर और पांच देवियों का वास

बताया जाता है कि यह मंदिर करीब 700 वर्ष पुराना है. यहां मां रेणुका के साथ मां बिजासनी, मां हिंगलाज, मां शीतला और खोखली मां की प्रतिमाएं विराजमान हैं. सालों से यह स्थान लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र बना हुआ है. गांव वाले मानते हैं कि यहां सच्चे मन से मां को पुकारने वाला कभी खाली हाथ नहीं लौटता।

खुद प्रकट होता है चमत्कारी कुमकुम

मंदिर को लेकर एक और अनोखी मान्यता है. कहा जाता है कि शुभ अवसरों पर माता की प्रतिमा से स्वयं कुमकुम प्रकट होता है. यह कुमकुम प्रतिमा के सामने से निकलता है और जिसे भी लगाया जाता है, उसकी मनोकामना पूरी होती है. इसी वजह से भक्त इसे चमत्कारी मानते हैं और बड़े विश्वास के साथ अपने माथे पर लगाते हैं।

बीमारियों में भी असरदार है माता का जल मंदिर के पुजारी आनंद जी तारे, जो पिछले 30 वर्षों से यहां सेवा कर रहे हैं, बताते हैं कि माता की प्रतिमा को स्नान कराने के बाद बचा हुआ जल भी चमत्कारी माना जाता है. मान्यता है कि इस जल से आंखों की कमजोरी, कान से कम सुनाई देना, त्वचा रोग और खासतौर पर मस्सों की समस्या में लाभ मिलता है।

पांच मंगलवार का उपवास और पूरी होती मन्नत

मान्यता के अनुसार जो भक्त माता के जल से उपचार कराता है, उसे पांच मंगलवार का उपवास भी रखना होता है. कई लोगों ने यहां ठीक होने की बात खुद बताई है. यही वजह है कि मंदिर में पूरे साल श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है।

मां ने बसाया था गांव, तभी पड़ा नाम छैगांवदेवी

ग्रामीणों के अनुसार प्राचीन समय में यह क्षेत्र खांडव वन के नाम से जाना जाता था और पूरी तरह वीरान था. कहा जाता है कि मां रेणुका ने यहां तपस्या की और राहगीरों को सपने में दर्शन देकर इसी स्थान पर गांव बसाने का आदेश दिया. तभी से इस गांव का नाम पड़ा छैगांवदेवी।

आज भी जीवित है सदियों पुरानी आस्था

आज भी यह मंदिर खंडवा जिले की धार्मिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है. यहां सिर्फ मंदिर नहीं, बल्कि विश्वास, परंपरा और चमत्कारों की जीवित कहानी बसती है. मां रेणुका का यह धाम आज भी श्रद्धालुओं के लिए भक्ति और विश्वास का बड़ा केंद्र बना हुआ है।

योग को आदत बना लें तो वह स्वभाव में बदल जाएगा

अच्छी आदतों के परिणाम वर्तमान में मिलते हैं और बुरी आदतों के नतीजे भविष्य में छुपे रहते हैं। मनुष्य के जीवन में कुछ तो नियम होते हैं और कुछ आदतें होती हैं। अगर आदतें अच्छी हों तो नियम पालना आसान होता है। बुरी आदत वाले को नियम तोड़ने में ही मजा आता है। भ्रष्ट आचरण न किया जाए, यह एक राजकीय नियम है। लेकिन कितने ही अच्छे लोग सत्ता में बैठ जाएं, लगता है देश से भ्रष्टाचार जा नहीं रहा। एक अधिकारी ने भ्रष्टाचार की व्याख्या करते हुए मुझे बताया था कि चार पशुओं का उदाहरण लेकर नौकरशाहों के भ्रष्टाचार को देखा जा सकता है।

पहला, पैसा अपने आप आता है- जैसे मछली पानी में रहकर पानी पी लेती है, पता नहीं लगता। दूसरी श्रेणी के लोग गाय जैसे होते हैं, मांगकर लेते हैं। तीसरे छीनकर लेते हैं, यानी बंदर की श्रेणी। और चौथे शेर जैसे लूट ही लेते हैं। लेकिन योग को आदत बना लें तो धीरे-धीरे वह अपने आप स्वभाव में बदल जाएगा। नतीजे में अच्छी आदत अपने आप उतरेगी।

प्रेरक कथा: मुश्किल समय में हिम्मत न हारें, गुस्सा और निराशा से बचें

जीवन में सुख-दुख का आना-जाना स्वाभाविक है। कुछ लोग मुश्किल परिस्थितियों में हिम्मत हार जाते हैं, गुस्सा और निराशा में फंस जाते हैं, जिससे परिस्थितियां और ज्यादा उलझ जाती हैं। कुछ लोग मुश्किलों में भी संयम और विनम्रता बनाए रखते हैं, ऐसे लोग ही जीवन में सफल होते हैं। ये बात गुरु-शिष्य की एक लोक कथा से समझ सकते हैं। जानिए ये कथा...

एक गुरु अपने शिष्य के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ता कठिन था, पहाड़ियां और गहरी खाइयां उनके रास्ते में थीं। यात्रा के दौरान अचानक शिष्य का पैर फिसला और वह खाई की ओर गिरने लगा। जैसे ही वह गिरा, उसने वहीं उग रहे एक बांस को पकड़ लिया।

शिष्य का वजन बांस पर पड़ते ही वह धनुष की तरह झुक गया, लेकिन बांस टूटा नहीं। गुरु तुरंत दौड़े और शिष्य का हाथ पकड़कर उसे सुरक्षित बाहर खींच लाए। बाहर निकलने के बाद गुरु ने शिष्य से पूछा कि क्या तुमने वह बात सुनी जो बांस ने कही थी?

शिष्य ने सिर हिलाते हुए कहा कि नहीं गुरुजी, मुझे पेड़-पौधों की भाषा नहीं आती। आप ही बताइए।

गुरु ने समझाया कि बांस ने तुम्हें जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाया है। उसने तुम्हारा वजन सहा, झुका लेकिन टूटा नहीं। ये लचीलापन ही उसे संकट से बचाने वाला गुण है। देखो, बांस कितनी आसानी से आंधी में झुक जाता है, लेकिन जमीन में अपनी पकड़ बनाए रखता है। यही हमें भी सीखना चाहिए।

गुरु ने आगे कहा कि जीवन में जब भी मुश्किलें आएं, हमें गुस्सा या हड़बड़ी नहीं करनी चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी संयम, धैर्य और विनम्रता बनाए रखें। ठीक उसी तरह जैसे बांस तूफान में झुककर भी अपनी जड़ में अडिग रहता है।

शिष्य ने गुरु की बात ध्यान से सुनी और समझा कि मुश्किलें अस्थायी होती हैं। अगर हम धैर्य और लचीलापन बनाए रखें, तो जीवन की किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

कथा की सीख

लचीलापन अपनाएंः जीवन में समस्याएं आएंगी। जड़ में मजबूती रखते हुए लचीला बने रहना सीखें। कठिन परिस्थितियों में विनम्रता बनाए रखें।

गुस्से और अहंकार से बचें: मुश्किल समय में गुस्सा और अहंकार को बढ़ावा न दें। विनम्रता और संयम जीवन की सबसे बड़ी ताकत है।

स्थिति का अवलोकन करें: किसी भी विपरीत परिस्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। पहले स्थिति का मूल्यांकन करें, फिर सही कदम उठाएं।

धैर्य रखें: कठिन समय में धैर्य रखने से मानसिक स्थिरता मिलती है, धैर्य से ही हमें मुश्किलों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएंः समस्याओं को केवल बाधा के रूप में न देखें। इसे सीखने और सुधारने का अवसर समझें।

छोटे कदम उठाएंः बड़े बदलाव या निर्णय से डरें नहीं। छोटे-छोटे कदम भी बड़ी मुश्किलें हल कर सकते हैं।

स्वयं पर विश्वास रखें: विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास खोना आसान है। अपने कौशल और क्षमताओं में विश्वास रखें।

परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालेंः जीवन में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। हर परिस्थिति के अनुसार खुद को ढालना सीखें।

जरूरत के समय सहयोग लेंः अकेले संघर्ष करने की बजाय गुरु, मित्र या परिवार का मार्गदर्शन लें। इससे मुश्किलें जल्दी हल हो जाती हैं।

संतुलन बनाए रखें: भावनाओं और कार्यों के बीच संतुलन जरूरी है। गुस्सा, डर या हताशा में निर्णय न लें, धैर्य के साथ काम करेंगे, तो सफलता जरूर मिलेगी।

हमारा व्यक्तित्व धन और वस्तुओं से आकर्षक नहीं बनता है

हमारा व्यक्तित्व धन और चीजों से आकर्षक नहीं बनता है। ये मान लेना एक भ्रम है कि अधिक संपत्ति, प्रसिद्धि, मूल्यवान वस्तुएं या दिखावटी साधन व्यक्ति को प्रभावशाली बना देते हैं। वास्तव में व्यक्ति के विचार, आचरण, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य महत्वपूर्ण होते हैं। सादगी, संयम, ईमानदारी, सहानुभूति और विवेक व्यक्तित्व को स्थायी आकर्षण प्रदान करते हैं। भौतिक वस्तुएं क्षणिक सुख देती हैं, लेकिन चरित्र और संस्कार जीवन भर सम्मान दिलाते हैं।

कलावा पहनने और उतारने का क्या है नियम

हिंदू धर्म में कलावा का बहुत अधिक महत्व है। इसे पूजा-पाठ, हवन, विवाह या किसी भी तरह के धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान कलाई पर बांधा जाता है। इसे बेहद ही पवित्र और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। आम तौर पर इसे मौली या रक्षा सूत्र भी कहा जाता है। मान्यता है कि इसे हाथ पर बांधने से बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा होती है। वहीं, इसको हाथ में बांधने से लेकर सहीं तरह से उतारने तक कई नियमों का पालन करना होता है। ऐसा न करने पर इसका प्रभाव कम हो जाता है।

कलावा किस हाथ में बांधना चाहिए?

व्यक्ति के अनुसार कलावा को बाएं या दाएं हाथ पर बांधा जाता है। कलावा पुरुष और अविवाहित लड़कियों के हाथ की दाहिनी कलाई पर और महिला के हाथ की बाईं कलाई पर बांधा जाता है। पूजा के समय मंत्रों के साथ कलावा बांधना अधिक शुभ माना जाता है।

कलावा कितने समय तक पहनना चाहिए?

मान्यताओं के अनुसार, कलावा जब तक खुद ही न खुल जाए या टूट न जाए तब तक बांधा जा सकता है। हालांकि, कई जगहों पर इसे 7, 11 या 21 दिनों तक बांधकर रखने की परंपरा भी है। यदि कलावा बहुत अधिक गंदा हो जाए और उसका रंग फीका पड़ जाएं तो उसे उतार देना ही उचित माना गया है।

कलावा बांधने का नियम?

कलावा बंधवाते समय हाथ में दक्षिणा लेकर मुट्ठी बंद कर लें और दूसरे हाथ को सिर पर रख लें। कलावा बंध जाने के बाद दक्षिणा को कलावा बांधने वाले व्यक्ति को दे दें। कलावा को हाथ पर 3, 5, 7 या 9 बार लपेटना शुभ माना जाता है। इसे बांधते समय येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वाम् अभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥ मंत्र का जाप करना चाहिए।

कलावा कब उतारना चाहिए?

कलावा उतारने के लिए शुभ समय का ध्यान रखना जरूरी होता है। मंगलवार या शनिवार के दिन सुबह स्नान के बाद इसे उतारना बेहतर माना जाता है। अमावस्या, ग्रहण या अशुभ समय में कलावा नहीं उतारना चाहिए। मान्यता के अनुसार, किसी के जन्म या मृत्यु के बाद कलावा को उतार देना चाहिए।

रथ सप्तमी से सूर्य भगवान में ऐसे आएगी तेजी

मेष समेत 6 इन राशियों के लिए सब कुछ होगा शुभ

माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को रथ सप्तमी का पर्व मनाया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 25 जनवरी दिन दिन रविवार को है. इस दिन सूर्य अपने सातों घोड़ों के रथ पर सवार होकर चलना शुरू करते हैं इसलिए इस तिथि को रथ सप्तमी कहा जाता है. रथ सप्तमी के दिन रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, सिद्ध योग और साध्य योग का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रथ सप्तमी के दिन बन रहे शुभ योग और सूर्य देव की कृपा से मेष, वृषभ, तुला, वृश्चिक, धनु और मीन राशि वालों के लिए गोल्डन टाइम शुरू हो सकता है. इन राशियों को जीवन में सूर्य के समान मान-सम्मान बढ़ेगा और सेहत, आमदनी, अधिकार, सरकार जैसी बातों में अच्छे नतीजे मिलेंगे. आइए जानते हैं रथ सप्तमी से इन राशियों को क्या क्या लाभ मिलने वाला है...

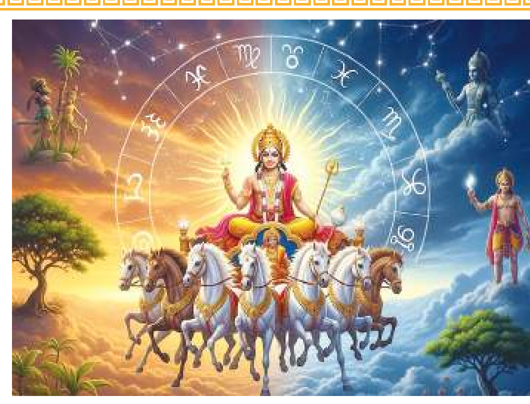

मेष इस राशि के लिए दशम स्थान में सूर्य की ताकत बढ़ने से नौकरी में सकारात्मक बदलाव जरूर आएंगे. प्रमोशन के साथ-साथ अतरिक्त आमदनी के रास्ते भी नजर आएंगे. पिताजी की तरफ से संपत्ति और धन मिलेगा, जिसे आप निवेश कर सकते हैं. बड़े लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. राजनीति में भी प्रभाव बढ़ेगा और कई खास लोगों से जान-पहचान बढ़ेगी।

वृषभ इस राशि के भाग्य स्थान में सूर्य की मजबूत स्थिति के कारण यहां के नौकरीपेशा, बेरोजगार, प्रोफेशनल्स और व्यापारियों को विदेश में मौके मिल सकते हैं. इस राशि के कुछ लोगों का शादी का रिश्ता पक्का हो सकता है. बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा के मौके मिलेंगे. सेहत से जुड़ी परेशानियों से काफी हद तक राहत मिलेगी. जो भी काम करेंगे उसमें फायदा ही होगा. अचानक धन लाभ के भी अच्छे योग हैं. संतान प्राप्ति के भी संकेत दिख रहे हैं.

तुला इस राशि के चौथे स्थान में सूर्य को रथ सप्तमी से ताकत मिलने के कारण अचानक धन लाभ के अच्छे मौके हैं. नौकरी में ऊँचे पद मिल सकते हैं. कई तरफ से पैसा आ सकता है. संपत्ति से जुड़े विवाद आपके पक्ष में सुलझ सकते हैं. संपत्ति और पैसे दोनों मिल सकते हैं. घर और गाड़ी खरीदने के योग बनेंगे. परिवार में सुख और खुशी बढ़ेगी. दूसरों की भलाई के काम करेंगे. बड़े लोगों से जान-पहचान बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि के लिए दशम भाव के स्वामी सूर्य का बल बढ़ना और तीसरे स्थान में गोचर करना आय और करियर में उम्मीद से ज्यादा तरक्की लाएगा. जो भी काम शुरू करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी. बेरोजगारों को अच्छे मौके मिलेंगे. ऊंचे परिवार में शादी का योग है. यात्राएं फायदेमंद रहेंगी. नौकरी में जल्दी तरक्की मिलेगी. प्रोफेशन, नौकरी या बिजनेस के सिलसिले में विदेश जाने का भी मौका मिलेगा.

धनु इस राशि के लिए भाग्य के स्वामी सूर्य जब धन स्थान में मजबूत होते हैं तो आसानी से आमदनी बढ़ाने का मौका मिलता है. आमदनी बढ़ने से जरूरी जरूरतें पूरी होती हैं और आर्थिक, निजी समस्याएं भी पूरी तरह सुलझ जाती हैं. सेहत में भी फायदा होता है. पैतृक संपत्ति मिल सकती है. विदेश से कमाई का योग बनता है. नौकरीपेशा, बेरोजगार, प्रोफेशनल्स और व्यापारियों को विदेश में मौके मिल सकते हैं. पारिवारिक जीवन भी खुशहाल रहेगा।

मीन इस राशि के लिए लाभ स्थान में सूर्य मजबूत होने से शनि दोष समेत सभी दोष दूर हो जाएंगे. सेहत में काफी सुधार होगा. आमदनी में अच्छी बढ़ोतरी होगी. दुश्मन भी दोस्त बनकर मदद करेंगे. नौकरी में जल्दी तरक्की मिलेगी. काम और बिजनेस में रुकावटें दूर होकर एक्टिविटी बढ़ेगी. बेरोजगारों को विदेश से ऑफर मिल सकते हैं. आर्थिक, पर्सनल और सेहत से जुड़ी समस्याएं पूरी तरह खत्म हो जाएंगी।

लोहा का छल्ला पहनने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

लोहे का छल्ला किस उंगली में पहनें - शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए लोहे का छल्ला दाएं हाथ यानी राइट हैंड साइड की मध्यमा उंगली में धारण करना चाहिए. मध्यमा उंगली का संबंध शनिदेव से माना जाता है. अगर इस हाथ में संभव नहीं है तो बाएं हाथ यानी लेफ्ट हैड साइड के हाथ की मध्यमा उंगली में भी पहनी जा सकती है.

लोहे का छल्ला किस दिन पहनें - लोहे का छल्ला हमेशा अमावस्या तिथि को पहनना चाहिए. अमावस्या के अलावा आप शनिवार के दिन भी पहनन सकते हैं. ये दोनों दिन शनिदेव को समर्पित हैं। इन दोनों दिनों में से किसी भी दिन जब आप छल्ला पहनें तो उस दिन का शुभ मुहूर्त अवश्य जान लें. लोहे के छल्ले की अंगूठी पहनने के लिए सबसे अच्छा समय प्रदोष काल होता है.

लोहे का छल्ला पहनने की विधि – लोहा का छल्ला पहनने के लिए प्रदोष काल में सबसे पहले उसे सरसों के तेल में डालकर शनि मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का 108 बार जप करना चाहिए. इसके बाद छल्ले को गंगाजल से साफ करना चाहिए. फिर अंगूठी को शनिदेव के पास रख दें. इसके बाद शनि चालीसा का पाठ करें और शनिदेव की आरती करें. आरती करने के बाद शनिदेव से प्रार्थना करते हुए लोहे का छल्ला पहनें. लोहे का छल्ला पहनने के साथ-साथ सत्य, ईमानदारी और कर्मठता का पालन आवश्यक है. शनिदेव को अनुशासन प्रिय है, इसलिए गलत कर्म करने से उपाय निष्फल हो सकता है।

शनिदेव की पड़ सकती है अशुभ दृष्टि

लोहे का छल्ला किसे पहनना चाहिए? - लोहे का छल्ला शनि दोष से पीड़ित व्यक्ति यानी शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या पहनने वाले व्यक्ति को धारण करना चाहिए. शनि की अशुभ दशा होने पर भी छल्ला लाभकारी परिणाम देता है. धार्मिक जानकारों के अनुसार, बिना कुंडली देखे यह उपाय करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित माना जाता है, क्योंकि कुछ विशेष परिस्थितियों में शनि उपाय उल्टा प्रभाव भी डाल सकता है।

लोहे का छल्ला पहनने के फायदे - ज्योतिषीय और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लोहे का छल्ला पहनने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या के कष्टों में कमी आती है. जीवन में आ रही बाधाएं और विलंब दूर होने लगते हैं. नौकरी व कारोबार में स्थिरता और सफलता प्राप्त होती है और शनिदेव की कृपा से मानसिक तनाव, भय और नकारात्मकता से राहत मिलती है. जीवन में चल रहीं आर्थिक परेशानियों में धीरे-धीरे सुधार होता है और व्यक्ति में धैर्य, संयम और आत्मविश्वास बढ़ता है. धार्मिक विद्वानों का कहना है कि यह उपाय कर्म सुधारने की प्रेरणा भी देता है, जिससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

रानी मुखर्जी ने शाहरुख खान को बताया अपना आदर्श 'मर्दानी 3' एक्ट्रेस के लिए क्या हैं सच्ची दोस्ती के मायने?

शाहरुख खान और रानी मुखर्जी की दोस्ती किसी से छुपी नहीं है। दोनों ने साथ में 'कुछ कुछ होता है,' 'चलते चलते,' और 'पहेली' जैसी कई शानदार फिल्मों में साथ काम किया है। पिछले साल 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में दोनों को अपना पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। शाहरुख को 'जवान' फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर और रानी को 'मिसेज चटर्जी vs नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। हाल ही में रानी ने शाहरुख के साथ अपनी दोस्ती के अलावा कई बातों का खुलासा किया।

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बारे में रानी की राय

हाल ही में एक इंटरव्यू में रानी ने बताया कि शाहरुख और उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने का पल बहुत खास और पर्सनल था। यह उनके साल पुराने रिश्ते और साथ के सफर का प्रतीक है। रानी ने कहा, 'जैसे बचपन से दोस्त स्कूल-कॉलेज साथ जाते हैं और जीवन में एक-दूसरे की मदद करते हैं, वैसे ही यह पुरस्कार जीतना और भी खास हो जाता है, क्योंकि हम साथ शुरू हुए थे।'

शाहरुख को अपना आदर्श मानती हैं रानी

रानी मुखर्जी ने शाहरुख खान को अपना आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे एक प्रोफेशनल, इंसान और एक्टर के रूप में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, 'शाहरुख 35 साल से और मैं 30 साल से इंडस्ट्री में हूं। अवॉर्ड मिले या न मिले, हमने हमेशा अपनी फिल्मों में पूरा जोर लगाया। उस दिन यह जीत और भी स्पेशल लगी।'

रानी ने बताए सच्ची दोस्ती के मायने

रानी ने 'कुछ कुछ होता है' के समय से करण जौहर, सलमान खान, काजोल और शाहरुख के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी बात की। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि सच्ची दोस्ती तब बनती है जब आप 'कोई नहीं' होते हैं।

ऐसे दोस्त आपको वैसे ही प्यार करते हैं जैसे आप हैं, न कि आगे क्या बनेंगे। रानी ने कहा, 'दोस्ती में कोई लेन-देन नहीं होता। जितना प्यार दोगे, उतना ही मिलेगा। यह विश्वास, ईमानदारी और भावनात्मक साथ पर टिकी होती है। मेरी दोस्ती इसलिए इतने साल तक चलीं क्योंकि हमने कभी बदले में कुछ नहीं मांगा, सिर्फ प्यार, दया और भरोसा दिया।'

कब रिलीज होगी रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3'?

रानी मुखर्जी जल्द ही 'मर्दानी 3' में नजर आएंगी। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक्शन-थ्रिलर सीरीज की तीसरी फिल्म है, जिसमें रानी फिर से बहादुर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका में नजर आएंगी।

अल्लू अर्जुन के सामने फूट-फूटकर रोई जापानी फैन 'पुष्पा 2' का क्रेज देखकर एक्टर हैरान

हाल ही में अल्लू अर्जुन जापान ट्रिप पर गए थे। एक्टर की इस ट्रिप के कई वीडियो, फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। जापानी फैंस से मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। इसमें एक फैन उन्हें देखकर रोने लगी। ऐसे में क्या रहा अल्लू अर्जुन का रिएक्शन, देखिए?

अल्लू अर्जुन के हाथ मिलाने पर इमोशनल हुईं जापानी फैन

वायरल वीडियो में अल्लू अर्जुन से कई जापानी फैंस मिल रहे थे। इसी बीच एक फैन का हाथ एक्टर ने पकड़ा, इस पर वह काफी खुश हुईं। जापानी फैन इतनी इमोशनल हुईं कि फूट-फूटकर रोने लगी। बाद में अल्लू अर्जुन ने उस फैन से मुलाकात की, उससे काफी देर बातचीत की।

अल्लू अर्जुन ने परिवार के साथ टोक्यो घूमा, फैंस को कहा शुक्रिया

शनिवार को अल्लू अर्जुन ने टोक्यो शहर में स्थिति सेंसो जी टेंपल अपने परिवार के साथ देखा। इसके अलावा जब 'पुष्पा 2' का जापानी प्रीमियर हुआ तो फैंस के सामने जापानी भाषा में फिल्म का डायलॉग भी बोला। यह डायलॉग सुनकर फैंस बहुत खुश हुए। अपने जापानी फैंस का शुक्रिया भी सोशल मीडिया के जरिए अल्लू अर्जुन ने अदा किया।

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म कौन सी है?

हाल ही में अल्लू अर्जुन की नई फिल्म की घोषणा की गई। अपनी 23वीं फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ आ रहे हैं। हालांकि अभी फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभी फिल्म को 'एए 23' के नाम से पहचाना जाएगा।

क्या 'धुरंधर' के बाद 'रेस 4' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना? निर्माता रमेश तौरानी ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'धुरंधर' के बाद हर तरफ अक्षय खन्ना की तारीफ हो रही है। इसे लेकर उनके आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी आए दिन नई-नई चर्चाएं होती हैं। इन दिनों ऐसी अटकलें हैं कि अभिनेता 'रेस 4' में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि अक्षय खन्ना फिल्म में सैफ अली खान के साथ वापसी करेंगे। इन खबरों पर फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने प्रतिक्रिया दी है।

क्या बोले निर्माता रमेश तौरानी?

एक्टर अक्षय खन्ना की 'रेस 4' में कमबैक की खबर पर निर्माता रमेश तौरानी ने जो अपडेट साझा किया है, उसे सुनकर अक्षय खन्ना के फैंस निराश हो सकते हैं। दरअसल, उन्होंने 'रेस 4' में अक्षय की वापसी की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि फिल्म में अक्षय खन्ना के किरदार की मौत हो चुकी है और वे फिल्म की कहानी में बदलाव नहीं करेंगे।

कमबैक की बात को बताया अफवाह

फिल्म 'रेस' की चौथी किस्त पर काम चल रहा है। इस बीच इसमें अक्षय खन्ना और सैफ अली खान की वापसी की खबर से दर्शक उत्साहित हो गए। दरअसल, दोनों सितारे पहली फिल्म का हिस्सा थे। मगर, अक्षय खन्ना की वापसी की खबर सिर्फ अफवाह मात्र है। फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, 'हमने अक्षय खन्ना को 'रेस 4' के लिए अप्रोच नहीं किया है। इसमें कोई संभावना नहीं थी'।

प्लॉट में बदलाव से निर्माता का इनकार

निर्माता से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने प्लॉट पर दोबारा काम करके उन्हें वापस लाने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने कहा, 'उन्हें लाने का कोई विचार नहीं है। उनके किरदार का पहले पार्ट में एक्सीटेंड हो जाता है और उनका ट्रैक वहीं खत्म हो चुका है। इसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। बता दें कि साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'रेस' में अक्षय खन्ना ने विलेन का रोल अदा किया था।

'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका मंदाना ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'जो हुआ वो नहीं होना था'

रश्मिका मंदाना ने 2025 में 'छावा', 'द गर्लफ्रेंड', और 'थामा' जैसी हिट फिल्में दीं, जिससे वह और सलमान खान दोनों काफी सफल हुए। लेकिन एक फिल्म ऐसी भी थी, जिसने दोनों का दिल तोड़ दिया। यह फिल्म थी 'सिकंदर', जिसे एआर मुरुगादोस ने बनाया। रश्मिका इसमें सलमान खान के साथ मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म ईद 2025 में रिलीज हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई। 'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका ने अपनी राय पेश की है।

'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका की दो टूक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म 'सिकंदर' फ्लॉप होने का मुख्य कारण क्या था। उन्होंने कहा कि जब उन्हें 'सिकंदर' की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब वह बहुत अच्छी लगी, लेकिन बाद में फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं, जैसे कि अभिनय, एडिटिंग और रिलीज के समय के हिसाब से कहानी अलग हो गई। रश्मिका ने कहा, 'फिल्मों में ऐसा आमतौर पर होता है। जो सुना जाता है, वह अलग होता है और बनने के बाद और अलग हो जाता है।'

रश्मिका के आने वाले प्रोजेक्ट्स

अब रश्मिका शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे तेलुगु फिल्म 'मैसा' में भी काम कर रही हैं। इसके अलावा, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका फरवरी 2026 में अपने बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा से शादी करने वाली हैं, लेकिन इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'मेरे प्यार साथ में जिंदगी...', 37वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर भाग्यश्री ने पति के लिए लिखा लव नोट

बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री और हिमालय की शादी की सालगिरह को आज (19 जनवरी) को पूरे 37 साल हो चुके हैं। इस मौके पर भाग्यश्री ने हिमालय के लिए अपना प्यार जाहिर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने खुद को भाग्यशाली बताया है।

भाग्यश्री का पोस्ट

भाग्यश्री ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरों से लेकर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, 'बचपन से साथ बड़े हुए हैं और आज भी हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। 37 साल हो गए, और आगे भी ऐसे ही साथ रहेंगे। हमने ढेर सारी यादें बनाई हैं। साथ हंसे, रोए, झगड़े किए और फिर मन भी मिलाया।'

शादी की सालगिरह की दी बधाई

भाग्यश्री ने आगे लिखा, 'अपना घर बसाया, दो प्यारे बच्चे हैं, बहुत मेहनत की, दुनिया घूमी, जिंदगी के अच्छे-बुरे पल देखे, मुश्किलों का सामना किया और खुशियां भी बहुत मनाईं। अब हमें कोई नहीं रोक सकता। हम हमेशा साथ रहेंगे। तुम्हारे साथ पूरी जिंदगी बिताने का सौभाग्य मिला है... सालगिरह मुबारक हो मेरे प्यार।'

कब हुई थी भाग्यश्री और हिमालय की शादी?

भाग्यश्री और हिमालय दासानी बॉलीवुड के एक चर्चित जोड़ो में से एक हैं, जिनकी प्रेम कहानी स्कूल के दिनों से शुरू हुई और 1989 में शादी के रूप में पूरी हुई। हिमायल से शादी के बाद भाग्यश्री ने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लिया। भाग्यश्री और हिमायल के दो बच्चे हैं- बेटा अभिमन्यु दासानी और बेटी अवंतिका दासानी। उनकी शादी को आज पूरे 37 साल हो चुके हैं।

जूही चावला ने पति जय मेहता के जन्मदिन पर लिया संकल्प, प्यारी शुभकामनाओं के साथ लिखा- 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं'

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने सोशल मीडिया पर अपने पति जय मेहता के जन्मदिन पर बहुत प्यारा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने जय को सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि वह बहुत खुशकिस्मत हैं कि उन्हें ऐसा जीवनसाथी मिला। इसके साथ ही जूही ने पति के जन्मदिन पर एक खास संकल्प लिया है, जिसे पूरा करना काफी मुश्किल लग रहा है।

जूही ने इंस्टाग्राम पर पति जय के साथ कई शानदार और प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। इन लाजवाब तस्वीरों के साथ जूही ने कैप्शन में लिखा, 'वह जीते हैं, हंसते हैं और सबको साथ लेकर चलते हैं। ऐसा दोस्त हर किसी को मिल सकता है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं... जन्मदिन मुबारक हो जय... 1000 पेड़।' इसमें 1000 पेड़ का जिक्र इसलिए है क्योंकि जूही ने जय के जन्मदिन पर पर्यावरण के लिए इतने पेड़ लगाने का फैसला किया है।

सेलेब्स के कमेंट्स

जूही के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने जय मेहता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। निर्देशक फराह खान ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो जय, आपका साल शानदार हो' इसके साथ ही फराह ने लाल दिल का इमोजी भी बनाया। पति जय के जन्मदिन पर जूही 1000 पेड़ लगाएंगी।

इसी बात को लेकर अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने लिखा, 'बहुत खुश।'

कब हुई थी जूही और जय की शादी?

जूही और जय की शादी 1995 में बहुत सादगी से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं- बेटी जाह्नवी मेहता और बेटा अर्जुन मेहता। जूही सोशल मीडिया पर अक्सर अपने परिवार की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जो उनके फैंस को बेहद पसंद आती हैं।

कृति सेनन ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ दिए पोज कबीर बहिया से नूपुर ने पूछ लिया ये सवाल

कृति सेनन के बारे में कुछ समय से यह अफवाह है कि वह कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों ने कई बार एक ही लोकेशन से तस्वीरें शेयर कीं, जिसकी वजह से नेटिजन्स का इस पर ध्यान गया कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने अपने बॉयफ्रेंड स्टेबिन बेन से शादी की। इस शादी में कृति और कबीर को एक ही कार में आते हुए देखा गया। कबीर ने अब शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। कृति के साथ उनकी अकेले की फोटो ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है।

कबीर ने कृति के साथ शेयर की तस्वीरें

कबीर बहिया ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें तीसरी स्लाइड में वह कृति के साथ नजर आ रहे हैं। इसमें कृति ने गाउन पहना है, जबकि कबीर ने व्हाइट आउटफिट पहना है। एक और तस्वीर में कबीर हल्दी सेरेमनी के दौरान कृति और वरुण शर्मा के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। एक तस्वीर में, वह दूल्हे स्टेबिन के साथ दिख रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए कबीर ने लिखा 'अच्छी यादें और अच्छे लोग।'

नूपुर सेनन ने पूछा सवाल?

इस पोस्ट पर नूपुर सेनन ने कमेंट करते हुए लिखा 'माफ करना? यह किसकी शादी है? इसमें मैं क्यों नहीं थी?' वरुण शर्मा ने कमेंट किया, 'भाई।' पोस्ट पर स्टेबिन बेन ने दिल वाला इमोजी बनाया।

कृति ने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया

आपको बता दें कि न तो कृति और न ही कबीर ने अपने रिश्ते को ऑफिशियली कन्फर्म किया है। हालांकि फैंस ने उनकी तस्वीर पर दिल वाले इमोजी भेजे। जब कृति सेनन, ट्विंकल खन्ना और काजोल के शो 'टू मच' में आई थीं और उनसे उनके क्रश के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने सिर्फ इतना बताया था कि, 'वह इंडस्ट्री से नहीं है'।

कृति का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो, कृति आखिरी बार आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में धनुष के साथ नजर आई थीं। वह जल्द ही 'कॉकटेल 2' का हिस्सा होंगी।

'ऐसी बातें उन्हें शोभा नहीं देतीं', इंडस्ट्री पर एआर रहमान की विवादित टिप्पणी पर तसलीमा नसरीन ने दिया रिएक्शन

एआर रहमान ने बीते दिनों एक इंटरव्यू में बॉलीवुड को लेकर कथित विवादित टिप्पणी की। उन्होंने इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता बढ़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे वे सांप्रदायिक भावना को फिल्मी और संगीत की दुनिया पर हावी होता हुआ महसूस कर रहे हैं। इसका असर उन्हें अपने काम पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। साथ ही रहमान ने 'छावा' को भी बांटने वाली फिल्म बताया। इस मामले पर जब विवाद बढ़ा तो रहमान ने बीते दिन एक वीडियो साझा कर चुप्पी तोड़ी और कहा कि उनकी बात को शायद गलत तरीके से समझा गया है। भावनाओं को ठेस पहुंचाना उनका इरादा नहीं था। इस बीच तसलीमा नसरीन ने भी एआर रहमान के बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

तसलीमा नसरीन ने क्या कहा?

बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए गए एआर रहमान के इंटरव्यू में उनकी टिप्पणियों पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि एआर रहमान को सभी धर्मों के लोग बेहद प्यार करते हैं, ऐसे में उन्हें ऐसी बात करना और दया का पात्र बनना शोभा नहीं देता। तसलीमा ने शाहरुख खान, आमिर खान और जावेद अख्तर की लोकप्रियता का उदाहरण भी दिया।

तसलीमा ने अपना दर्द किया साझा

तसलीमा नसरीन ने साझा किए गए पोस्ट में लिखा है, 'एआर रहमान मुस्लिम हैं और भारत में बेहद मशहूर हैं। जहां तक मैंने सुना है, उनकी फीस बाकी सभी कलाकारों से अधिक है। वे शायद सबसे अमीर म्यूजिशियन हैं। वह शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें बॉलीवुड में काम नहीं मिलता, क्योंकि वह मुस्लिम हैं। शाहरुख खान अभी भी बॉलीवुड के बादशाह हैं; सलमान खान, आमिर खान, जावेद अख्तर, शबाना आजमी-ये सभी सुपरस्टार हैं। मशहूर और अमीर लोगों को कहीं भी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ता। चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के हों'।

लिखा- 'भले ही मैं नास्तिक हूं, लेकिन...'

तसलीमा ने आगे लिखा है, 'मुश्किलें मेरे जैसे गरीब लोगों को होती हैं। भले ही मैं नास्तिक हूं, लेकिन मेरे नाम की वजह से मुझे मुस्लिम माना जाता है। जो लोग मुस्लिम विरोधी हैं, उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई नास्तिक है या आस्तिक। कोई मुझे अपार्टमेंट किराए पर नहीं देना चाहता। जब मैं अस्पताल जाती हूं, तो मुझे धोखा दिया जाता है। हैदराबाद में नास्तिक होने पर भी मुझे पीटा जाता है। मैं औरंगाबाद में कदम नहीं रख सकती। मुझे पश्चिम बंगाल से बाहर निकाल दिया जाता है। ये समस्याएं एआर रहमान की जिंदगी या बॉलीवुड के मुस्लिम सितारों की जिंदगी के आस-पास भी नहीं आतीं। मैं नागरिक नहीं हूं। नागरिक और निवासी के बीच, वोट देने के अधिकार को छोड़कर, बाकी सभी अधिकार समान हैं। कम से कम कानून तो यही कहता है'।

'रहमान को सभी धर्मों के लोग प्यार करते हैं'

तसलीमा लिखती हैं, 'कई नागरिक प्यार से भारत में नहीं रहते, मैं यहां इसलिए रहती हूं, क्योंकि मुझे इससे प्यार है। इस्लाम की खोखली हड्डियों को चीरने के बाद मैं निर्वासन की सजा जी रही हूं। फिर भी लोग मुझसे कहते हैं, 'तुम लोग चांद देखकर ईद मनाते हो या तुम्हारे यहां बहुविवाह होता है'।

इस देश के आम लोग नास्तिकता या नास्तिकता पर आधारित मानवतावाद के बारे में शायद ही कुछ जानते हैं। इस जमीन के मर्द और औरतें मेरे अपने लोग हैं। इस मिट्टी की संस्कृति मेरी संस्कृति भी है'। उन्होंने आगे कहा है, 'एआर रहमान का सम्मान हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, ईसाई, नास्तिक और आस्तिक सभी करते हैं। ऐसी बातें करना उन्हें शोभा नहीं देता'।

चाहती हैं पास भी न भटके ब्रेस्ट कैंसर का खतरा?

तो खुद से करती रहें स्तनों की जांच

स्तन कैंसर के बढ़ते मामले महिलाओं की सेहत के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक हैं। हर साल ब्रेस्ट कैंसर के लाखों नए मामले सामने आते हैं और बड़ी संख्या में इससे मौतें भी हो जाती है। साल 2023 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस साल 2.3 मिलियन (23 लाख) से ज्यादा नए मामले सामने आए और 6.70 लाख से अधिक महिलाओं की इससे मौत हो गई। डेटा बताता है कि कम इनकम वाले देशों में महिलाएं इस गंभीर रोग से सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। चूंकि ऐसे देशों में कैंसर का पता समय पर नहीं चल पाता है, जिसके कारण इलाज में देरी होती है और कैंसर जानलेवा रूप ले लेता है।

ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करने और इससे महिलाओं को सुरक्षित रखने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ग्लोबल ब्रेस्ट कैंसर जैसे पहल की शुरुआत की है, जिससे रोग की शुरुआती स्थिति में ही पहचान हो सके। फिलहाल जिस तरह से दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के केस बढ़ रहे हैं, ऐसे में विशेषज्ञों का अनुमान है कि साल 2050 तक इसके रोगियों की संख्या 3.5 मिलियन (35 लाख) से अधिक हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी महिलाओं के स्तन कैंसर के खतरे को लेकर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

शारीरिक गतिविधि कम करती है खतरा

वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस बीमारी पर कैसे ब्रेक लगाया जा सकता है? इसको समझने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने एक अध्ययन किया। इसके आधार पर बताया गया है कि जो महिलाएं किशोरावस्था से ही शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय थीं, नियमित व्यायाम-खेलकूद या शारीरिक गतिविधियां करती थीं, उनमें बाद में स्तन कैंसर होने का खतरा काफी कम पाया गया। मसलन अगर आप कम उम्र से ही शारीरिक गतिविधियों पर ध्यान दे लें और नियमित व्यायाम की आदत बना लें तो स्तन कैंसर से बचाव किया जा सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

अमेरिका में कोलंबिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि फिजिकल एक्टिविटी किशोर लड़कियों में ब्रेस्ट टिश्यू की बनावट के बायोमार्कर से जुड़ी हो सकती है। जिन लड़कियों ने हफ्ते में कम से कम दो घंटे किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि की उनमें ब्रेस्ट टिश्यू में पानी की मात्रा कम थी। ब्रेस्ट टिश्यू में पानी की मात्रा कम होना लो ब्रेस्ट डेंसिटी और स्ट्रेस से जुड़े यूरिनरी बायोमार्कर में कमी का संकेत देता है। ये स्थितियां बताती हैं कि आपमें स्तन कैंसर होने का खतरा कम हो सकता है।

डॉक्टर बताते हैं कि सभी महिलाओं को महीने में एक-दो बार खुद से ही स्तनों की जांच जरूर करनी चाहिए।

नहाते समय या शीशे के सामने खड़े होकर स्तनों में दिख रहे किसी भी तरह के बदलावों पर नजर डालें।

स्तनों में किसी भी तरह की गांठ, आकार में बदलाव, त्वचा पर खिंचाव, लालिमा या निप्पल से असामान्य डिस्चार्ज दिखे तो सावधान हो जाइए।

अगर इस तरह का कोई भी बदलाव महसूस हो, तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करें और जांच कराएं।

जागरूकता, समय पर जांच और हेल्दी लाइफस्टाइल ब्रेस्ट कैंसर से बचाव का सबसे आसान और असरदार तरीका है।

ब्रेन ट्यूमर हो गया है तो मौत पक्की?

ब्रेन ट्यूमर के मामले हाल के वर्षों में तेजी से बढ़े हैं। ये समस्या अब कम उम्र के लोगों को भी तेजी से अपना शिकार बनाती जा रही है। ब्रेन ट्यूमर एक गंभीर समस्या है, जिससे हर साल हजारों लोगों की जान जा रही है। ब्रेन ट्यूमर का नाम सुनते ही अक्सर लोग घबरा जाते हैं, यही कारण है कि अब भी इस बीमारी को लेकर खूब हौआ बना हुआ है।

मस्तिष्क हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जो सोचने, याददाश्त, बोलने, देखने और शरीर के सभी अंगों को नियंत्रित करता है। ऐसे में जब मस्तिष्क में असामान्य कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिख सकता है। असामान्य रूप से कोशिकाओं के बढ़ने की स्थिति को ही ट्यूमर कहा जाता है।

ब्रेन ट्यूमर को अक्सर लोग कैंसर मान लेते हैं, हालांकि हर बार ब्रेन ट्यूमर कैंसर कारक हो ये जरूरी नहीं है। आज भी लोगों को इस रोग के बारे में कम जानकारी है, आइए इससे जुड़े कुछ मिथ्स और फैक्ट्स जानते हैं।

ब्रेन ट्यूमर तब होता है जब दिमाग में कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं और एक गांठ का रूप ले लेती हैं। यह गांठ दिमाग के किसी भी हिस्से में हो सकती है। ट्यूमर धीरे-धीरे बढ़ते हैं, अगर इसपर ध्यान न दिया जाए तो ये कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। हालांकि हर ट्यूमर कैंसर वाला नहीं होता है। विशेषज्ञों के अनुसार जेनेटिक बदलाव, रेडिएशन के संपर्क में आना, इम्यून सिस्टम कमजोर होने जैसी स्थितियों के कारण ब्रेन ट्यूमर हो सकता है। आइए इससे जुड़ी कुछ अफवाहों के बारे में जान लेते हैं।

मिथः ब्रेन ट्यूमर का मतलब आपको कैंसर हो गया

अधिकांश लोग यह मान लेते हैं कि ब्रेन ट्यूमर का मतलब कैंसर है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। मेडिकल रिपोर्ट्स बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर बेनाइन और मैलिग्नेंट दो तरह के हो सकते हैं। बेनाइन ट्यूमर कैंसर वाले नहीं होते और कई बार ये धीरे-धीरे बढ़ते हैं। सही समय पर पहचान और इलाज से ऐसे ट्यूमर को सर्जरी या दवाओं से कंट्रोल किया जा सकता है और मरीज सामान्य जीवन जी सकता है।

मिथः ब्रेन ट्यूमर हो गया तो मौत तय

ये डर अक्सर लोगों के मन में देखा जाता रहा है, हालांकि आधुनिक चिकित्सा में कई ऐसे इलाज उपलब्ध हैं जिससे ट्यूमर को ठीक किया जा सकता है। यदि ट्यूमर शुरुआती स्टेज में पकड़ में आ जाए तो इलाज होने और जान जाने की संभावना बढ़ जाती है। ब्रेन ट्यूमर का मतलब मौत या कैंसर नहीं होता।

मिथः ब्रेन ट्यूमर सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी है

अक्सर माना जाता है कि ब्रेन ट्यूमर सिर्फ अधिक उम्र वालों या फिर बुजर्गों को होता है, हालांकि मेडिकल रिपोर्ट्स बताते हैं ब्रेन ट्यूमर बच्चों, युवाओं और वयस्कों किसी को भी हो सकता है। कुछ प्रकार के ट्यूमर तो बच्चों में ज्यादा देखे जाते हैं, इसलिए उम्र के आधार पर लक्षणों को नजरअंदाज करना सही नहीं है।

मिथः मोबाइल फोन के ज्यादा इस्तेमाल से होता है ब्रेन ट्यूमर

अक्सर लोगों को लगता है कि मोबाइल फोन का ज्यादा करने वालों को ब्रेन ट्यूमर होता है। हालांकि अध्ययनों से पता चलता है कि मोबाइल फोन के इस्तेमाल और ब्रेन ट्यूमर के बीच सीधा और पुख्ता संबंध नहीं मिला है। हालांकि सावधानी के तौर पर लंबे समय तक फोन कान से लगाए रखने से बचने की सलाह दी जाती है।

मिथः बार-बार सिरदर्द होने का मतलब आपको ब्रेन ट्यूमर है

ब्रेन ट्यूमर में सिरदर्द होने को सबसे आम लक्षण माना जाता है, हालांकि सिर्फ सिरदर्द होने का मतलब ब्रेन ट्यूमर नहीं है। तनाव, माइग्रेन, नींद की कमी और साइनस जैसी सामान्य समस्याएं भी सिरदर्द को बढ़ावा दे सकती हैं। हालांकि अगर सिरदर्द लगातार बढ़ रहा हो और सुबह के समय ज्यादा होता है तो अलर्ट हो जाइए। ब्रेन ट्यूमर के कारण सिरदर्द के साथ उल्टी, नजर की दिक्कत या दौरे पड़ने जैसी समस्याएं भी होती हैं।

खाने में नींबू निचोड़ कर खाने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

भारतीय थाली में दाल, सब्जी या सलाद के ऊपर अक्सर लोग नींबू निचोड़कर खाना पसंद करते हैं। खाने वाली चीजों पर नींबू निचोड़कर सेवन करना स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। नींबू विटामिन-सी, फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स का सबसे अच्छा स्रोत है। जब हम गर्म भोजन या सलाद पर नींबू डालते हैं, तो इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड न केवल भोजन के स्वाद को चटपटा बनाता है, बल्कि हमारे पाचन तंत्र को पोषक तत्वों को सोखने के लिए तैयार भी करता है।

विशेष रूप से शाकाहारी भोजन में मौजूद 'नॉन-हीम' आयरन को शरीर आसानी से अवशोषित नहीं कर पाता, लेकिन नींबू का विटामिन-सी इसे सोखने योग्य बनाकर एनीमिया जैसी बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा नींबू का रस भोजन के 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' को कम करने में भी मदद करता है, जिससे खून में शुगर का लेवल अचानक नहीं बढ़ता।

रोजाना अपने भोजन में नींबू को शामिल करना आपके मेटाबॉलिज्म को नई ऊर्जा प्रदान करने और शरीर की इम्यूनिटी क्षमता को मजबूत करने का सस्ता और प्रभावी तरीका है।

आयरन के अवशोषण में सुधार

शाकाहारी भोजन (जैसे पालक, दाल) में आयरन भरपूर होता है, लेकिन शरीर इसे पूरी तरह ग्रहण नहीं कर पाता। नींबू में मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन-सी) भोजन के आयरन को शरीर के लिए उपयोगी बनाता है। अगर आप दाल के ऊपर नींबू निचोड़ते हैं, तो आप अपने शरीर में हीमोग्लोबिन के लेवल को प्राकृतिक रूप से बढ़ा रहे होते हैं, जिससे थकान और कमजोरी दूर रहती है।

पाचन तंत्र और एंजाइम्स की सक्रियता

नींबू का रस हमारी लार और पेट में पाचक रसों के स्राव को उत्तेजित करता है। सिट्रिक एसिड लिवर को 'बाइल' बनाने में मदद करता है, जो फैट को पचाने के लिए जरूरी है। भारी भोजन के ऊपर नींबू डालने से पेट फूलने, गैस और अपच की समस्या कम हो जाती है। यह एक 'डिटॉक्स' एजेंट की तरह काम कर अपनी आंतों की सफाई भी करता है।

इम्यूनिटी और वजन नियंत्रण का विज्ञान

नींबू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कोशिकाओं को फ्री-रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं, जिससे बुढ़ापा जल्दी नहीं आता। इसमें मौजूद 'पेक्टिन' फाइबर भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है। भोजन के साथ नींबू का सेवन करने से इंसुलिन रिस्पॉन्स बेहतर होता है, जिससे शरीर में अतिरिक्त फैट जमा नहीं होती। यह आपके शरीर के पीएच लेवल को संतुलित कर शरीर को क्षारीय बनाए रखता है।

नींबू के सेवन में बरतें ये छोटी सी सावधानी

नींबू के अनगिनत फायदे हैं, लेकिन याद रखें कि इसे कभी भी बहुत अधिक उबलते हुए भोजन में न डालें, क्योंकि विटामिन-सी गर्मी के प्रति संवेदनशील होता है और नष्ट हो सकता है। हमेशा भोजन को आंच से उतारने के बाद या खाते समय ही नींबू निचोड़ें। एक छोटा सा नींबू आपकी सामान्य थाली को 'सुपरफूड' में बदल सकता है।

डार्क चॉकलेट : दिल से लेकर दिमाग की ताकत बढ़ाने तक फायदे

एंटीऑक्सीडेंट्स का बेहतर स्रोत होने के कारण डार्क चॉकलेट को काफी लाभकारी माना जाता रहा है। फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के बीच ये काफी पसंदीदा भी रहे हैं। अध्ययनों में भी डार्क चॉकलेट के कई संभावित स्वास्थ्य लाभ के बारे में जिक्र मिलता है। शोध बताते हैं कि इसका सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। यह रक्तचाप को कम करने और हृदय में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में भी सहायक है। डार्क चॉकलेट को ब्रेन फंक्शन के लिए भी अच्छा माना जाता है, अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि इसके सेवन से स्ट्रोक का खतरा कम होता है। इसके अलावा प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि स्ट्रेस को दूर करने के लिए भी डार्क चॉकलेट का सेवन करना बेहतर विकल्प हो सकता है। हालांकि इसका अधिक सेवन आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है।

ब्लड प्रेशर की समस्या में फायदेमंद

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें डार्क चॉकलेट खाने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड पाया जाता है जो नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करता है। इससे धमनियों को खोलने में मदद मिलती है और रक्त का संचार बेहतर बना रहता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कोकोआ और डार्क चॉकलेट का संयमित मात्रा में सेवन रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मददगार हो सकता है।

ब्रेन फंक्शन में होता है सुधार

डार्क चॉकलेट आपके मस्तिष्क के कार्यों में भी सुधार करता है। यही कारण है कि तनाव-स्ट्रेस जैसी समस्याओं को कम करने के लिए इसके सेवन की सलाह दी जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि हाई फ्लेवनॉल कोकोआ वाली चीजों के सेवन से वयस्कों के मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह में सुधार हो सकता है। कोकोआ फ़्लेवोनॉइड को दीर्घकालिक रूप से अल्जाइमर जैसे रोगों के खतरे को कम करने वाला भी पाया गया है।

डार्क चॉकलेट के इन फायदों के बारे में भी जानिए

डार्क चॉकलेट में कोकोआ पाया जाता है जिसे अध्ययनों में कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

शरीर में रक्त प्रवाह में सुधार करता है।

रक्तचाप कम करने में मददगार।

बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

शरीर में इंफ्लामेशन और इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है।

न्यूरॉन्स की गतिविधि को बेहतर बनाने और मस्तिष्क की क्षमता में सुधार करने में इसके लाभ हैं।

इन दुष्प्रभावों के बारे में भी जानिए

डार्क चॉकलेट वैसे तो शरीर के लिए विशेष लाभप्रद है पर इसका अधिक सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है। डार्क चॉकलेट के दुष्प्रभाव इसमें मौजूद कैफीन से संबंधित हो सकते हैं। इसके अधिक सेवन के कारण नींद न आना, घबराहट, पेशाब अधिक होने, दिल की धड़कन में अनियमितता, त्वचा की एलर्जी, मतली और पेट की समस्याएं जैसे गैस और कब्ज हो सकती है। हमेशा कम मात्रा में ही इसका सेवन किया जाना चाहिए।

दांतों में कीडा लग गया है

प्रश्न. मेरी उम्र 29 वर्ष है। खट्टी डकार आना, हृदय,कंठ और पेट में जलन होना हमेशा उबकाई जैसी स्थिति बने रहना जैसे लक्षणों से परेशान हू। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– निरंजन शर्मा, हैदराबाद

उत्तर. आप 'अम्लपित्त' नामक रोग से पीड़ित है। किशोर और युवावर्ग में यह रोग तेजी से फैल रहा है। कारण लाइफ स्टाइल में, जीवन शैली में बदलाव। फास्ट फुड,जंक फुड, होटल का खाना, चटपटे, तीखे, मिर्च मसालेदार व्यंजनों पर प्रीति से उदर में पहले से ही स्थित हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में और अधिक वृद्धि होती है। जिसके कारण खट्टी डकार आना, छाती और कंठ में जलन होना, छर्दी, आमाशय शूल, उदर दाह जैसे लक्षण उभरते हैं। आयुर्वेद में इसका अच्छा इलाज है। चिकित्सा का प्रथम सूत्र है 'निदान परिवर्जनम्'।अतः आप जल्द से जल्द भोजन को सादा, स्वच्छ, ताजा और सात्विक बनाओ। स्वाद को त्याग कर स्वस्थ भोजन लिया करो। खटाई और मिर्च मसालों का त्याग करो। औषध में उंझा अविपत्तिकर चूर्ण 100 ग्राम,उंझा सूतशेखर रस (रजत युक्त) 40 टीकिया एवं उंझा कामदुधा रस 12 ग्राम को अच्छी तरह से एक जीव करें इसे 3 से 5 ग्राम की मात्रा में भोजन पूर्व शहद में मिलाकर चाटे। भोजन के बाद उंझा लीला विलास रस की टिकिया–डायलुसिड सैरप के साथ लेवे। थोडे ही दिनों में अम्ल पित्त पूरी तरह शांत हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 60 वर्ष है। मैंने सुना है ,आयुर्वेद में ऐसे रसायन कल्प हैं जिनके सेवन से मैं आने वाले वर्षों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकता हूं। कृपया उनके बारे में बताएं।

- किशन प्रसाद, वर्मा सिकंदराबाद

उत्तरः आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा का वर्णन आता है। अष्टांग आयुर्वेद में रसायन और वाजीकरण का महत्वपूर्ण स्थान है। जो कल्प या योग रस रक्त आदि सभी धातु को पुष्ट कर अष्टम धातु ओज का भी निर्माण करें उसे 'रसायन' कहते हैं। रसायनों में 'वयस्थापक रसायन' वह है जो

बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करें, शरीर में वृद्धावस्था के आगमन पर रोक लगाएं। पंचकर्म से शरीर को पहले शुद्ध कर इन वयस्थापकों का प्रयोग करने से शरीर की चयापचय प्रक्रिया सुचारू रूप से कार्य करती है। आमलकी रसायन, च्यवनप्राश सुप्रीम, रजवाड़ीप्राश, स्वर्णिमप्राश, अश्वगंधादि चूर्ण, धातु पौष्टिक चूर्ण और पूर्ण चंद्र रस, ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस, ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस आदि इसी श्रेणी में आते हैं । इसके अलावा व्यक्ति खूब पानी पिए, दूध ,दही ,घी, शहद आदि का प्रयोग करें ।इन सब में बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने के गुण हैं। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ग्रेप्स विन और सारस्वतारिष्ट का प्रयोग करें। इनकी मात्रा 7.5 मिलीलीटर दवा को दुगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं रहती ।शरीर और मन ताजा बने रहते हैं । रसायन लेने की कोई उम्र नहीं होती। आयुर्वेदाचार्य नित्य सेवन की सलाह देते हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। दांतों में कीड़ा लग गया है। बहुत दर्द करता है । कृपा कर सरल आयुर्वेदिक उपाय बताए ।

- पी इंद्रा रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपकी स्थिति ' कृमिदंत ' या डेंटल केरीज कहलाती है। वात दोष के प्रकोप से दांतों में खाली स्थान या दंतखात (डेंटल कैविटीज) बन जाती है और इससे दंतक्षय होने लगता है। इस दंतक्षय से दांतो - मसूड़ों में शोथ, स्राव, दांतों का हिलना या दांतो का ढीलापन होकर तीव्र वेदना प्रारंभ हो जाती है।

तुरंत लाभ के लिए लवंग तैल लगाएं । बाद में ऊंझा इरिमेदादी तैल का प्रयोग करें। तीव्र वेदना में घी में भी हिंग को दंतखात (डेंटल केविटीज) में भर दे । यह सारी चिकित्सा सामयिक चिकित्सा होगी । पूर्ण लाभ के लिए आप दंतरोग विशेषज्ञ से मिले । केविटीज को भरवाएं। यदि दांत ज्यादा खराब हो गए हो तब सलाह लेकर ' रुट केनाल थेरेपी ' कराएं।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

थायराइड की समस्या महिलाओं में क्यों अधिक देखने को मिलती है?

थायराइड एक छोटी सी तितली के आकार की ग्रंथि है जो हमारी गर्दन के निचले हिस्से में स्थित होती है। हालांकि यह ग्रंथि छोटी है, लेकिन यह शरीर के मेटाबॉलिज्म, एनर्जी लेवल और हृदय गति को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को थायराइड विकार होने की आशंका कई गुना अधिक होती है।

इसका मुख्य कारण महिलाओं के शरीर में होने वाले जटिल हार्मोनल उतार-चढ़ाव हैं। प्यूबर्टी (किशोरावस्था), मासिक धर्म चक्र, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन में होने वाले बदलाव थायराइड ग्रंथि के कामकाज को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं।

जब यह ग्रंथि जरूरत से ज्यादा (हाइपरथायरायडिज्म) या बहुत कम (हाइपोथायरायडिज्म) हार्मोन बनाती है, तो वजन बढ़ना, थकान, बालों का झड़ना और अनियमित पीरियड जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। महिलाओं में इस समस्या की अधिकता का एक बड़ा कारण उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली की संवेदनशीलता भी है। आइए इस लेख में ऐसा होने के पीछे के अन्य कारण के बारे में भी विस्तार से जानते हैं।

महिलाओं की प्रतिरक्षा प्रणाली

महिलाओं में थायराइड का सबसे बड़ा कारण 'ऑटोइम्यून' विकार हैं, जैसे हाशिमोटो रोग। महिलाओं की प्रतिरक्षा प्रणाली पुरुषों की तुलना में अधिक सक्रिय होती है, जिसके कारण कभी-कभी शरीर की रक्षा करने वाली कोशिकाएं गलती से अपनी ही थायराइड ग्रंथि पर हमला कर देती हैं। इससे ग्रंथि में सूजन आ जाती है और वह सही मात्रा में हार्मोन नहीं बना पाती। यही कारण है कि महिलाओं में 'हाइपोथायरायडिज्म' के मामले सबसे ज्यादा देखे जाते हैं।

गर्भावस्था और प्रसव के बाद के शारीरिक बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिला के शरीर में 'एचसीजी' और एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर काफी बढ़ जाता है, जो थायराइड को उत्तेजित करते हैं। कई महिलाओं को प्रसव के बाद 'पोस्टपार्टम थायरायडिटिस' की समस्या हो जाती है, जिसमें प्रसव के पहले साल के भीतर थायराइड ग्रंथि में सूजन आ जाती है। अगर इसे समय पर नहीं पहचाना गया, तो यह स्थाई रूप से थायराइड की बीमारी बन सकती है, जिससे मां और शिशु दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

पोषक तत्वों की कमी

आजकल की व्यस्त जीवनशैली अत्यधिक तनाव और खान-पान में आयोडीन, सेलेनियम व आयरन की कमी महिलाओं में थायराइड के जोखिम को बढ़ा देती है। तनाव शरीर में 'कोर्टिसोल' हार्मोन को बढ़ाता है, जो थायराइड हार्मोन के उत्पादन में बाधा डालता है। इ

सके अलावा प्लास्टिक के बर्तनों का अधिक उपयोग और पर्यावरण में मौजूद टॉक्सिन्स भी स्रावी तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसका सीधा असर थायराइड पर पड़ता है।

समय पर जांच और जागरूकता

थायराइड एक ऐसी समस्या है जिसे सही खान-पान, व्यायाम और समय पर ली गई दवाइयों से पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

महिलाओं को चाहिए कि वे 30 की उम्र के बाद नियमित रूप से अपना 'टी.एस.एच' टेस्ट करवाते रहें। अगर आपको लगातार थकान, कब्ज या मूड स्विंग्स महसूस हों, तो इसे सामान्य कमजोरी समझकर न टालें, तुरंत डॉक्टर से मिलकर परामर्श लें।

सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 450 अंक रिकवर

निफ्टी भी 100 अंक रिकवर, 25600 के स्तर पर

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सुबह की गिरावट के बाद दोपहर के कारोबार में बाजार निचले स्तरों से रिकवर होता नजर आया। सेंसेक्स अपने दिन के निचले स्तर से 450 अंक और निफ्टी 100 अंक से ज्यादा रिकवर हुआ। ऑटो, बैंकिंग और आईटी शेयरों में आई खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया।

अभी सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 83,350 और निफ्टी 80 अंक की गिरावट के साथ 25,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 82,898 और निफ्टी ने 25,494 का निचला स्तर छुआ था। कारोबारी सत्र की शुरुआत कमजोर रही थी। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और विदेशी फंडों की लगातार निकासी के कारण निवेशकों में डर का माहौल था।

हालांकि, जैसे ही निफ्टी अपने अहम सपोर्ट लेवल के करीब पहुंचा, वहां से वैल्यू बाइंग (सस्ते शेयरों की खरीदारी) शुरू हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और HDFC बैंक जैसे बड़े शेयरों में स्थिरता आने से इंडेक्स को मजबूती मिली।

बाजार में रिकवरी की 4 वजहें

1. अहम सपोर्ट लेवल पर खरीदारी: टेक्निकल एनालिस्ट्स के मुताबिक, निफ्टी के लिए 25,500 एक मजबूत सपोर्ट जोन की तरह काम कर रहा है। जब बाजार इस स्तर के करीब पहुंचा, तो ट्रेडर्स ने निचले स्तरों पर पोजीशन बनानी शुरू कर दी। इसी खरीदारी की वजह से बाजार ने अपनी शुरुआती गिरावट को काफी हद तक कम कर लिया।

2. मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी: सिर्फ बड़े शेयरों में ही नहीं, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में भी खरीदारी देखने को मिली। निवेशकों का मानना है कि हालिया गिरावट के बाद कई अच्छे फंडामेंटल वाले शेयर आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं। ब्रॉडर मार्केट में आए इस उछाल ने सेंटिमेंट को बेहतर करने में मदद की।

3. ऑटो और बैंकिंग शेयरों का साथ: आज के कारोबार में निफ्टी ऑटो और निफ्टी बैंक इंडेक्स में रिकवरी देखी गई। मारुति सुजुकी, एमएंडएम और एक्सिस बैंक जैसे शेयरों ने इंडेक्स को ऊपर खींचने का काम किया। त्योहारी सीजन के चलते ऑटो कंपनियों के सेल्स डेटा बेहतर रहने की उम्मीद में निवेशक इन शेयरों पर दांव लगा रहे हैं।

4. ग्लोबल मार्केट से मिले संकेत: एशियाई बाजारों में चीन और जापान के मार्केट में स्थिरता दिखने के बाद भारतीय निवेशकों का भरोसा भी लौटा। हालांकि अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन घरेलू स्तर पर मजबूत आर्थिक आंकड़ों ने गिरावट को थामने का काम किया।

बाजार में रिकवरी के बीच रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में भी अच्छी हलचल रही। दूसरी तरफ, आईटी शेयरों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जानकारों का कहना है कि जब तक बाजार 25,600 के पार सस्टेन नहीं करता, तब तक उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

मार्केट एक्सपर्ट्स की सलाह है कि निवेशकों को अभी जल्दबाजी में बड़ा निवेश करने से बचना चाहिए। कंपनियों के तीसरी तिमाही (Q3) के नतीजे आ रहे हैं, ऐसे में स्टॉक स्पेसिफिक एक्शन ज्यादा रहेगा। बाजार की दिशा काफी हद तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) के रुख और वैश्विक महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगी।

1. ट्रम्प की टैरिफ वाली धमकी से ग्लोबल मार्केट में गिरावट: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो देश उनकी योजनाओं का विरोध करेंगे, उन पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाया जाएगा। इस बयान के बाद अमेरिका से लेकर एशिया तक के बाजारों में डर का माहौल है। जानकारों का कहना है कि अगर ट्रेड वॉर जैसी स्थिति बनती है, तो आने वाले दिनों में बाजार में और ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

2. रिलायंस और ICICI बैंक के शेयरों में दबाव: देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के तीसरी तिमाही (Q3) के नतीजे आने के बाद आज इसके शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। रिलायंस का मुनाफा उम्मीद के मुताबिक रहा है, लेकिन मार्जिन में हल्की कमी आने से निवेशकों ने प्रॉफिट बुकिंग शुरू कर दी। वहीं ICICI बैंक के नतीजे भी इन-लाइन रहे, फिर भी शुरुआती कारोबार में शेयर करीब 3% तक टूट गया। भारी वेटेज वाले इन दोनों शेयरों के गिरने से निफ्टी पर दबाव बढ़ गया है।

बजट के हर एक रुपये की पाई-पाई का हिसाब

आंकड़ों से समझिए क्या है कमाई-खर्च का पूरा गणित

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट लोकसभा में पेश किया था। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के इस पहले पूर्ण बजट पर पूरे देश की निगाहें टिकी थीं। सरकार ने आयकर को लेकर बड़े एलान किए थे, जिससे मध्यम और वेतनभोगी वर्ग को राहत मिलने की बात कही गई थी। इन सबके बीच लोग अक्सर बजट को लेकर चर्चा तो करते रहे, लेकिन बजट में पैसा कहां से आता है और कहां जाता है, यह हिसाब ठीक से नहीं समझ पाते थे।

सरकार की ओर से पेश किए गए बजट में आम लोगों के लिए क्या था, इसे सही तरीके से समझने के लिए उसके पाई-पाई के हिसाब को समझना जरूरी है। आइए पूर्व के आंकड़ों से समझते हैं सरकार पैसा कहां से लाती है और कहां खर्च करती है...

सरकार के पास आने वाले हर एक रुपये में कितना पैसा कहां से आया?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 01 फरवरी को 50 लाख करोड़

रुपये से ज्यादा का बजट पेश किया था। इस बजट को आधार बना कर देखें तो हम यह समझ सकेंगे कि बजट के हर एक रुपये का कितना पैसा कहां से आया और कहां गया...

एक रुपये का कितना पैसा कहां से आया?

बजट में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने एक रुपये का 24 पैसा उधारी और अन्य प्रकार की देयताओं के जरिए जुटाया था। उधारी के बाद सरकार के खाते में सबसे ज्यादा राशि आयकर से आई थी। इस मद से सरकार को एक रुपये के 22 पैसे मिले थे। इसके बाद माल और सेवा कर (GST) और अन्य करों की वसूली से सरकार को 18 पैसे से अधिक की आमदनी हुई थी।

कंपनियों पर लगने वाले कर यानी निगम कर के जरिए सरकार ने एक रुपये के 17 पैसे जुटाए थे। बजट 2024 के आंकड़ों के अनुसार, करों के अलावा अन्य स्रोतों से सरकार को एक रुपये के 9 पैसे मिले थे। वहीं, केंद्रीय उत्पाद शुल्क से 5 पैसे और सीमा शुल्क से 4 पैसे की आमदनी हुई थी। उधार के अलावा अन्य स्रोतों से पूंजीगत प्राप्ति के तहत सरकार को एक रुपये में 1 पैसा मिला था।

एक रुपये का कितना पैसा कहां खर्च किया गया?

पिछले बजट के आंकड़ों के अनुसार, सरकार के पास आने वाले हर एक रुपये में से 20 पैसे ऋणों की ब्याज अदायगी में खर्च हुए थे। 22 पैसे करों और शुल्कों में राज्यों की हिस्सेदारी के तौर पर दिए गए थे। सरकार ने अपने पास आने वाले एक रुपये में से 16 पैसे केंद्रीय योजनाओं पर खर्च किए थे। 8 पैसे राज्यों में केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर खर्च हुए थे। 8 पैसे रक्षा क्षेत्र में खर्च किए गए थे। वित्त आयोग और अन्य मदों में भी 8 पैसे खर्च किए गए थे। आर्थिक सहायता के लिए 6 पैसे, पेंशन के लिए 4 पैसे, और अन्य मदों में सरकार के हर एक रुपये से 8 पैसे खर्च हुए थे।

चांदी तीन लाख रुपये प्रति किलो के पार सोना भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट को लेकर लगाए जा रहे तमाम अनुमान गलत साबित होते नजर आ रहे हैं। दोनों कीमती धातुएं लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने बाजार खुलते ही जबरदस्त उछाल दिखाया और एक किलो चांदी की कीमत इतिहास में पहली बार तीन लाख रुपये के पार पहुंच गई।

एमसीएक्स पर चांदी का मार्च वायदा 13,550 यानी 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 3,01,315 प्रति किलो के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं सोना भी पीछे नहीं रहा और तेज बढ़त के साथ नए शिखर पर जा पहुंचा।

पिछले साल 2025 में जोरदार तेजी दिखाने के बाद चांदी ने 2026 की शुरुआत भी रिकॉर्ड तोड़ रफ्तार के साथ की है। जनवरी महीने में अब तक चांदी की कीमत 65,614 प्रति किलो बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को जहां एक किलो चांदी का भाव 2,35,701 था, वहीं अब यह बढ़कर 3,01,315 प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है।

सोने की कीमतों ने भी इसी तरह तेज चाल दिखाई है। एमसीएक्स पर फरवरी वायदा सोना पिछले शुक्रवार को 1,42,517 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, लेकिन सोमवार को कारोबार शुरू होते ही यह 1,45,500 प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यानी एक ही सत्र में करीब 2,983 की तेजी दर्ज हुई।

साल की शुरुआत से अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1,35,804 थी। मौजूदा स्तर के हिसाब से अब तक सोना 9,696 प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, एशियाई कारोबार सत्र में मार्च डिलीवरी के लिए कॉमेक्स चांदी वायदा में 5.81 अमेरिकी डॉलर या 6.56 प्रतिशत की उछाल आई, जिससे यह 94.35 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

फरवरी डिलीवरी के लिए सोने की कीमत में भी 102.6 अमेरिकी डॉलर या 2.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4,698 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक स्तर पर, पिछले सप्ताह चांदी में 9.2 अमेरिकी डॉलर या 11.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सोने में 94.5 अमेरिकी डॉलर या 2.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सोने-चांदी के दामों की बढ़ने की वजह

बाजार जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर टैरिफ धमकी से वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसी अनिश्चितता के माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा सोने और चांदी की कीमतों को मिल रहा है।

महाराष्ट्र की पेपर बनाने वाली कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस होगा मेघालय!

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की कागज बनाने वाली एक कंपनी है बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज इस कंपनी ने अपना रजिस्टर्ड ऑफिस महाराष्ट्र से मेघालय ले जाने का फैसला किया है। इसके ईजीएम में कंपनी का नाम भी बदलने का फैसला हुआ है। साथ ही यह अपनी अधिकृत शेयर पूंजी को भी बढ़ाएगी। आपको पता है कि ऐसा क्यों हुआ है?

शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक कंपनी की बीते सप्ताह एक्स्ट्रा आर्डिनरी जनरल मीटिंग (EGM) हुई थी। उसमें कुछ महत्वपूर्ण फैसले हुए। इनमें कंपनी की अधिकृत पूंजी को 12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 36 करोड़ रुपये करना, कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस महाराष्ट्र से मेघालय शिफ्ट करना और कंपनी का नाम बदलना शामिल है। दरअसल, कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस को मेघायल शिफ्ट करने के पीछे एक बड़ा कारण है। यह है मेघालय की एक कंपनी का अधिग्रहण।

कंपनी का नाम भी बदलेगा

कंपनी के शेयरधारकों ने बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज का नाम बदल कर असगार्ड अल्कोबेव कर दिया है। कंपनी ने अपना रजिस्टर्ड ऑफिस जो महाराष्ट्र से अब मेघालय किया है, वह केंद्र सरकार और/या समय-समय पर निर्धारित किसी भी प्राधिकरण की स्वीकृति के अधीन है। दरअसल, मेघालय राज्य उत्तर पूर्वी क्षेत्र के कंपनी रजिस्ट्रार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

इस कंपनी का अधिग्रहण

पेपर इंडस्ट्री की इस दिग्गज कंपनी ने पिछले महीने ही शराब के कारोबार में उतरने की घोषणा की थी। खबर आई थी कि यह मेघालय की CMJ Breweries में 78.90% की इक्विटी हिस्सेदारी खरीद रही है। सीएमजे ब्रुअरीज पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी अल्कोबेव कंपनी है। यह कंपनी बीयर बनाने महारत रखती है। दरअसल, इस समय भारतीय बीयर बाजार तेजी से बढ़ रहा है। साल 2024 में यह 48,310 करोड़ रुपये का आंका गया था। अनुमान है कि साल 2034 तक बीयर बाजार 1,24,169 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। ९

मूडीज का बड़ा दावा: 7.3% की रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, इंश्योरेंस सेक्टर में आएगी बंपर तेजी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और बढ़ती विकास दर का सीधा फायदा अब देश के बीमा क्षेत्र को मिलता दिख रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी हालिया रिपोर्ट में उम्मीद जतायी है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का कहना है कि यह आर्थिक विस्तार न केवल औसत घरेलू आय को बढ़ाएगा, बल्कि बीमा कवरेज की मांग में भी जबरदस्त उछाल लाएगा। मूडीज रेटिंग्स ने भारत के आर्थिक परिदृश्य पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च 2026 में समाप्त होने वाला वर्ष) में अर्थव्यवस्था 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष के 6.5 प्रतिशत से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक विकास का सीधा असर प्रति व्यक्ति आय पर पड़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी प्रति व्यक्ति सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत बढ़कर 11,176 अमेरिकी डॉलर हो गई, जबकि हेडलाइन जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बढ़ती आय ने लोगों की क्रय शक्ति को मजबूत किया है, जिससे वित्तीय सुरक्षा उत्पादों की मांग बढ़ी है। मजबूत आर्थिक आंकड़ों ने बीमा उद्योग को नई ऊर्जा दी है। प्रीमियम में उछाल: 2025-26 के पहले आठ महीनों (अप्रैल-नवंबर) में कुल बीमा प्रीमियम राजस्व 17 प्रतिशत बढ़कर 10.9 लाख करोड़ रुपये हो गया। सेगमेंट अनुसार वृद्धि: हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में 14 प्रतिशत और लाइफ इंश्योरेंस के नए बिजनेस प्रीमियम में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

गेहूं के आटे के निर्यातकों को बड़ी राहत

सरकार ने पांच लाख टन शिपमेंट को दी मंजूरी, 21 जनवरी से आवेदन

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गेहूं उत्पादक किसानों और निर्यातकों के लिए एक बड़ी खबर है। भारत सरकार ने गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक में महत्वपूर्ण ढील दी है। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर पांच लाख टन गेहूं के आटे के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह फैसला उद्योग के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने 2022 में घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद, यह प्रतिबंधों में पहली बड़ी ढील है। भारत, जो इस कमोडिटी का एक प्रमुख उत्पादक है, अब वैश्विक बाजार में अपनी सीमित उपस्थिति फिर से दर्ज करा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से 16 जनवरी को जारी अधिसूचना के अनुसार, गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से प्रतिबंधित श्रेणी में ही रहेगा। हालांकि, मौजूदा नीतिगत शर्तों से ऊपर उठते हुए, सरकार ने विशिष्ट रूप से 5 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक के निर्यात की अनुमति दी है। इस कोटे का लाभ उठाने के लिए निर्यातकों को महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। यह कदम रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई के बाद आया है, जो अक्तूबर के अंत से नवंबर तक चलती है।

डीजीएफटी ने निर्यातकों के लिए आवेदन की समय सीमा और प्रक्रिया स्पष्ट कर दी है। जो निर्यातक इस 5 लाख टन के कोटे के तहत शिपमेंट भेजना चाहते हैं, उनके लिए आवेदन की समय सारिणीबइस प्रकार है:

पहला चरण: आवेदनों का पहला सेट 21 जनवरी, 2026 से 31 जनवरी, 2026 तक आमंत्रित किया जाएगा।

रोलिंग विंडो: इसके बाद, यदि निर्यात की अनुमति वाली मात्रा शेष रहती है, तो हर महीने के आखिरी दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

वैधता: निर्यात मंजूरी की वैधता इसे जारी होने की तारीख से छह महीने तक होगी।

मात्रा का आवंटन एक विशेष 'एग्जिम सुविधा समिति' की ओर से तय किया जाएगा।

जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी का 'दान' विवादों में

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे रईस महिलाओं में शुमार और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट अपनी दरियादिली के लिए मशहूर रही हैं। लेकिन उनका एक हालिया दान अब अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर है। स्कॉट की ओर से दिए गए फंड का एक हिस्सा कथित तौर पर उन संगठनों तक पहुंचा है, जिन पर अमेरिका की ओर से घोषित आतंकवादी समूह हमास के साथ संबंध रखने और अमेरिका में इस्राइल विरोधी प्रदर्शन भड़काने के आरोप हैं। यह मामला तब गरमाया जब फॉर्च्यून की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि स्कॉट के 'यील्ड गिविंग' फाउंडेशन ने 'सॉलिडेयर नेटवर्क' को करोड़ों डॉलर का दान दियाा। यह दान अब एफबीआई और अमेरिकी कांग्रेस की

जांच के दायरे में है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैकेंजी स्कॉट ने अपनी संस्था के जरिए सॉलिडेयर नेटवर्क को भारी-भरकम राशि दान की है। आंकड़ों पर नजर डालें तो-

2021: स्कॉट ने सॉलिडेयर नेटवर्क को 1 करोड़ डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) का दान दिया।

पिछले साल: 50 लाख डॉलर (करीब 41 करोड़ रुपये) की अतिरिक्त राशि दी गई।

विवाद का कारण यह है कि सॉलिडेयर नेटवर्क ने इस पैसे का इस्तेमाल 'स्टूडेंट्स फॉर जस्टिस इन फिलिस्तीन' और 'अमेरिकन मुस्लिम्स फॉर फिलिस्तीन' जैसे समूहों को फंड करने में किया। ये वही समूह हैं जिन पर अमेरिकी हाउस और सीनेट की ओर से हमास के साथ समन्वय कर अमेरिका भर में इजरायल विरोधी प्रदर्शन आयोजित करने के आरोपों की जांच की जा रही है।

यह मामला केवल वित्तीय लेनदेन तक सीमित नहीं है, बल्कि अब यह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। मई 2024 में, हाउस कमेटी ऑन ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी ने 'अमेरिकन मुस्लिम्स फॉर फिलिस्तीन' के कार्यकारी निदेशक ओसामा अबुइरशैद को पत्र लिखकर चिंता जताई थी। पत्र में कहा गया था कि कॉलेज परिसरों में हमास के प्रचार को बढ़ावा देने वाले संगठन संभवतः आतंकी वित्तपोषण के स्रोतों से मदद ले रहे हैं।

इसके अलावा, सितंबर 2025 में अमेरिकी सीनेटर टॉम कॉटन ने एफबीआई से 'फिलिस्तीनी यूथ मूवमेंट' (PYM) की जांच करने का अनुरोध किया। यह कदम संगठन की नेता आयशा निजार के उस बयान के बाद उठाया गया, जिसमें उन्होंने समर्थकों से अमेरिकी F-35 फाइटर जेट की सप्लाई चेन को बाधित करने का आग्रह किया था। सीनेटर कॉटन ने इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के खिलाफ हिंसा भड़काने वाला कृत्य करार दिया।

मैकेंजी स्कॉट की ओर से क्या कहा गया?

मैकेंजी स्कॉट, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 40 अरब डॉलर है और जिन्होंने 2019 में जेफ बेजोस से तलाक के बाद अपनी अधिकांश संपत्ति दान करने का संकल्प लिया था, अक्सर ₹नो-स्ट्रिंग्स-अटैच्ड₹ (बिना किसी शर्त के) दान करती हैं,। इसका अर्थ है कि दान प्राप्त करने वाला संगठन उस पैसे का उपयोग अपने अनुसार कर सकता है।

सॉलिडेयर नेटवर्क ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि वह सामाजिक आंदोलनों को दाताओं से जोड़ता है ताकि 'प्रेम और न्याय' पर आधारित सिस्टम बनाया जा सके।

नेटवर्क ने यह भी साफ किया कि स्कॉट 2021 में उन्हें दान देने वाले 280 से अधिक लोगों में से एक थीं और उनका फंड नस्लीय समानता, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक निष्पक्षता जैसे अन्य कार्यों में भी जाता है। मैकेंजी स्कॉट ने 2020 से अब तक 26 अरब डॉलर से अधिक का दान दिया है और 2,700 से अधिक उपहार बांटे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-44

भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-43

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

मास - माघ शुक्ल पक्ष मंगलवार 20 January 2026

तिथि - द्वितीया 02-14 रात तक उपरान्त तृतीया

नक्षत्र - श्रवण 13-06 तक उपरान्त धनिष्ठा

योग - सिद्धि 20-00 तक उप. व्यतिपात

करण - बालव 14-31 तक उप. कौलव

बाबा रामदेव बीज

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर....	06-30 बजे
चंद्र	मकर	मे	कुंभ....	08-21 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	10-00 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	11-35 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	13-19 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	15-22 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	17-33 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-45 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-52 बजे
			तुला----	23-57 बजे
			वृश्चिक..	02-06 बजे
			धनु.....	04-20 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-15 16-39

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-44 - 08-15	अशुभ	काल	17-43 - 19-39	शुभ
उत्पात	08-15 - 09-39	अशुभ	लाभ	19-39 - 21-15	शुभ
चंचल	09-39 - 11-03	शुभ	उत्पात	21-15 - 22-51	अशुभ
लाभ	11-03 - 12-27	शुभ	शुभ	22-51 - 00-27	अशुभ
अमृत	12-27 - 13-51	शुभ	अमृत	00-27 - 02-03	शुभ
काल	13-51 - 15-15	अशुभ	चंचल	02-03 - 03-39	अशुभ
शुभ	15-15 - 16-39	शुभ	रोग	03-39 - 05-15	शुभ
रोग	16-39 - 17-43	अशुभ	काल	05-15 - 06-44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो, अ,
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है ऐसे लोगों से सावधान रहें उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
खुशियाँ मनाने का समय है आपके किसी करीबी की शादी है इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है आप आज शांत किन्तु दृढ हैं आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैंआपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे अपनों को भी इनमे शामिल करें आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा मछली खाते हुए सावधान रहें

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं आपको अच्छा लगेगा आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या भारत 2030 तक उच्च-मध्यम आय वर्ग वाला देश बनेगा?

प्रति व्यक्ति आय 3.6 लाख रुपये तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत इस दशक के अंत तक उच्च-मध्यम आय वर्ग में शामिल हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 4,000 डॉलर यानी करीब 3,60,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे वह मौजूदा वर्गीकरण के अनुसार चीन और इंडोनेशिया की श्रेणी में आ जाएगा। यह भारत की आय प्रोफाइल में बड़े बदलाव का संकेत है।

भारत को निम्न आय वाले से निम्न मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था बनने में कितना समय लगा?

एसबीआई के अनुसार, भारत की आय यात्रा में समय के साथ तेजी आई है। देश को निम्न आय वाले से निम्न मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था बनने में करीब 60 साल लगे। 1962 में प्रति व्यक्ति आय 90 डॉलर से बढ़कर 2007 में 910 डॉलर हुई, इस दौरान औसतन 5.3% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद रफ्तार काफी बढ़ी।

जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में तेज उछाल

आजादी के बाद भारत को $1 ट्रिलियन जीडीपी तक पहुंचने में छह दशक लगे। लेकिन अगला ट्रिलियन सिर्फ 7 साल (2014) में, तीसरा 2021 तक और चौथा केवल 4 साल (2025) में जुड़ा। मौजूदा रुझानों के आधार पर $5 ट्रिलियन जीडीपी अगले दो साल में पार होने की उम्मीद है। बीते एक दशक में भारत की वृद्धि वैश्विक स्तर पर भी मजबूत हुई है। औसत वास्तविक जीडीपी ग्रोथ के क्रॉस-कंट्री वितरण में भारत का परसेंटाइल 92वें से बढ़कर 95वां हो गया है, जो वैश्विक ग्रोथ वितरण के ऊपरी हिस्से में भारत की मजबूत मौजूदगी दर्शाता है।

2047 तक हाई-इनकम लक्ष्य संभव

'विकसित भारत' विजन के तहत यदि भारत 2047 तक हाई-इनकम देश बनना चाहता है, जहां मौजूदा प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) सीमा $13,936 है, तो प्रति व्यक्ति जीएनआई को 7.5% सीएजीआर से बढ़ाना होगा। एसबीआई का कहना है कि यह संभव है, क्योंकि 2001-2024 के बीच भारत की प्रति व्यक्ति जीएनआई 8.3% सीएजीआर से बढ़ी है। हालांकि, अगर 2047 तक हाई-इनकम की सीमा बढ़कर $18,000 हो जाती है, तो आवश्यक सीएजीआर करीब 8.9% होगा।

ऊपरी-मिडिल इनकम में प्रवेश 'आसानी से संभव'

रिपोर्ट के मुताबिक, औसतन 0.6% जनसंख्या वृद्धि और लगभग 2% डिफ्लेटर मानते हुए, अगले दो दशकों में डॉलर टर्म्स में करीब 11.5% नाममात्र जीडीपी वृद्धि की जरूरत होगी। यह रफ्तार भारत ने वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2020 (प्री-कोविड) में हासिल की है और वित्त वर्ष 2004 से वित्त वर्ष 2025 में इसके आसपास बनी रही है। इसलिए अपर मिडिल इनकम श्रेणी में संक्रमण पूरी तरह संभव है बशर्ते सुधारों की रफ्तार बनी रहे।

विश्व बैंक का वर्गीकरण और वैश्विक रुझान

विश्व बैंक देशों को प्रति व्यक्ति जीएनआई के आधार पर लो-इनकम, लोअर-मिडिल, अपर-मिडिल और हाई-इनकम में बांटता है।

> 1990 : निम्न आय वर्ग में 51, निम्न-मध्यम आय वर्ग में 56, उच्च मध्यम आय वर्ग 29, उच्च आय वर्ग 39 देश शामिल थें।

> 2024: निम्न आय वाले देश 26, निम्न-मध्यम आय वर्ग में 50, उच्च मध्यम आय वर्ग 54,उच्च आय वर्ग 87 देश शामिल रहें।

यह दिखाता है कि समय के साथ अधिक देश ऊंची आय श्रेणियों में पहुंचे हैं।

भारत की आर्थिक यात्रा, संक्षेप में- जीडीपी टाइमलाइन

> 2007: $1 ट्रिलियन (60 साल)
> 2014: $2 ट्रिलियन (7 साल)
> 2021: $3 ट्रिलियन (7 साल)
> 2025: $4 ट्रिलियन (4 साल)
> 2027: $5 ट्रिलियन (अनुमान)

प्रति व्यक्ति आय टाइमलाइन:

> 2009: $1,000
> 2019: $2,000
> 2026: $3,000 (अनुमान)
> 2030: $4,000 (अनुमान)

प्रति व्यक्ति आय में भी यही रुझान दिखता है

> 2009: $1,000
> 2019: $2,000
> 2026 (अनुमान): $3,000
> 2030 (अनुमान): $4,000

'कानून के बारे में झूठ फैला रही कांग्रेस'

मनरेगा पर रार के बीच शिवराज ने क्यों लगाए आरोप?

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता नई योजना 'वीबी-जी राम जी' (विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन) के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। चौहान ने जोर देकर कहा कि नया कानून काम के अधिकार को पहले से ज्यादा मजबूत करेगा।

सभी पंचायतों में लागू होगी योजना

एक प्रेस वार्ता में शिवराज ने कहा कि विपक्ष यह झूठ फैला रहा है कि नई योजना में रोजगार केवल कुछ पंचायतों में ही मिलेगा। उन्होंने साफ किया कि यह योजना देश की सभी पंचायतों में लागू होगी। चौहान ने कहा कि यह बयान कि काम का अधिकार छीना जा रहा है एक झूठ है। बता दें कि कांग्रेस ने दस जनवरी को मनरेगा (एमजीएनरेगा) को खत्म करने के विरोध में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' नाम से 45-दिवसीय देशव्यापी अभियान शुरू किया।

100 की जगह 125 दिन का रोजगार

शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल गांधी और खड़गे गलत जानकारी देकर अपनी ही पार्टी को कमजोर कर रहे हैं। हमने काम के अधिकार को कागज से उतारकर जमीन पर मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि अब 100 दिनों के बजाय 125 दिन का काम दिया जाएगा। साथ ही, 15 दिनों के भीतर बेरोजगारी भत्ता देने का नियम भी बनाया गया है।

दिल्ली मेट्रो में अमेरिकी लड़की संग शर्मसार करने वाली घटना, खुद बताई आपबीती

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से एक बार फिर शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। दोस्त की शादी में शामिल होने आई अमेरिकी लड़की ने एक 14 साल के किशोर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह घटना खचाखच भीड़ से भरी दिल्ली मेट्रो में हुई है। भारतीय दोस्त की खुशियों में शामिल होने आई इस अमेरिकी लड़की को यौन उत्पीड़न की घटना ने झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि इस किशोर का बचाव उसकी बहन और मां ने किया।

अमेरिका के न्यू जर्सी में स्वीवन्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भारतीय मूल के प्रोफेसर गौरव सबनीस ने बताया कि जब मेरी एक पूर्व स्टूडेंट ने अपने भारत भ्रमण को लेकर मुझे बताया तो मैंने उसे कुछ टिप्स दिए। अनहोनी की आशंका को लेकर उन्होंने अपनी स्टूडेंट को खासकर दिल्ली में यौन उत्पीड़न से सावधान रहने को कहा। उन्होंने कहा कि तुम वहां पर सिर्फ एक गोरी लड़की हो और आसानी से टारगेट हो सकती हो। प्रोफेसर की अपनी स्टूडेंट को लेकर यह चिंता सच साबित हुई।

कई दिनों तक परेशान रही अमेरिकी महिला

प्रोफेसर सबनीस ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर बताया कि अपने 8 दिनों के भारत टूर से लौटने के बाद उनकी स्टूडेंट ने अपने साथ हुई इस घटना का जिक्र किया। महिला ने बताया कि 'भारत में मेरे सहकर्मी बहुत अच्छे थे और मैंने भारत में मजेदार और यादगार 8 दिन बिताए, लेकिन एक दुर्भाग्यपूर्ण अप्रिय घटना घटी। इसने मेरा मूड इतना खराब कर दिया कि मैं कुछ दिनों तक उदास और गुमसुम रही।' सबनीस ने महिला के हवाले से बताया कि 'दिल्ली में लैंड करते ही बैगेज के बाद से ही मुझे अजनबियों से सेल्फी के लिए आग्रह किया लेकिन मैंने आपके द्वारा बताए गए नियमों के तहत सभी पुरुषों को गुस्से से न कर दिया।

लोकतंत्र-चुनाव प्रबंधन पर चर्चा करने भारत में जुटेंगे 70 देशों के मेहमान, चुनाव आयोग बनेगा मेजबान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) 21 से 23 जनवरी तक लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026 की मेजबानी करने जा रहा है। यह लोकतांत्रिक शासन और चुनावी प्रथाओं पर वैश्विक संवाद के केंद्र में भारत की स्थिति को स्थापित करेगा। तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) द्वारा नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जाएगा।

दुनिया को इलेक्शन कराने का गुर सिखायेगा चुनाव आयोग

70 से अधिक देश के मेहमान शामिल होंगे

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आईआईसीडीईएम 2026 लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होने की उम्मीद है। इसमें विश्व भर के 70 से अधिक देशों के लगभग 100 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, भारत में विदेशी दूतावासों के प्रतिनिधि और चुनावी क्षेत्र के अकादमिक और व्यावहारिक विशेषज्ञ भाग लेंगे।

इस सम्मेलन का उद्देश्य विश्व भर के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के बीच विचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों के आदान-प्रदान को सुगम बनाना है। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ 21 जनवरी को उद्घाटन सत्र में प्रतिनिधियों का स्वागत करेंगे और कार्यवाही को हरी झंडी दिखाएंगे।

इसमें कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी भी होगी

विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में सामान्य और पूर्ण सत्र शामिल हैं, जिनमें ईएमबी नेताओं का पूर्ण सत्र, ईएमबी कार्य समूह की बैठकें और वैश्विक चुनावी चुनौतियों, आदर्श अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों और चुनावी प्रक्रियाओं में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर विषयगत चर्चाएं शामिल हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ के नेतृत्व में और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विशेषज्ञों के सहयोग से गठित 36 विषयगत समूह सम्मेलन के दौरान गहन विचार-विमर्श में योगदान देंगे। इन चर्चाओं में चार आईआईटी, छह आईआईएम, 12 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) और आईआईएमसी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी भी होगी।

ईसीआई विश्वभर में ईएमसी के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए ईएमसी के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित करेगा। इस आयोजन के दौरान, आयोग ईसीआईनेट का भी उपयोग करेगा, जो चुनाव संबंधी सभी सूचनाओं और सेवाओं के लिए ईसीआई का एक ही स्थान पर उपलब्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म है। भारत के चुनावी पैमाने और पहलों पर एक प्रदर्शनी के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनावों पर आधारित वृत्तचित्र श्रृंखला इंडिया डिसाइड्स का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

शख्स पर लगा महिला को गलत तरीके से छूने का आरोप

वीडियो वायरल हुआ तो की आत्महत्या

कोझिकोड, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद 42 वर्षीय व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। वीडियो में एक महिला ने स्थानीय बस में यात्रा के दौरान उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक यह घटना रविवार सुबह की है।

मृतक की पहचान कोझिकोड के गोविंदपुरम निवासी दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जब रविवार सुबह करीब सात बजे उनके माता-पिता ने उन्हें जगाने की कोशिश की तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कई बार दरवाजा खटखटाने और आवाज लगाने के बाद भी जवाब न मिलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया, जहां दीपक अपने कमरे में फंदे से लटके मिले। आत्महत्या का यह मामला तब सामने आया, जब एक महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उसने आरोप लगाया कि भीड़ भरी बस में यात्रा के दौरान उस शख्स ने जानबूझकर उसे कई बार अनुचित तरीके से छुआ था। बताया जाता है कि पय्यानूर रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड तक की यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो वायरल हो गया। इसे 20 लाख से ज्यादा बार देखा गया, जिससे ऑनलाइन प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

मृतक के माता-पिता का आरोप है कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद से उनका बेटा मानसिक तनाव से गुजर रहा था। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, माता-पिता ने बताया कि वीडियो को 20 लाख से अधिक लोग देख चुके थे, जिससे दीपक पर भारी मानसिक दबाव पड़ा। उन्होंने महिला पर ऑनलाइन लोकप्रियता के लिए बेटे की छवि खराब करने का आरोप भी लगाया।

अदालत में 5 लाख रुपये जुर्माने को चुनौती देने वाली अपील खारिज

पीआईएल फाइल करने पर 2023 में मिला था दंड

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लखनऊ के एक वकील की याचिका खारिज कर दी। वकील ने याचिका में आरोप लगाया था कि न्यायालय में घोषित 25,000 रुपये के बजाय। उस पर अक्टूबर 2023 में एक जनहित याचिका दायर करने के लिए पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने 13 अक्टूबर, 2023 को वकील अशोक पांडे द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय, जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में फिर से शपथ दिलाई जाए क्योंकि संविधान के तहत निर्धारित तरीके से शपथ नहीं ली गई थी।

हम आदेश का पालन करेंगे: सुप्रीम कोर्ट

पांडे के अनुसार, पीठ ने खुले न्यायालय में उन पर तुच्छ जनहित याचिका दायर करने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। हालांकि उन्होंने बाद में दावा किया कि आदेश में जुर्माने के तौर पर पांच लाख रुपये का उल्लेख था। अब कलेक्टर उनसे राशि की वसूली के लिए कार्रवाई करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने पांडे की 2023 के आदेश में संशोधन और इस मामले की जांच की मांग वाली नई याचिका को खारिज करते हुए कहा, हम आदेश का पालन करेंगे, और इसमें पांच लाख रुपये शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, ये सभी प्रचार याचिकाएं हैं। 2023 की जनहित याचिका में कहा गया था कि जब न्यायमूर्ति उपाध्याय ने उस वर्ष 29 जुलाई को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी, तो उन्होंने अपना नाम लेने से पहले 'मैं' शब्द का प्रयोग नहीं किया था, जो संविधान की तीसरी अनुसूची का उल्लंघन था। तब न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और मनोज मिश्रा सहित अन्य न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था।

'बंगाल में एसआईआर जरूरी, लेकिन तरीका सही नहीं'

कोलकाता, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चल रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल एसआईआर से जुड़े सुनवाई सत्र में शामिल हुए बोस ने इस प्रक्रिया को सरासर उत्पीड़न करार देते हुए कहा कि इसमें स्पष्टता की कमी है। गौरतलब है कि बोस ने 2016 का विधानसभा चुनाव और 2019 का लोकसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ा था। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी को वह, उनकी पत्नी और बेटी सुनवाई के लिए उपस्थित हुए। वहीं, उनके दो बेटे विदेश में हैं, जिन्होंने अपनी ओर से उन्हें अधिकृत किया था। चंद्र कुमार बोस ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'एसआईआर जरूरी है, लेकिन जिस तरह से इसे किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है। आम लोगों को एसआईआर के नाम पर परेशान किया जा रहा है। मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतनी जल्दबाजी में क्यों किया जा रहा है?' उन्होंने दावा किया कि मैंने और मेरे परिवार के सदस्यों ने गणना प्रपत्रों के साथ सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए थे। इसके बावजूद उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया।

बोस ने कहा, 'हमें यह कहकर बुलाया गया कि लिंकिंग में समस्या है। यह काफी हैरान करने वाला कारण था। मुझे एसआईआर के लिए बुलाए जाने से शिकायत नहीं है, लेकिन पूरी प्रक्रिया अव्यवस्थित है और इसमें कोई स्पष्टता नहीं दिखती है।'

फरवरी में भारत का बजेगा दुनिया में डंका

ग्लोबल साउथ से जलने वालों की लगेगी लंका!

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के मुताबिक भारत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के मामले में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे प्रतिस्पर्धी देश बनकर उभरा है। यह नवीनतम रैंकिंग दर्शाती है कि भारत का तेजी से बढ़ता तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र और मजबूत प्रतिभा आधार वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा में देश को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में कैसे मदद कर रहे हैं। अब अगले महीने ही भारत एआई को लेकर एक ऐसा सम्मेलन करने जा रहा है, जो उसे ग्लोबल साउथ का लीडर बना सकता है।

> ब्रिटेन, जापान और फ्रांस से आगे निकला भारत

स्टैनफोर्ड के आंकड़ों पर आधारित विजुअल कैपिटलिस्ट चार्ट से पता चलता है कि 78.6 के वाइब्रेंसी स्कोर के साथ अमेरिका एआई प्रतिस्पर्धा में विश्व में सबसे आगे है। चीन 36.95 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि भारत 21.59 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर है। यह भारत को दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस सहित कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आगे रखता है।

> इंडिया एआई इंपैक्ट की मेजबानी कर रहा भारत

द इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार, आगामी इंडियाएआई इम्पैक्ट समिट में भारत का मुख्य फोकस एआई के लिए साझा मानक बनाने पर विभिन्न देशों के बीच आम सहमति स्थापित करना होगा। उन्होंने बताया कि एआई मानकों को वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों और वैश्विक निकायों सहित 38 बहुपक्षीय समितियों में तैयार किया जा रहा है। यह सम्मेलन 19-20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में होने जा रहा है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

> अमेरिका-चीन समेत कई देशों के 100 सीईओ ले रहे हिस्सा

इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ-साथ अमेरिका, चीन समेत कई देशों के 100 से ज्यादा सीईओ भी शामिल होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर ईटी को बताया-भारत पहले से ही इनमें से कई चर्चाओं का हिस्सा है और सभी भारतीय भागीदार मंत्रालयों और एजेंसियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं को संकलित किया गया है। इन सभी ने मिलकर एआई मानकों को विकसित करने के हमारे रुख को मजबूत किया है।

> तीन सूत्रों पर आधारित होगा यह सम्मेलन

वैश्विक स्तर पर एआई के उपयोग में न्यूनतम मानकों को लागू करने का प्रयास तीन 'सूत्रों' या मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जिन पर यह शिखर सम्मेलन आधारित होगा। इसमें 7 चक्र भी होंगे। प्रगति के सिद्धांत के अनुरूप, भारत ने एआई के लाभों के समान वितरण को सुनिश्चित करने, डेटासेट, कंप्यूटर और मॉडल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शासन और कृषि में एआई के अनुप्रयोग का आह्वान किया है।

> हेल्थ, एग्रीकल्चर और एजुकेशन में ओपन सोर्स भंडार

भारत वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एआई उपयोग के मामलों का एक ओपन सोर्स भंडार स्थापित करने के लिए उत्सुक है।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बाद इंसाफ की मांग तेज कुकी संगठनों ने उठाया अलग प्रशासन का मुद्दा

इंफाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2023 में मणिपुर हिंसा के दौरान दुष्कर्म का शिकार हुई कुकी युवती की 32 महीनों बाद अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद कई संगठनों ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग की है। संगठनों का आरोप है कि महिला की जान उस बीमारी और गहरे सदमे की वजह से गई, जो मई 2023 में उसके साथ हुआ था। चुराचांदपुर और दिल्ली स्थित कुकी संगठनों ने दावा किया कि मई 2023 में इंफाल से महिला का अपहरण किया गया था और उसके साथ दरिंदगी की गई थी। वह किसी तरह अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बच निकली, लेकिन शारीरिक चोटों और मानसिक आघात से उबर नहीं पाई और दस जनवरी को गुवाहाटी में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद कुकी संगठनों ने केंद्र सरकार से अलग प्रशासन की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि मैतेई समुदाय के साथ अब उनका रहना संभव नहीं है। 'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) ने कहा कि यह मौत इस बात का सबूत है कि कुकी-जो लोगों को कितनी बेरहमी से निशाना बनाया गया है।

ग्रीनलैंड क्यों बना दुनिया का नया हॉटस्पॉट

आर्कटिक की बर्फ पिघलने से हमले का खतरा बढ़ा लाखों टन खनिज पर ट्रम्प-पुतिन-जिनपिंग की नजर

नुउक, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और रूस के बीच मौजूद ग्रीनलैंड अब धीरे-धीरे बहुत अहम इलाका बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है दुनिया का गर्म होना और आर्कटिक में बर्फ का पिघलना। जब बर्फ कम हो रही है, तो वहां नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं और जमीन के नीचे छिपे संसाधन भी सामने आ रहे हैं।

इसी वजह से ग्रीनलैंड अब सेना, कारोबार और प्राकृतिक संसाधनों के लिहाज से पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड दुर्लभ खनिजों के मामले में दुनिया में आठवें स्थान पर है और यहां लगभग 15 लाख टन खनिज भंडार होने का अनुमान है।

ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में भी ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई थी। तब इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। इसे सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी या दिखावा मानकर नजरअंदाज कर दिया था। अब हालात काफी बदल चुके हैं। ट्रम्प अब इस पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं। अब इसे गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

आर्कटिक वह इलाका है, जहां दुनिया की कई बड़ी ताकतें एक-दूसरे के बहुत करीब आ जाती हैं।

यहां रूस, कनाडा, अमेरिका और ग्रीनलैंड लगभग आमने-सामने हैं। इसी वजह से इस इलाके को लेकर देशों के बीच मुकाबला बढ़ता जा रहा है।

इस प्रतिस्पर्धा की तीन बड़ी वजहें हैं-

1. तेल, गैस और दुर्लभ खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों की बढ़ती जरूरत
2. दुनियाभर में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, जहां हर देश अपनी ताकत दिखाना चाहता है
3. सबसे अहम वजह है जलवायु परिवर्तन

दुनिया के गर्म होने से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है। जो इलाका पहले बर्फ की वजह से छिपा रहता था, वह अब धीरे-धीरे खुलने लगा है। ऐसा लग रहा है जैसे दुनिया के नक्शे पर एक नया इलाका अचानक उभर आया हो। इसी नए मौके पर कब्जा जमाने के लिए देशों के बीच होड़ मची हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्रीनलैंड की अहमियत बढ़ी

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक में अब नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं, जिनका इस्तेमाल व्यापारिक जहाज कर सकते हैं। ये रास्ते एशिया, यूरोप और अमेरिका के बीच सफर को छोटा और सस्ता बना सकते हैं, इसलिए बड़ी ताकतों की नजर अब इन पर है।

सिर्फ समुद्री रास्ते ही नहीं, बर्फ के नीचे दबे कीमती प्राकृतिक संसाधन भी अब दिखने लगे हैं। माना जाता है कि ग्रीनलैंड और आर्कटिक क्षेत्र में तेल, गैस, दुर्लभ खनिज और दूसरी अहम धातुओं का बड़ा भंडार मौजूद है। जैसे-जैसे बर्फ पिघल रही है, इन संसाधनों को निकालना आसान होता जा रहा है। यही वजह है कि अमेरिका, रूस और दूसरी बड़ी ताकतें इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

इन सभी कारणों से ग्रीनलैंड अब सिर्फ बर्फ से ढंका एक दूरदराज इलाका नहीं रह गया है। यह धीरे-धीरे वैश्विक राजनीति का अहम केंद्र बनता जा रहा है, जहां भविष्य में देशों के बीच टकराव और प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है।

ग्रीनलैंड अकेले ही फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन, इटली और जर्मनी जैसे देशों को मिलाकर भी उनसे बड़ा है। अगर ट्रम्प कभी ग्रीनलैंड को अमेरिका के कब्जे में ले आते हैं, तो यह अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा इलाका होगा।

यूरोप की सबसे शक्तिशाली सेना बना रहा जर्मनी

भारत के 'अग्निवीर' मॉडल की झलक, हिटलर के देश से क्यों डरा रूस?

बर्लिन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी, दूसरे विश्वयुद्ध के बाद एक बार फिर से यूरोप की सबसे शक्तिशाली सेना बनाने लगा है। जर्मनी में अब 18 साल की उम्र से ज्यादा के हर एक युवक को जर्मनी के नये कानून के मुताबिक आर्मी में शामिल होना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि ये वॉलंटरी है, लेकिन यह कानून सरकार को वर्ल्ड वॉर II के बाद पहली बार यूरोप की सबसे मजबूत आर्मी बनाने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अनिवार्य सर्विस शुरू करने की इजाजत देता है। पिछले साल जर्मनी के पास एक्टिव ड्यूटी पर तैनात सैनिकों की संख्या 184,000 थी, जो मई के मुकाबले 2500 ज्यादा है। उस दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने पहली बार संसद में कहा था कि सेना, या बुंडेसवेहर, को यूरोप की सबसे मजबूत पारंपरिक सेना बनने की जरूरत है।

पॉट्सडैम में बुंडेसवेहर सेंटर ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री एंड सोशल साइंसेज के एक सीनियर रिसर्चर टिमो ग्राफ ने अलजजीरा की एक रिपोर्ट में कहा है कि यह बहुत लंबे समय में उनकी सबसे बड़ी सैनिकों की संख्या है और यह 2021 के बाद से हमारी सबसे मजबूत सेना है। जर्मनी की सरकार ने 23 महीने के कॉन्ट्रैक्ट

पर वॉलंटियर सर्विस शुरू की है और इसके लिए अच्छी सैलरी और सुविधाओं का लालच दिया गया है। हालांकि इस कॉन्ट्रैक्ट को बाद में अनिश्चित काल के लिए प्रोफेशनल सर्विस में बढ़ाया जा सकता है। ये स्कीम काफी हद तक भारत के अग्निवीर सैनिकों से मिलता है, लेकिन भारत में ऐसा 4 सालों के लिए है।

जर्मनी में 'अग्निवीरों' को कितनी सैलरी?

रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी में ऐसे सैनिकों को 2600 यूरो यानि करीब 3000 डॉलर दिए जाएंगे, क्योंकि वहां रहने की जगह पहले से ही मुफ्त है। मेडिकल इंश्योरेंस फ्री है और टैक्स काटने के बाद उनके पास करीब 2700 डॉलर प्रति महीने बनेंगे। 18 साल के युवाओं के लिए ये बहुत ज्यादा पैसा है। जर्मनी ने नाटो से वादा किया है कि वह 2035 तक एक्टिव ड्यूटी पर सैनिकों की संख्या को बढ़ाकर 260,000 तक ले जाएगा। इसके अलावा वो रिजर्व सैनिकों की संख्या को भी दोगुनी करके 200,000 करेगा। यानि, शीत युद्ध के समय जर्मनी के पास जितने सैनिक थे, वो उस स्तर तक पहुंच जाएगा। जर्मनी की इन कोशिशों से मॉस्को परेशान हो गया है।

जर्मनी में रूस के राजदूत सर्गेई नेचायेव ने पिछले महीने जर्मन न्यूज पोर्टल अपोलुट को एक इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने बताया था कि जर्मनी की नई सरकार रूस के साथ बड़े पैमाने पर मिलिट्री टकराव की तैयारी तेज कर रही है। हालांकि, जर्मनी के लिहाज से देखा जाए तो यूक्रेन से जब रूस ने पीछे हटने से इनकार कर दिया, उसके बाद जर्मनी ने अपनी सेना के लिए 125 अरब डॉलर खर्च करने का प्रस्ताव बनाया। जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.5 प्रतिशत है। जबकि साल 2021 में जर्मनी का डिफेंस बजट सिर्फ 56 अरब डॉलर ही था। इतना ही नहीं 2030 तक, जर्मनी अपनी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत हिस्सा डिफेंस पर खर्च करेगा।

रूसी खतरे के बीच जर्मनी के लोगों का अमेरिका से भरोसा टूट चुका है। पिछले एक साल में जर्मन समाज का अमेरिका पर से भरोसा उठना इस डिफेंस बजट में आए एतिहासिक उछाल की सबसे बड़ी वजह है। जून 2025 में सरकारी चैनल जडडीएफ ने जर्मनी में एक सर्वे करवाया था। इस पोल में जर्मनों से पूछा गया था कि क्या यूएसए नाटो के हिस्से के तौर पर यूरोप की सुरक्षा की गारंटी देना जारी रखेगा? इसमें 73% लोगों ने नहीं कहा। दिसंबर में ये आंकड़ा बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया था। अब 10 में से नौ जर्मन, यूरोप में अमेरिकी राजनीतिक प्रभाव को नुकसानदायक मानते हैं। जाहिर तौर पर डोनाल्ड ट्रंप इसके पीछे सबसे बड़ी वजह हैं।

ट्रक से टकरा कर स्कूल बस के उड़े परखच्चे

13 बच्चों की मौके पर मौत

केप टाउन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम 13 स्कूली बच्चों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चों को स्कूल ले जा रही एक मिनी बस की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। अधिकारियों के अनुसार, 11 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह दुर्घटना सुबह करीब 7 बजे जोहानिसबर्ग में हुई, जब मिनी बस प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को लेकर जा रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मिनी बस चालक अन्य वाहनों से आगे निकलने की कोशिश कर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कई बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बस चालक भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और ट्रक चालक से पूछताछ की जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

बूढ़ा हो रहा चीन, जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

फिर अर्थव्यवस्था कैसे बढ़ती जा रही

बीजिंग, 19 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में 2025 में जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार, लगातार चौथे साल चीन की आबादी कम हुई है। इससे चीन में डेमोग्राफिक चुनौती गहरी हो गई है, जो आने वाले दशकों तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने सोमवार को बताया कि 2025 में यह दर प्रति 1,000 लोगों पर 5.63 जन्म तक गिर गई, जो 2023 के 1,000 पर 6.39 के निचले स्तर से भी कम है। इस गिरावट से पता चलता है कि 2024 में जन्म में थोड़ी बढ़ोतरी 2016 से लगातार गिरावट के उलट एक अपवाद थी।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि 2025 में चीन की अर्थव्यवस्था 5% बढ़ी, जो सरकार के लगभग 5% के वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप है। यह बढ़त चीनी

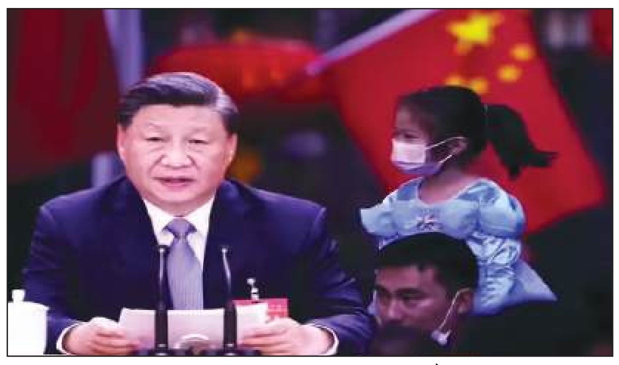

निर्यात में उछाल से हुआ, जिसने अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और देश में कमजोर खपत की भरपाई भी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ बार-बार होने वाले ट्रेड वॉर के बावजूद, चीन ने पिछले साल रिकॉर्ड 1.2 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार अधिशेष हासिल किया है। चीन के शीर्ष अधिकारियों ने अर्थव्यवस्था में आई तेजी की सराहना की है। चीन के सांख्यिकी ब्यूरो के प्रमुख कांग यी ने कहा कि वार्षिक लक्ष्य को बाहरी माहौल में तेजी से बदलाव और बढ़ती घरेलू चुनौतियों से चिह्नित जटिल और गंभीर स्थिति के बावजूद हासिल किया गया। कांग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 2025 में, चीन की अर्थव्यवस्था ने दबाव का सामना किया और स्थिर प्रगति बनाए रखी, उच्च गुणवत्ता वाले विकास में नए परिणाम हासिल किए। चीन में जन्म दर में गिरावट दशकों से लागू सख्त, सरकारी निगरानी वाले जन्म नियंत्रण कानून के कारण हैं। हालांकि, इस कानून को 2016 में समाप्त कर दिया गया है। इसके बावजूद देश में जन्म दर बढ़ नहीं रही है। चीन के अधिकांश युवा जोड़े आज भी बच्चा पैदा करने से बचना चाहते हैं। डेटा से पता चलता है कि पिछले साल चीन में 7.92 मिलियन बच्चों के जन्म की तुलना में 11.31 मिलियन मौतें हुईं, जिससे कुल आबादी में 3.39 मिलियन की गिरावट आई है। चीन की आबादी 2025 में 1.4 बिलियन थी। चीन अभी भारत के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। चीन की बदलती जनसांख्यिकी को अधिकारियों द्वारा एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि देश का वर्कफोर्स लगातार सिकुड़ रहा है और पेंशन लेने वाले रिटायर लोगों की आबादी बढ़ रही है।

चिली के जंगल में आग से 19 लोगों की मौत

50 हजार बेघर, लोग बोले- 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते

सैंटियागो, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है।

आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं। पेंको शहर के 25 वर्षीय छात्र माटियास सिड ने आग पूरी तरह बेकाबू हो गई है। आग का बवंडर घरों को निगल गया। हम सिर्फ पहनने के कपड़ों में जान बचाकर निकले। अगर 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते।

आग न्युब्ले और बायोबियो इलाकों में फैली है, जो राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में हैं। तेज हवाओं के चलते लगातार दो दिनों से आग फैल रही है। राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने न्युब्ले और बायोबियो में आपातकाल घोषित कर दिया है। करीब 4 हजार दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे हैं। आपातकाल के तहत सेना की मदद भी ली जा रही है। राष्ट्रपति खुद प्रभावित शहर कॉन्सेप्सियोन पहुंचे और हालात की समीक्षा की। उन्होंने सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में रात का कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया। बोरिक रविवार शाम सैंटियागो लौट आए। उन्होंने कहा कि वे सोमवार को राष्ट्रपति-निर्वाचित जोस एंतोनियो कास्ट से मिलकर जंगल की आग पर जानकारी साझा करेंगे।

छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर बस पलटने से 10 मौतें

इनमें 5 महिलाएं, 5 पुरुष, 19 गंभीर, ब्रेक फेल था, सभी सगाई में जा रहे थे

बलरामपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर ओरसा घाट में स्कूल बस पलटने से मौत का आंकड़ा बढ़कर 10 हो गया। मृतकों में 5 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। हादसे 78 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 19 की हालत गंभीर है। घायलों को गुमला और रांची के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसा रविवार दोपहर झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ।

हादसा रविवार दोपहर छत्तीसगढ़ सीमा से लगभग 7 किलोमीटर दूर झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ। इसमें 87 लोग सवार थे, जो बलरामपुर जिले के ग्राम पीपरसोत, महाराजगंज, झपरा और बुद्धीडीह से सगाई समारोह में शामिल होने के लिए ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल की बस में झारखंड के लोधगांव जा रहे थे।

बस ओरसा बंगलादारा घाटी में पहुंची थी, तभी ढलान में बस का ब्रेक अचानक फेल हो गया। इस दौरान तेज रफ्तार बस पीडब्ल्यूडी के रोड सेफ्टी गार्ड को तोड़ते हुए पेड़ से टकराकर करीब 20 फीट नीचे जाकर सड़क पर पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

बस ड्राइवर विकास पाठक के मुताबिक, हादसे से कुछ समय पहले ही ब्रेक नहीं लगने का अहसास हुआ। स्थिति को संभालने के लिए हैंड ब्रेक का उपयोग किया। इसके बाद इंजन भी बंद कर दिया, लेकिन ढलान होने के कारण बस बेकाबू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना गंभीर था कि कई यात्री बस के अंदर सीटों और लोहे के ढांचे के बीच फंस गए, जबकि कुछ यात्री उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही महुआडांड़ पुलिस मौके पर पहुंची।

महुआडांड़ थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को बस से बाहर निकाला गया।

काबुल के सबसे सुरक्षित इलाके में बम विस्फोट

कई लोगों की मौत, तालिबान परेशान

काबुल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को भीषण बम विस्फोट हुआ है। इस विस्फोट में कई लोगों के मारे जाने की सूचना है।

यह धमाका सोमवार को राजधानी के शहर-ए-नव इलाके में हुआ, जहाँ विदेशी रहते हैं और जिसे काबुल के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक माना जाता है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया, शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़ी बाकी डिटेल बाद में जारी किए जाएंगे। तालिबान को शक है कि इस हमले के पीछे इस्लामिस स्टेट-खोरसान का हाथ हो सकता है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद आईएसआईएस ने अपनी गतिविधियों को काफी बढ़ाया है। पिछले कई बम विस्फोटों की जिम्मेदारी आईएसआईएस ने ली है।

ब्रिटिश एनजीओ ऑक्सफैम ने भारतीय आरक्षण की तारीफ की

स्विट्जरलैंड, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूएन से जुड़ी ब्रिटिश एनजीओ ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने भारतीय आरक्षण व्यवस्था की तारीफ की है। ऑक्सफैम ने सोमवार को अपनी सालाना असमानता रिपोर्ट जारी की। इसे स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हुई वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के पहले दिन पेश किया गया।

इस रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की आरक्षण व्यवस्था इस बात का मजबूत उदाहरण है कि कैसे आम लोगों को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जहां दुनियाभर में अरबपति राजनीति पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहां भारत की नीतियां अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों और समाज के पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने का मौका दे रही है। ऑक्सफैम ने भारत की राजनीतिक व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि भारत की नीतियां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े समूहों को राजनीतिक आरक्षण देती है। इसकी मदद से सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों को चुनाव लड़ने और आगे बढ़ने के मौके मिलते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने महिलाओं के लिए भी 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया है, जिससे उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियां मिलने में आसानी हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि अरबपतियों की संपत्ति पिछले पांच साल के औसत के मुकाबले तीन गुना तेजी से बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर दुनिया में 25% लोगों को रोजाना भरपेट खाना नहीं मिल पा रहा है। पिछले साल अरबपतियों की कुल संपत्ति में 2.5 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। यह रकम दुनिया की आधी आबादी, करीब 4.1 अरब लोगों की कुल संपत्ति के बराबर है। अगर इतनी ही रकम गरीबों पर खर्च की जाती, तो दुनिया से गरीबी 26 बार खत्म की जा सकती थी। ऑक्सफैम ने इस साल की अपनी रिपोर्ट को 'अमीरों के शासन का विरोधः अरबपतियों की ताकत से आजादी की रक्षा' नाम दिया।

इजरायल ने ईरान पर अमेरिकी हमले का किया था विरोध

सत्ता परिवर्तन का बेहतरीन मौका क्यों गंवाया?

तेल अवीव/वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सूत्रों ने खुलासा किया है कि इजरायल ने ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले का विरोध किया था। जिसके बाद अमेरिका ने ईरान पर हमला करने से परहेज किया है। अमेरिकी सूत्रों के मुताबिक पिछले हफ्ते इजरायल के टॉप नेताओं ने ट्रंप प्रशासन को ईरान पर हमला नहीं करने के लिए संदेश भेजा था। हालांकि, इसके पीछे बताया गया है कि इससे इजरायल के पास ईरान के हमले को रोकने के लिए मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी होना नहीं है। या फिर इजरायल को अपने एयर डिफेंस सिस्टम के फेल होने का भी डर नहीं नहीं है। इजरायल का मानना

था कि अगर ईरान दुर्लभ स्थिति में भी अगर 700 मिसाइलों तक हमला करता है, तो जून महीने में किए गये 500 बैलिस्टिक मिसाइल हमले के समय जितना नुकसान हुआ था, करीब करीब उतना ही नुकसान इस बार भी होता। इजरायली अधिकारियों का मानना था कि अगर अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन से ईरान में सरकार गिरती, तो इजरायल को जितना नुकसान होता, वो उसे मंजूर होता। ये नुकसान ना सिर्फ उसे स्वीकार्य होती, बल्कि ईरान में सरकार का गिरना उसके लिए फायदेमंद भी था। हालांकि इजरायली अधिकारियों का मानना था कि ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों की स्थिति में उसके एयर डिफेंस सिस्टम पर अभूतपूर्व प्रेशर पड़ता। इजरायल ने अपने घरेलू और अमेरिकी एयर डिफेंस को मिलाकर, मल्टी लेयर एयर डिफेंस सिस्टम तैयार किया हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इजरायल का तर्क बिल्कुल अलग था। इजरायली अधिकारियों ने तर्क किया था कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो जिस तरह से हमले की योजना बनाई गई थी, उससे ईरान की सरकार को गिराने की योजना कामयाब नहीं हो पाती।

अफगानों के लिए रक्षक बना भारत

भेजी 7586 किलो कैंसर रोधी दवा, तालिबान खुश तो पाकिस्तान को झटका

काबुल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने कैंसर मरीजों की मदद के लिए अफगानिस्तान को 18 तरह की कैंसर रोधी दवाओं वाली मानवीय सहायता दी है। इस सहायता में 776 कार्टन दवाएं शामिल हैं, जिनका कुल वजन 7,586 किलोग्राम है। तालिबान सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि तकनीकी और कंट्रोल प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद ये दवाएं संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में बांटी जाएंगी। भारत ने ये दवाएं अफगानिस्तान को सद्भावना के तहत भेजे हैं। इसे पाकिस्तान के लिए एक बड़े झटके के रूप में भी देखा जा रहा है, जो अब तक अफगानिस्तान के लिए दवाओं का

सबसे बड़ा निर्यातक था।

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत, अफगानिस्तान के लिए दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत बन गया है। अफगानिस्तान वर्तमान में अपनी जरूरतों के हिसाब से भारत से दवाओं का आयात कर रहा है। हालांकि, भारत पहले से ही मानवीय सहायता के तहत जीवन रक्षक दवाएं, टीके और चिकित्सा उपकरण अफगानिस्तान को भेज रहा है। इससे अफगानिस्तान के बाजार में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। भारत ने हाल ही में कैंसर की दवाएं, एंटी-वायरल, टीके और सीटी स्कैनर जैसी बड़ी खेपें भेजी हैं।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा व्यापार लगभग बंद है। अफगानिस्तान की इस्लामिक अमीरात सरकार ने पाकिस्तान से दवाओं का आयात पर पहले ही प्रतिबंध लगाया हुआ है। अफगानिस्तान का आरोप है कि पाकिस्तान से आने वाली दवाएं घटिया क्वालिटी की हैं, जिसका सीधा असर अफगान लोगों पर हो रहा है। इस कारण अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की जगह भारत को विकल्प के रूप में चुना है। हाल में ही तालिबान सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा भी किया है।

बजट सत्र से पहले चढ़ा सियासी पारा

गहलोत और जूली को वासुदेव देवनानी ने दिया खरा जवाब

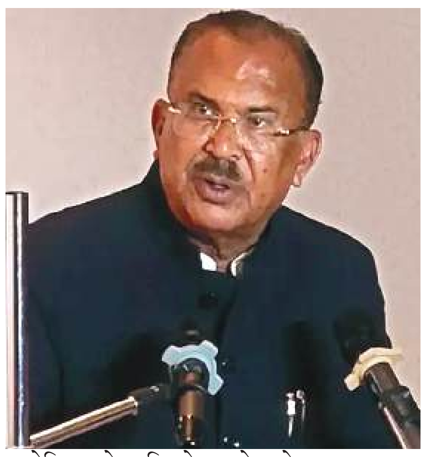

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के 28 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले प्रश्न लगाने, मंत्रियों के जवाब और सदन की कार्यवाही से जुड़े नियमों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दावा किया है कि विधानसभा सचिवालय की ओर से अब जारी किए गए बुलेटिन में वही प्रावधान हैं, जो वर्ष 2020 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी के कार्यकाल में जारी किए गए थे। देवनानी ने कहा कि इन नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी वे सदन के भीतर ही देंगे।

वासुदेव देवनानी ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विधानसभा से जारी होते आ रहे बुलेटिन को यदि वे पढ़ते, तो शायद इस तरह के बयान नहीं आते। उन्होंने कहा कि यह धारणा बनाई जा रही है कि ये नियम पहली बार लागू हुए हैं, जबकि ऐसा नहीं है। वर्ष 2020 में जारी बुलेटिन संख्या-20 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा बुलेटिन में कोई नया प्रावधान नहीं जोड़ा गया है।

विस्तारित प्रश्न न हों और पांच साल से अधिक पुरानी जानकारी संभवतः नहीं मांगी जाए ये सभी नियम पहले से ही लागू हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 2020 के बाद अब 2026 में ही इन नियमों पर आपत्ति क्यों जताई जा रही है, जबकि जूली उस समय की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।

90 से 95 फीसदी सवालों के जवाब समय पर मिल रहे

वासुदेव देवनानी ने कहा कि जवाबदेही बढ़ाने के लिए उनके कार्यकाल में लगातार मॉनिटरिंग की गई है, जिसका नतीजा यह है कि अब 90 से 95 फ़ीसदी सवालों के जवाब समय पर मिल रहे हैं जो पहले नहीं होता था। पिछली विधानसभा में पर्ची व्यवस्था बंद कर दी गई थी। जिसे उन्होंने अध्यक्ष बनने के बाद फिर शुरू किया। उनका मकसद लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना है न किसी पर पाबंदी लगाना है

'तुच्छ' शब्द पर भी सफाई

विपक्ष की ओर से 'तुच्छ' शब्द पर जताई गई आपत्ति पर देवनानी ने कहा कि यह शब्द लोकसभा की व्यवस्था से लिया गया है। पिछले चार सत्रों में न तो इस पर कोई आपत्ति आई और न ही कोई चर्चा हुई। ऐसे में सवाल यह है कि क्या पहले बुलेटिन पढ़े ही नहीं गए या अब राजनीतिक आधार पर बयान दिए जा रहे हैं।

एसआईआर ड्राफ्ट लिस्ट में 45 लाख नाम गायब

डोटासरा ने भाजपा पर जड़ा बड़ा आरोप

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बड़ा बयान देकर लोगों को चौंका दिया। डोटासरा ने कहा राजस्थान में एसआईआर ड्राफ्ट लिस्ट में 45 लाख नाम गायब हैं। भाजपा 'वोट चोरी' कर रही है। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय पर विशेष प्रेस वार्ता करते गोविंद सिंह डोटासरा और टीका राम जूली ने भाजपा पर जमकर हमला किया।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में एसआईआर की प्रक्रिया के बाद जो ड्राफ्ट लिस्ट जारी हुई, इसमें 45 लाख लोग अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत्युपाए गए। इसके बाद 15 जनवरी तक ऑब्जेक्शन मांगे गए। 3 तारीख तक कोई अफरा-तफरी नहीं थी और सारा सिस्टम सही तरीके से चल रहा था। मगर 3 तारीख को बीजेपी के संगठन महासचिव बी.एल. संतोष राजस्थान गए, वहां बैठक की और फिर फर्जी तरीके से वोट जोड़ने और वोट काटने का काम शुरू हुआ।

डोटासरा ने कहा कि मैं चुनाव आयोग की वेबसाइट से लिया गया एक डेटा आपसे साझा कर रहा हूं। इसमें बताया गया है कि बीजेपी ने 17 दिसंबर से 14 जनवरी तक 937 बीएलए के माध्यम से 211 नाम जोड़ने और 5,694 वोट काटने का आवेदन दिया।

डोटासरा ने कहा कि वहीं, कांग्रेस पार्टी के 110 बीएलए के माध्यम से 185 नाम जोड़ने और 2 नाम हटाने का आवेदन दिया। हमने पहले ही आशंका जताई थी कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर, कांग्रेस की विचारधारा के लोगों का नाम काटने के लिए डेट को आगे बढ़ाएंगे। आखिर में हुआ भी यही।

1- झुंझुनू के अंदर एक दिन में नाम काटने के 13,882 फॉर्म 7 लिए गए

2- मंडावा के अंदर 16,276

3- उदयपुरवाटी में 1,241

4- खेतड़ी में 1,478 लिए गए। वहीं, 1,40,000 फॉर्म तो रजिस्टर भी करवा दिए गए।

13, 14 और 15 तारीख काटे गए हजारों नाम

डोटासरा ने कहा कि अमित शाह 13 तारीख को राजस्थान जाते हैं, सीएमआर में रुकते हैं। फिर 3 से 13 तारीख के बीच बीजेपी में गुप्त रूप से खेला चलता है। हर विधानसभा में 10-15 हजार फर्जी कंप्यूटराइज़ फॉर्म प्रिंट होते हैं। सभी विधायक और विधायक प्रत्याशियों को बुलाया जाता है, जिसमें मंत्री भी शामिल होते हैं। 13, 14 और 15 तारीख को हर विधानसभा क्षेत्र में हजारों फॉर्म देकर नाम काटे जाने का आंकड़ा है। ये काम विशेष रूप से उन विधानसभा क्षेत्रों को चिन्हित कर किया जाता है- जहां कांग्रेस पार्टी चुनाव जीती थी। इतना ही नहीं, कांग्रेस की विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले लोगों के नाम काटे जाने के फॉर्म दिए गए।

'सत्ता में बने रहने के लिए रोहिंग्याओं को बसाया'

ममता बनर्जी पर मदन राठौड़ का बड़ा हमला

पाली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बंगाल में हिन्दुओं की जो स्थिति है वह किसी से छुपी हुई नहीं है। ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी कहती हैं कि जरूरत पड़ी तो वह बंगाल के द्वार बांग्लादेशियों के लिए खोल देगी। क्या भारत देश कोई धर्मशाला है जो कोई भी यहां किसी भी देश से आकर अवैध रूप से बस जाएगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने एसआइआर पर हो रहे कांग्रेस के विरोध पर कहा कि देश का हिन्दू, मुस्लिम, सिख हो या किसी भी धर्म को मनाने वाला। जो भारतीय है वह देश का सम्मानित मतदाता है और सरकार चुनने में अपने वोट का उपयोग कर सकता है, लेकिन जो दूसरे देशों से आकर यहां अवैध रूप से बसे हुए है। वे भारत देश के मतदाता कैसे हो सकते है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पाली में थे। उन्होंने यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की।

सत्ता में रहने के लिए रोहिंग्यों को बसाया

राठौड़ ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सत्ता में बने रहने के लिए रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को अवैध रूप से लाकर बंगाल में बसाया और अपना वोटर तक बना दिया। अब एसआइआर का सर्वे हो रहा है तो बीएलओ को धमका रही है।

बाहरी लोगों को सबूत देना होगा

राठौड़ ने कहा कि अवैध रूप से भारत में बसे लोगों का एसआइआर में पता लगाया जा रहा है। जिसका वर्ष 2002 की मतदाता सूची में नाम नहीं है। उसे सबूत देना होगा कि उसके पिता, दादा या माता का नाम उस मतदाता सूची में है। ताकि पता लगाया जा सके कि वे भारतीय है या नहीं।

खेत की रखवाली कर रहे किसान पर तेंदुए का हमला, गांव में दहशत

झालावाड़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के रुडलाव गांव में सोमवार को खेत की रखवाली कर रहे एक किसान पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल बन गया। हमले में किसान राधेश्याम गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि किसान रात के समय अपने खेत में फसल की रखवाली कर रहा था, तभी झाड़ियों से निकलकर तेंदुए ने उस पर झपट्टा मार दिया। किसान के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में मौजूद अन्य किसान मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। शोर-शराबा बढ़ता देख तेंदुआ किसान को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही झालरापाटन तहसीलदार नरेन्द्र मीणा अपने निजी वाहन से मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल किसान को प्राथमिक सहायता दिलाने के बाद तुरंत इलाज के लिए झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल रवाना किया। झालावाड़ अस्पताल में किसान का उपचार जारी है।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही झालावाड़ वन विभाग को भी सूचित किया गया। वन विभाग की टीम क्षेत्र में पहुंचकर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखेगी और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। गौरतलब है कि अभी खेतों में फसलों को पानी पिलाने का कार्य चल रहा हे। इसके चलते इन दोनों रात के समय भी किसान फसल फसलों की रखवाली और अन्य कार्य के लिए मौजूद रहते हैं।

कांग्रेस में महेंद्रजीत सिंह मालवीया की वापसी की औपचारिक तैयारी, होगा बड़ा शक्ति प्रदर्शन

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने कांग्रेस में घर वापसी के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की। पार्टी हाईकमान से मंजूरी मिलने के बाद अब मालवीया औपचारिक रूप से कांग्रेस की सदस्यता लेंगे। इसके लिए वे बांसवाड़ा में बड़े आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने डोटासरा से भी समय मांगा है।

मीडिया से बातचीत में मालवीया ने कहा कि बांसवाड़ा में बड़ा आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उनके साथ कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेता और कार्यकर्ता भाजपा छोड़कर वापस कांग्रेस में आएंगे।

इस बार भी बनेगा कांग्रेस का ही जिला प्रमुख

निकाय-पंचायत चुनावों को लेकर मालवीया ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से बांसवाड़ा में कांग्रेस का जिला प्रमुख बनता रहा है और इस बार भी कांग्रेस का ही जिला प्रमुख बनेगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की अनुशासन समिति की अनुशंसा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मालवीया की वापसी को मंजूरी दी थी।

डोटासरा बोले- आदिवासी हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे मालवीया

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा कि पूर्व मंत्री महेन्द्र जीत मालवीया ने कांग्रेस पार्टी में पुनः शामिल होने के बाद आज पीसीसी में मुलाक़ात की एवं पार्टी शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया। आशा है आप पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कांग्रेस पार्टी को और मजबूत करेंगे एवं आदिवासी हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

सिलेंडर ब्लास्ट से हड़कंप, 15 मिनट पहले ही कमरे से निकला था मकान मालिक

टोंक, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेहंदवास थाना क्षेत्र की हमीरपुर पंचायत में एक मकान की पहली मंजिल पर रखे गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि कमरे की खिड़कियां उखड़कर दूर जा गिरीं और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर सिलेंडर में लीकेज या तकनीकी कारणों से ब्लास्ट होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने लोगों से गैस सिलेंडर के उपयोग में सावधानी बरतने की अपील की है। इस हादसे में गनीमत रही कि मकान मालिक शंकर लाल बैरवा (40) धमाके से कुछ देर पहले ही उस कमरे से नीचे आ गए थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने कमरे में खाना बनाया और खाने के बाद ग्राउंड फ्लोर स्थित दुकान पर आकर बैठ गए। करीब 15 से 20 मिनट बाद ऊपर की मंजिल से धुआं उठने लगा। मकान मालिक के अनुसार, राहगीरों ने जब पहली मंजिल से धुआं निकलने की सूचना दी तो वे सीढ़ियों की ओर बढ़े। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। धमाके के साथ ही आग की लपटें बाहर निकलने लगीं। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और टोडारायसिंह नगरपालिका की दमकल टीम को दी गई। दमकल करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची और लगभग 10 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

साइबर मामले में बिना मजिस्ट्रेट आदेश बैंक खाता फ्रीज नहीं

प्रशिक्षित एसआई-एएसआई ही जांच करेंगे

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों के नाम पर निर्दोष व्यक्तियों के बैंक खाते फ्रीज करने और जेल भेजने की प्रवृत्ति पर करारा प्रहार किया। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुलिस बिना मजिस्ट्रेट आदेश के किसी का पूरा बैंक खाता फ्रीज नहीं कर सकती।

कोर्ट ने कहा, केवल संदिग्ध राशि को ही रोकने का अधिकार है, अन्यथा संविधान के अनुच्छेद-21 का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने साइबर मामलों की जांच के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए डीजीपी को निर्देश दिए कि छह महीने में सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी जाए।

न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने धर्मेंद्र चावड़ा, हरीश भाई और विक्रम सिंह की याचिकाओं पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने साइबर मामलों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-106 में पुलिस को केवल जब्ती का सीमित अधिकार है। धारा-107 के तहत खाता फ्रीज करने का अधिकार मजिस्ट्रेट को है। यदि किसी खाते में कुछ राशि संदिग्ध है, तो पूरे खाते को फ्रीज करना अनुचित है। केवल विवादित राशि को रोका जाना चाहिए, ताकि आरोपी की जीविका प्रभावित न हो और जांच भी निष्पक्ष बनी रहे। कोर्ट ने कहा कि उसकी गाइडलाइन म्यूल बैंक खातों पर लागू नहीं होगी।

निर्दोष युवाओं को जेल भेजना सामाजिक अन्याय

कोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 100 से अधिक साइबर अपराध के मामले जमानत स्तर पर अदालत आए। इनमें से 80% मामलों में एफआईआर पुलिस ने स्वयं दर्ज की और लगभग 90% आरोपी पहली बार नामजद किए गए युवा थे, जिनकी उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच थी। ज्यादातर मामले डीग, अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर और खैरथल-तिजारा जिलों से हैं। अधिकांश आरोपी बेरोजगार या अल्प-आय वर्ग से आते हैं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक इतिहास नहीं पाया गया। कोर्ट ने इसे खतरनाक प्रवृत्ति बताते हुए कहा कि साइबर अपराध के मामले में कार्रवाई के नाम पर निर्दोष युवाओं को प्रताड़ित होने से बचाने के लिए संबंधित पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण आवश्यक है।

फिर हिजाब आया आड़े! कोटा में भर्ती परीक्षा देने पहुंची अलिशा को नहीं मिली एंट्री

कोटा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की लेवल-2 शिक्षक भर्ती परीक्षा कोटा में दो पारियों में आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान महावीर नगर स्थित तिलक स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर दूसरी पारी में विवाद की स्थिति बन गई। यहां एक महिला अभ्यर्थी को कथित तौर पर ड्रेस कोड का हवाला देकर हिजाब पहने परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। राजस्थान में हिजाब को लेकर इससे पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं। पिछले साल अगस्त में टोंक जिले के जनाना अस्पताल में एक लेडी डॉक्टर और इंटर्न छात्रा के बीच हिजाब पहनने को लेकर बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले ने उस समय राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया था। अभ्यर्थी अलिशा परीक्षा केंद्र पर सलवार-कमीज और हिजाब पहनकर पहुंची थी। उसके पिता बरकतुल्ला का कहना है कि वे दोपहर 1 बजे से पहले ही केंद्र पर पहुंच गए थे। दस्तावेज सत्यापन और प्रारंभिक जांच के बाद अलिशा जब परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने लगी, तब केंद्राधीक्षक ने ड्रेस कोड का हवाला देते हुए उसे रोक दिया। परिजनों का कहना है कि ड्रेस कोड में सलवार-कमीज, चुन्नी और साड़ी की अनुमति है। अलिशा ने प्री-एग्जाम भी इसी तरह की ड्रेस में दिया था। यहां तक कि उसके एडमिट कार्ड पर लगी फोटो में भी वह हिजाब पहने हुए है। परिवार का यह भी कहना है कि अलिशा बुर्का नहीं पहने थी, बल्कि सलवार-कमीज के साथ दुपट्टे से चेहरा ढका हुआ था। परिजनों के अनुसार अलिशा पिछले एक साल से इस परीक्षा की तैयारी कर रही थी। अचानक प्रवेश न मिलने से उसकी पूरी मेहनत बेकार चली गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच में छत तोड़कर घुसे चोर, पूरा लॉकर रूम साफ!

अजमेर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के सावर कस्बे में बैंक ऑफ बड़ौदा की एक शाखा में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने बैंक की छत को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और सीधे लॉकर रूम को निशाना बनाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर अत्याधुनिक औजारों और मशीनरी के साथ आए थे, जिससे यह किसी संगठित गिरोह की करतूत मानी जा रही है। सावर के मुख्य चौराहे पर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। सबसे पहले छत को काटा गया और फिर मजबूत लोहे की सरियों को इलेक्ट्रिक कटर से काटकर लॉकर रूम तक पहुंच बनाई गई। इसके बाद कुछ लॉकर तोड़कर उनमें रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया गया।

बैंक प्रबंधन की ओर से बताया गया है कि शाखा में रखा गया मुख्य कैश पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि, जिन लॉकरों को तोड़ा गया है, उनमें से कितना सोना, चांदी या अन्य कीमती सामान चोरी हुआ है, इसका आकलन फिलहाल नहीं हो पाया है। बैंक प्रबंधन ने संबंधित लॉकरधारकों को सूचना दे दी है। उनके बैंक पहुंचने और जानकारी देने के बाद ही कुल नुकसान की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। टीम द्वारा छत तोड़ने में इस्तेमाल किए गए औजारों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है। ये वारदात बड़ी गैंग का काम है। घटना की सूचना मिलते ही सावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। केकड़ी के सीओ हर्षित शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। वहीं केकड़ी एडिशनल एसपी राजेश मील ने बताया कि यह वारदात किसी बड़ी गैंग का काम प्रतीत होती है। चोर मौके पर मशीनरी और औजार तक छोड़ गए हैं, जिससे यह साफ है कि चोरी पूरी तैयारी के साथ की गई थी। पुलिस द्वारा बैंक परिसर और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। माना जा रहा है कि चोरों ने बैंक अवकाश का फायदा उठाते हुए रविवार की रात को इस वारदात को अंजाम दिया।

हिस्ट्रीशीटर की दबंगई, युवक को सरेआम मारी गोली, थाने पर भारी विरोध प्रदर्शन

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में आज सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक हिस्ट्रीशीटर ने सरेआम एक युवक पर फायरिंग कर दी। घटना गंगापोल इलाके की है, जहां सुबह करीब 9 बजे आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा (25) सुबह गंगापोल क्षेत्र में पहुंचा। वहां उसका सामना बबलू मेहरा (30) से हुआ। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद रवि ने बबलू पर गोली चला दी। गोली लगने से बबलू लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा, जबकि आरोपी रवि मेहरा मौके से फरार हो गया।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायल बबलू को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घायल का इलाज जारी है, हालांकि उसकी स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। सूचना मिलते ही ब्रह्मपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

वारदात के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ब्रह्मपुरी थाने का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा इलाके में लगातार वारदातों को अंजाम दे रहा है, लेकिन पुलिस की ढिलाई के कारण उसके हौसले बुलंद हैं। सुबह से ही थाने के बाहर लोग धरने पर बैठे हैं और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

हाईवे किनारे शराब दुकानों को हटाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर पीठ के उस अंतरिम आदेश के संचालन पर रोक लगा दी है, जिसमें नगर निगम व शहरी निकाय क्षेत्रों के भीतर राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से सटी 1102 शराब दुकानों को हटाने या स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए थे। यह रोक राजस्थान सरकार और शराब लाइसेंस धारकों की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि हाईकोर्ट का आदेश पूर्व में दिए गए शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं है। इस फैसले से राज्य सरकार और प्रभावित लाइसेंस धारकों को अंतरिम राहत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर पीठ द्वारा पारित उस अंतरिम आदेश के संचालन पर रोक लगा दी, जिसमें राजस्थान में राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के किनारे स्थित नगर निगम एवं शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्रों के भीतर आने वाली 1,102 शराब की दुकानों को हटाने/स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह अंतरिम रोक राजस्थान राज्य एवं अन्य लाइसेंस धारकों द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए लगाई, जिसमें हाईकोर्ट के 24 नवंबर 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी। उक्त आदेश राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर की खंडपीठ न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित द्वारा डी.बी. सिविल रिट याचिका (जनहित याचिका) संख्या 6324/2023, कन्हैयालाल सोनी एवं अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में पारित किया गया था।

अपने अंतरिम निर्णय में राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य को निर्देश दिया था कि वह राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों से 500 मीटर की परिधि में स्थित सभी शराब दुकानों की पहचान कर उन्हें हटाए एवं स्थानांतरित करे, भले ही वे नगर निगम सीमा, स्थानीय स्वशासी निकायों या वैधानिक विकास प्राधिकरणों के अंतर्गत आती हों। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि नगर सीमाओं का विस्तार सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों को शिथिल करने का आधार नहीं बन सकता, और राजमार्गों के समीप शराब की उपलब्धता से कथित रूप से जुड़े बढ़ते सड़क हादसों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

मंत्री विवेक का बीआरएस पर हमला, बोले- पिछली सरकार ने महिलाओं के ब्याज-मुक्त ऋण रोके

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी ने सोमवार को पिछली बीआरएस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को दिए जाने वाले ब्याज-मुक्त ऋण बंद कर दिए थे और कोविड-19 महामारी के दौरान भी धनराशि जारी नहीं की। जिला प्रभारी मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव के साथ चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे विवेक ने 47.11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर (एटीसी) का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने ब्याज-मुक्त ऋण योजना के तहत महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को 9 करोड़ रुपये के चेक भी वितरित किए। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री विवेक ने कहा कि एटीसी से स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा, यहां के बच्चे अच्छी पढ़ाई करें, इस केंद्र में प्रशिक्षण लें और अच्छे पदों तक पहुंचें। पूर्व सरकार पर बुनियादी ढांचे की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए विवेक ने कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने सुबह की सैर के दौरान लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में रेत, चावल और भूमि माफिया पर अंकुश लगाया गया है। विवेक ने कहा, पिछले विधायक के विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित थे, जबकि बीआरएस शासन में राज्य को भारी कर्ज में डुबो दिया गया। उन्होंने बताया कि चेन्नूर में इस समय 40 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रगति पर हैं। जिला प्रभारी मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास हुआ है और अगले तीन वर्षों में और तेज प्रगति होगी।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर पर 8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज राज्य पर लादने का आरोप लगाया और पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मंत्री विवेक ने चेन्नूर में आरटीसी बस डिपो की स्थापना, हैदराबाद के लिए सीधी बस सेवा, महिलाओं के लिए पेट्रोल पंप और 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि चेन्नूर में अब तक 76 लाख रुपये के ब्याज-मुक्त ऋण दिए जा चुके हैं और सोमनपल्ली गांव में 250 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत स्कूल का निर्माण किया जा रहा है।

रेडी-मिक्स कंक्रीट लॉरी की चपेट में आने से स्कूटर सवार की मौत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के आरामघर चौरास्ता पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटर चला रहे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक रेडी-मिक्स कंक्रीट लॉरी ने स्कूटर को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटर सवार के बचने की कोई संभावना नहीं रही। स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान हसन नगर पेट्रोल पंप के पास के इलाके के निवासी के रूप में की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

एसीबी ने तीन महीनों में दर्ज किए 78 मामले

15 वर्षों में रिकॉर्ड

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में कुल 78 मामले दर्ज किए, जो पिछले 15 वर्षों में इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए मामलों की तुलना में सबसे अधिक हैं। एसीबी ने इस दौरान 39 आरसीटी, 2 आरसीए, 6 आरसीओ और 31 एससी मामले दर्ज किए। उच्च प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और जांच टीमों के लिए पुरस्कार मेले का आयोजन भी किया गया। एसीबी की महानिदेशक चारू सिन्हा ने कहा कि यह रिकॉर्ड संख्या भ्रष्टाचार के खिलाफ ब्यूरो की लगातार लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं और टीमों को बधाई दी और कहा कि पेशेवर, निष्पक्ष और गहन जांच पर ध्यान केंद्रित रखना आवश्यक है।

प्रजावाणी अर्जियों का त्वरित निपटारा करें : आयुक्त आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों और अर्जियों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने आयुक्त को अपनी समस्याओं से संबंधित अर्जियां सौंपीं। आयुक्त ने स्वयं शिकायतों की गहन समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष इस बात का विशेष ध्यान रखें कि एक ही समस्या को लेकर नागरिकों को बार-बार प्रजावाणी में न आना पड़े। जीएचएमसी मुख्यालय में कुल 41 अर्जियां और शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि नगर निगम के 12 जोनों में कुल 168 अर्जियां दर्ज की गईं। इनमें शमशाबाद जोन से सर्वाधिक 53, मलकाजगिरी जोन से 32, कुतबुल्लापुर जोन से 23, कुकटपल्ली जोन से 17, सेरिलिंगमपल्ली जोन से 11, एलबी नगर जोन से 8, राजेंद्रनगर जोन से 7, सिकंदराबाद जोन से 6, गोलकोंडा जोन से 5, उप्पल जोन से 4 तथा चारमीनार जोन से 2 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, सत्यनारायण, वेणु गोपाल, अलिवेलु मंगतायारु, पंकज, यूबीडी निदेशक वेंकटेश्वरलु, सीसीपी श्रीनिवास, मुख्य मूल्यांकन अधिकारी रजनीकांत रेड्डी, संयुक्त आयुक्त तिप्पारती यादय्या, अतिरिक्त सीसीपी प्रदीप सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टीजीपीसीबी ने नुमाइश में लगाया प्रदूषण जागरूकता स्टॉल

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (नुमाइश) में अपना स्टॉल लगाकर जनता को प्रदूषण और उसके नियंत्रण के उपायों के बारे में जागरूक किया।

स्टॉल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक उत्सर्जन, जल और ध्वनि प्रदूषण जैसे मुद्दों पर जानकारी दी गई। अधिकारियों ने आगंतुकों को प्रदूषण के कारण, प्रभाव और नियामक उपाय समझाए और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।

आगंतुकों, छात्रों और उद्योग प्रतिनिधियों ने स्टॉल को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। टीजीपीसीबी ने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक, मिट्टी और जल प्रदूषण, वन्यजीवों को नुकसान और नालियों के अवरोध जैसे पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

श्रीमद्भागवत गीता का सामूहिक पारायण

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर सिकंदराबाद में संपूर्ण श्रीमद्भागवत गीता का सामूहिक पारायण भक्तिभाव से आयोजित हुआ। इस संदर्भ में, श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम् (श्री गीता भवन) जनरल बाजार, आपोजिट अंजलि सिनेमा टाकीज, सिकंदराबाद में 18 जनवरी 2026 के सुबह 10.00 से दोपहर 2.00 बजे तक संपूर्ण श्रीमद्भागवत गीता का सामूहिक पारायण भक्तिभाव से आयोजित हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों ने इस पवित्र पारायण का श्रवण कर पुण्य का लाभ लिया। इस धार्मिक पारायण के पश्चात् उपस्थित सभी भक्तों व गणमान्य व्यक्तियों को महाप्रसाद वितरित किया गया।

अमराबाद टाइगर रिजर्व में बाघों की हलचल बढी

सफारी में पर्यटक कर सकते हैं अनुभव

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के अमराबाद टाइगर रिजर्व (एटीआर) में पर्यटकों और वन्यजीव विशेषज्ञों को अब पहले से अधिक बाघ देखने को मिल रहे हैं। अक्टूबर 2025 में खुलने के बाद से अब तक लगभग 50 बाघ देखे जा चुके हैं, जो बेहतर पर्यावास और संरक्षण को दर्शाता है। पर्यटक तीन जंगल सफारी सर्किट के माध्यम से वन्यजीव का अनुभव कर सकते हैं। इनमें 16 किलोमीटर की फराहबाद सफारी (3,000 रुपये प्रति वाहन या 430 रुपये प्रति व्यक्ति), 35 किलोमीटर की गुंडम सफारी (5,000 रुपये प्रति वाहन या 715 रुपये प्रति व्यक्ति) और 14 किलोमीटर की अक्कामहादेवी गुफा सफारी (3,000 रुपये प्रति वाहन या 600 रुपये प्रति व्यक्ति) शामिल हैं। वन संरक्षक और एटीआर फील्ड निदेशक डॉ. सुनील एस हीरेमठ ने बताया कि 18 सफारी वाहन स्थानीय चेन्चू जनजाति द्वारा संचालित किए जाते हैं। ड्राइवर और प्रकृति गाइड के रूप में समुदाय के सदस्य प्रशिक्षित हैं, ताकि पर्यटक अनुभव स्वदेशी दृष्टिकोण से हो।

डॉ. हीरेमठ ने कहा कि नए 20 किलोमीटर लंबे कोल्लम सफारी मार्ग को भी जल्द ही खोला जाएगा। मौजूदा मार्गों में फराहबाद व्यू प्वाइंट और गुंडम प्रवेश द्वार का नवीनीकरण, जैव-शौचालयों की स्थापना और अन्य सुविधाओं का निर्माण चल रहा है। सफारी शुल्क से प्राप्त राजस्व सीधे टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन को जाता है, जिसका उपयोग कर्मचारियों के वेतन और बाघ अभ्यारण्य के विकास के लिए किया जाता है। बाघों की संख्या का आकलन करने के लिए 20 से 25 जनवरी तक सफारी बंद रहेगी। इस गणना में 139 नियमित वन कर्मचारी, 150 आउटसोर्स कर्मचारी और 170 स्वयंसेवक 253 क्षेत्रों में काम करेंगे, ताकि एटीआर में वन्यजीवों की सटीक जनगणना सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री की भाषा और राजनीति की दासोजू श्रवण ने की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की कथित अलोकतांत्रिक राजनीति और उनके द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा एक गुट के सरगना जैसी है और हालिया सार्वजनिक सभा में की गई टिप्पणियां नफरत और अशांति फैलाने की साजिश के समान हैं। एक खुले पत्र में श्रवण ने कहा कि रेवंत रेड्डी कांग्रेस के बैनर तले सत्ता में हैं, लेकिन उनका झुकाव अब भी टीडीपी की ओर है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री तेलंगाना में टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के एजेंडे को चुपचाप आगे बढ़ा रहे हैं।

श्रवण ने कहा कि रेवंत रेड्डी कांग्रेस हाईकमान की अनदेखी करते हुए टीडीपी और भाजपा दोनों से गुप्त संबंध बनाए हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने भट्टी विक्रमार्क, एन उत्तम कुमार रेड्डी और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को जानबूझकर कमजोर किया है, ताकि पार्टी पर उनका व्यक्तिगत नियंत्रण बना रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भविष्य के शहर और पांच ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था जैसे खोखले वादे कर रहे हैं, जबकि राज्य की गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बुनियादी लाभ देने में विफल रहे हैं। श्रवण ने कहा कि जो नेता धन सृजन नहीं कर सकता, वह केवल भ्रम फैलाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि सत्ता स्थायी नहीं होती और मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे अहंकार के विनाश से पहले अपना रवैया बदलें।

डीसीपी ने चिलकलगुडा थाने का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद जोन की नव नियुक्त पुलिस उपायुक्त रक्षिता कृष्ण मूर्ति ने सोमवार को चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन का औपचारिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसिंग मानकों और तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने गश्ती वाहनों और ब्लू कोल्ट्स वाहनों की जांच की। उन्होंने ड्रिल किट की स्थिति, टैबलेट और पैपिलॉन उपकरणों की कार्यक्षमता तथा वाहनों के रखरखाव का जायजा लिया। इसके साथ ही गंभीर अपराधों की केस डायरी और आपराधिक रिकॉर्ड रखने वाले अपराधियों के दस्तावेजों की भी समीक्षा की।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डीसीपी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त चेतावनी दी और जनता के साथ विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने डायल 100 पर आने वाली कॉलों पर तुरंत कार्रवाई करने और शिकायत की योग्यता के आधार पर बिना देरी के एफआईआर दर्ज करने पर जोर दिया।

डीसीपी ने आदतन अपराधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही पीओसीएसओ, साइबर अपराध और संपत्ति संबंधी मामलों में गुणवत्तापूर्ण जांच कर समय पर आरोप पत्र दाखिल करने और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान मंडल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अविनाश कुमार ने संभाला हैदराबाद डीसीपी ट्रैफिक-1 का कार्यभार

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुनर्गठित हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत नवगठित डीसीपी ट्रैफिक-1 (खैरताबाद एवं सिकंदराबाद लॉ एंड ऑर्डर जोन) का कार्यभार सोमवार को अविनाश कुमार ने ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार से शिष्टाचार भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। नव नियुक्त डीसीपी का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त ने उन्हें शहर की यातायात समस्याओं का गहन अध्ययन कर वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

आवारा कुत्तों के हमले में 40 भेड़ों की मौत

सिद्दिपेट, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के लक्ष्मक्कापल्ली गांव में रविवार रात आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में करीब 40 भेड़ों की मौत हो गई।

लकवा पीड़ित सेवानिवृत्त शिक्षिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मंचेरियल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंदामारी में सोमवार को पक्षाघात के दौरे से पीड़ित और व्यथित होकर 53 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षिका सब्बानी विजयलक्ष्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि करीब 10 साल पहले लकवा आने के बाद उनका हैदराबाद के एक अस्पताल में ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद की जटिलताओं और लगातार स्वास्थ्य समस्याओं से वे हताश हो गई थीं। विजयलक्ष्मी एक सरकारी स्कूल में कार्यरत थीं। पहली बार अस्पताल में भर्ती होने पर जब वे अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकीं, तो उन्होंने स्वेच्छा से पद से सेवानिवृत्ति ले ली थी।

डॉ अहिल्या मिश्रा के स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के तत्वावधान में कादंबिनी क्लब के संस्थापिका एवं बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के संरक्षक डॉक्टर अहिल्या मिश्र की स्मृति में बिहार भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि अध्यक्ष हरेराम सिंह, महासचिव, प्रभास कुमार, उपाध्यक्ष, रवि शंकर सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, दशरथ यादव, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, भरत सिंह, रंजन झा, राम विनोद झा, धीरेंद्र कुमार झा, सुरेश कुमार सिंह, मनोज यादव, महिला शक्ति के पिंकी सिंह, आशा मिश्रा व अन्य ने डॉक्टर अहिल्या मिश्र के साथ अपने चिर संस्मरण को साझा किया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने डॉक्टर अहिल्या मिश्र के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया और उनके आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की।

डॉक्टर अहिल्या मिश्रा के पुत्र मानवेंद्र मिश्रा एवं पुत्रवधू आशा मिश्रा(मुक्ता) ने भी उनके संस्मरण को सभी के साथ साझा की, साथ ही सभा में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। श्रद्धांजलि सभा का संचालन संगठन की मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार के द्वारा किया गया।

युवाओं की प्रतिभा को एक और पहचान मिली

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ईशान गणेश येल्डे ऑरोरा यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र हैं, ने प्रतिष्ठित मिस्टर टीन ऑफ साउथ इंडिया- फर्स्ट रनर-अप का अवॉर्ड जीता।

कौशल मंडा के मार्गदर्शन में आयोजित द लुक्स पेजेंट में भाग लेते हुए, उन्होंने अपनी पर्सनैलिटी, आत्मविश्वास और परफॉर्मेंस से जजों और दर्शकों को प्रभावित किया। उनके फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में वह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी कई सफलताएं हासिल करेंगे। तेलंगाना बजरंग सेना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण ने बजरंग सेना महिला अध्यक्ष वाणी, कृष्णावेनी बजरंग सेना राज्य महिला महासचिव प्रभु बिरादर, बालाजी, नरेश विजय और अन्य ने उन्हें बधाई दी।

एटीसी की आधारशिला के दौरान विरोध, जमीन और जनसमस्याओं को लेकर हंगामा

मंचेरियल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जब श्रम मंत्री डॉ.जी. विवेक चेन्नूर कस्बे में उन्नत प्रशिक्षण केंद्र (एटीसी) की आधारशिला रख रहे थे, तभी कुछ परिवारों ने बिना पूर्व सूचना दिए अपनी जमीन के इस्तेमाल पर विरोध जताया। एटीसी के लिए जिन परिवारों की जमीनें ली गईं, उन्होंने मंत्री डॉ.जी. विवेक और जिला कलेक्टर कुमार दीपक के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई। उनका कहना था कि उनकी जानकारी के बिना उनकी जमीनों का उपयोग किया गया है। उन्होंने इस मामले में न्याय की मांग की।

इस पर कलेक्टर कुमार दीपक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि संबंधित जमीनें सरकारी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि नियमों का उल्लंघन कर संपत्ति का पंजीकरण कैसे कराया गया। उन्होंने परिवारों को सलाह दी कि वे जमीन बेचने वालों से संपर्क करें, क्योंकि सरकारी जमीन का हस्तांतरण अवैध है।

इसी दौरान कुछ महिलाओं ने मंत्री पर पेयजल संकट दूर न करने और विकास कार्यक्रमों के दौरान कल्याणकारी योजनाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। महिलाओं ने कहा कि कई कॉलोनियों में जल निकासी और पेयजल की सुविधा नहीं है, जिससे उन्हें बदबूदार नालियों और अपर्याप्त पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है।

अग्नि सुरक्षा और धूम्रपान विरोधी अभियान शुरू

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद प्रभाग ने 9 जनवरी से 8 फरवरी 2026 तक एक महीने का अग्नि सुरक्षा और धूम्रपान विरोधी अभियान चलाया है। अभियान के तहत अब तक ट्रेनों, स्टेशनों, यार्ड और कोच रखरखाव सुविधाओं में 160 निरीक्षण किए जा चुके हैं। आग सुरक्षा और धूम्रपान के उल्लंघनों के लिए दो मामले दर्ज किए गए हैं। अभियान का उद्देश्य ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन को रोकना, विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करना और कोचों में सुरक्षित मार्ग बनाए रखना है। रेलवे अधिकारी अग्निशामक यंत्रों और अग्नि पहचान प्रणालियों की भी जांच कर रहे हैं और यात्रियों व कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

ईसीआईएल को उत्कृष्ट प्रमाणपत्र

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा हैदराबाद तथा आसपास स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों एवं उपक्रमों का 15 से 17 जनवरी तक 36 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम का समन्वय कार्य इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने किया। निरीक्षण कार्यक्रम में उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोक सभा) तथा संयोजक डॉ. दिनेश शर्मा, संसद सदस्य (राज्य सभा) सहित रामचन्द्र जांगड़ा, संसद सदस्य (राज्य सभा), श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, संसद सदस्य (लोक सभा), सतपाल ब्रह्मचारी, संसद सदस्य (लोक सभा), विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, संसद सदस्य (लोक सभा), डॉ. अजित माधवराव गोपछड़े, संसद सदस्य (राज्य सभा), किशोरी लाल, संसद सदस्य (लोक सभा) तथा समिति सचिवालय की ओर से श्रीमती राधा कात्याल नारंग, सचिव, विजेन्द्र कुमार, अवर सचिव, अनुप साव, अनुभाग अधिकारी तथा डॉ. नसीम अहमद उपस्थित थे। इस निरीक्षण में सदस्यों ने ईसीआईएल के राजभाषा अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने ईसीआईएल की विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। ईसीआईएल की राजभाषा प्रदर्शनी में राष्ट्रीय तथा नराकास (उपक्रम) स्तर की राजभाषा शील्डों को प्रदर्शित किया गया।

इस निरीक्षण कार्यक्रम के नोडल समन्वय अधिकारी तथा प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने सदस्यों को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियों से भी अवगत कराया। सदस्यों ने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर उत्कृष्ट नराकास सम्मान प्राप्त करना स्वयं ईसीआईएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन का प्रमाण हैं। निरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा के बाद समिति द्वारा ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को 'उत्कृष्ट प्रमाणपत्र' प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वैभव दांडेकर, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, सीपीपीएम, विश्व दीपक तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार) तथा वी कनका महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

एसआईआर में गडबडी ...

इसलिए लिस्ट सार्वजनिक की जाए। साथ ही बीएलओ को सुधार प्रक्रिया में मदद की जाए।

इस पर कोर्ट ने चुनाव आयोग को सख्त निर्देश में कहा- सिर्फ तर्क के आधार पर आम लोगों को परेशान नहीं किया जा सकता। जिन लोगों को 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं, उनकी लिस्ट पंचायत और ब्लॉक ऑफिस में सार्वजनिक की जाए। कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में सुधार की प्रक्रिया जरूरी हो सकती है, लेकिन यह पारदर्शी, समयबद्ध और आम लोगों के लिए असुविधाजनक नहीं होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने एमपी ...

इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है, तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

बेंच ने यह भी कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट में कुछ अन्य मामलों का भी जिक्र है, जहां शाह ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से इन मामलों में की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई पर भी रिपोर्ट पेश करने को कहा। सोमवार को मंत्री विजय शाह की ओर से सीनियर वकील मनिंदर सिंह ने कोर्ट को सूचित किया कि उन्होंने (विजय शाह ने) अपना माफीनामा दर्ज करा दिया है। वे जांच में सहयोग कर रहे हैं।

आरएसएस-बीजेपी कुछ ...

इससे पहले राहुल ने एक कार्यक्रम में कलामासेरी में डॉ.एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि कोई भी देश अगर चुप रहता है तो वो महान नहीं हो सकता। चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना छुपी होती है। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं, जब वे अपने विचार और राय खुलकर व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं।

केरल कांग्रेस की महापंचायत के बीच स्टेज पर आकर एक बच्चे ने राहुल के साथ सेल्फी ली। इसके बाद बच्चे ने राहुल ने बच्चे के चॉकलेट भी दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी-20 वर्ल्डकप-बांग्लादेश भारत में खेलेगा या नहीं, कल फैसला

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका संभव

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को 21 जनवरी तक यह स्पष्ट करने को कहा है कि वह 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं और क्या उसकी टीम भारत आकर मैच खेलेगी। ईएसपीएन क्रिक इन्फो के मुताबिक आईसीसी ने शनिवार (17 जनवरी) को ढाका में हुई बैठक में यह समय-सीमा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बता दी है।

यह एक हफ्ते में आईसीसी और बीसीबी के बीच दूसरी बैठक थी। इसमें बीसीबी ने साफ किया कि वह टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहता है, लेकिन भारत के बाहर। बीसीबी का कहना है कि भारत में खेलने को लेकर टीम की सुरक्षा को लेकर चिंता है। बीसीबी ने सुझाव दिया कि टूर्नामेंट के को-होस्ट श्रीलंका में उनके मैच कराए जाएं।

हालांकि, आईसीसी अपने फैसले पर अड़ा हुआ है। आईसीसी ने साफ कहा है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं बदला जाएगा और

बांग्लादेश को ग्रुप सी में ही खेलना होगा।

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो विकल्प तैयार

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब आईसीसी अंतिम फैसला बीसीबी पर छोड़ रही है। अगर बीसीबी टीम को भारत भेजने से इनकार करता है तो आईसीसी बांग्लादेश की जगह किसी और टीम को शामिल कर सकती है। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिलने की संभावना सबसे ज्यादा है।

ग्रुप बदलने की मांग भी खारिज 17 जनवरी की बैठक में बीसीबी ने ग्रुप बदलने की मांग रखी थी, जिसे आईसीसी ने इनकार कर दिया था। आईसीसी ने बीसीबी को यह भरोसा भी दिलाया कि बांग्लादेश टीम को कोई खास सुरक्षा खतरा नहीं है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से कहा था कि उसे ग्रुप-सी की जगह दूसरे ग्रुप-बी में शामिल किया जाए। बोर्ड का तर्क था कि ऐसा होने पर बांग्लादेश को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने होंगे, इससे यात्रा और सुरक्षा से जुड़ी दिक्कतें कम होंगी।

मौजूदा शेड्यूल के अनुसार आयरलैंड को अपने ग्रुप-बी मुकाबले श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ कोलंबो में खेलने हैं, जबकि उनका आखिरी मैच कैंडी में जिम्बाब्वे से होगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश को अपने मौजूदा ग्रुप-सी में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में तीन मैच खेलने हैं, जबकि आखिरी ग्रुप मुकाबला मुंबई में नेपाल के खिलाफ तय है।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी है। उन्हें केकेआर ने 3 जनवरी को बीसीसीआई के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था।

इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

7 फरवरी को बांग्लादेश का पहला मैच

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

केकेआर ने मुस्तफिजुर को 9.2 में खरीदा था, फिर आईपीएल से करने पर विवाद

16 दिसंबर को आईपीएल मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा।

अब तक वहां 7 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। बाद में बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया।

क्या जूलियन वेबर को गुर सिखाने वाले बरखार्ड बनेंगे भारतीय जेवलिन टीम के नए कोच ?

ओलंपिक पदक पर नजर

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नीरज चोपड़ा की ओलंपिक में दोहरी सफलता के बाद जेवलिन थ्रोअरों (भाला फेंक) की फैक्ट्री बन चुके भारत में प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक और जर्मनी के दिग्गज कोच सेवाएं ली जा रही हैं। यू हॉन और नीरज की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले क्लास बार्टोनिएट्ज के बाद भारतीय एथलेटिक महासंघ (एएफआई) अब बीते वर्ष 91.51 मीटर भाला फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर के कोच बरखार्ड लुक्स पर दांव लगाने जा रहा है। बरखार्ड और एएफआई के बीच कुछ दौर की बातचीत हो चुकी है। सब कुछ ठीक रहा तो रियो ओलंपिक चैंपियन थामस रोहलर और बरनार्ड सीफर्ट जैसे जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित कर चुके बरखार्ड जल्द भारतीय जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित करते नजर आएंगे।

बरखार्ड जेवलिन थ्रो में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शीर्ष स्तर के जर्मन थ्रोअरों को विश्व स्तरीय सफलता दिलाने के लिए जाने जाते हैं। वह तकनीक को निखारने और मानसिक तैयारी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। बरखार्ड को जर्मन भाला फेंक में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए जाना जाता है। एएफआई के सूत्रों का कहना है कि हमारे पास इस वक्त जेवलिन थ्रो में कई अच्छी प्रतिभाएं हैं। इनके लिए हमें एक से अधिक विदेशी प्रशिक्षक की जरूरत है। इस वक्त हमारे पास सर्गेई माकारोव जेवलिन कोच के रूप में हैं, लेकिन हम दूसरे कोच के रूप में बरखार्ड को बुलाने जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि उनके साथ हमारा अनुबंध जल्द सिरे चढ़ जाएगा।

यह तय नहीं है कि बरखार्ड नीरज के साथ जुड़ेंगे। सूत्रों का कहना है कि नीरज को अपना कोच तय करने के लिए स्वतंत्र किया गया है। यह उनकी इच्छा पर निर्भर है कि वह किस कोच के साथ तैयारियां करेंगे। अभी उन्होंने अपने पुराने कोच जय चौधरी के साथ कोचिंग का फैसला किया है। अगर वह निकट भविष्य में किसी विदेशी कोच की मांग करेंगे तो उसे पूरा कराया जाएगा। बरखार्ड की सेवाएं फिल्हाल जूनियर जेवलिन थ्रोअरों और अन्य उभरते थ्रोअरों के लिए ली जाएंगी।

बांग्लादेश का मसला नहीं सुलझा तो पाकिस्तान भी नहीं खेलेगा ?

इस्लामाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदी में एक बड़ी मशहूर कहावत है - बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना. यही बात अभी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर भी लागू होती है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने और ना खेलने का मसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से जुड़ा है. लेकिन, उसमें दिलचस्पी पीसीबी की भी कम नहीं है. पाकिस्तान के सरकारी सूत्रों के हवाले से वहां क मीडिया ने दावा किया है कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर पाकिस्तान, भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी भागीदारी की समीक्षा करेगा,

बांग्लादेश ने मांगा पाकिस्तान का साथ- सूत्र

कहा जा रहा है कि बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा मुद्दों पर समर्थन के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया है, जिसके बाद पाकिस्तान ने वो रुख अपनाया है. पाकिस्तान ने इस बात पर जोर दिया है कि मेजबानी की जिम्मेदारियों के संबंध में किसी भी देश को दबाव या धमकियों का सामना नहीं करना चाहिए और उसने बांग्लादेश को इस मामले में पूरे समर्थन का आश्वासन दिया है.

पाकिस्तान को पहले से भी बांग्लादेश वाले मसले में दिलचस्पी

वैसे इस रिपोर्ट के आने से पहले भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की बांग्लादेश वाले मैटर में दिलचस्पी खूब थी. उसने 11 जनवरी को ही टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी करने की इच्छा जताई थी. पाकिस्तान ने अपनी इस इच्छा को बांग्लादेश के सुरक्षा वजहों के चलते भारत जाने से इनकार करने के फैसले के बाद व्यक्त किया था. हालांकि, बाद में पीसीबी के सूत्रों के हवाले से खबर आई कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की इच्छा औपचारिक तौर पर नहीं बल्कि श्रीलंका में स्टेडियम उपलब्ध नहीं होने के कंडीशन में कराने को लेकर जताई थी.

रिपोर्ट में पीसीबी के सूत्रों के हवाले से लिखा गया कि पाकिस्तान के सभी स्टेडियम टी20 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. इसके पीछे उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और आईसीसी महिला क्वालीफायर सहित प्रमुख आईसीसी आयोजनों में पाकिस्तान की सफल मेजबानी का तर्क भी दिया.

वैभव सूर्यवंशी रुकने वाले नहीं : विराट कोहली के बाद अब तोड़ेंगे शुभमन गिल का रिकॉर्ड

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली का रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 के अपने दूसरे ही मैच में तोड़ चुके हैं और अब इस बात के भी आसार हैं कि शुभमन गिल का रिकॉर्ड भी सुरक्षित नहीं है. मतलब, जैसे सूर्यवंशी, विराट के रिकॉर्ड से पार पा चुके हैं, ठीक वैसे ही वो गिल से भी आगे निकलते दिखेंगे. विराट कोहली और शुभमन गिल फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने में व्यस्त थे. गिल की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली 3 मैचों की वनडे सीरीज में भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा.

विराट कोहली के जिस कीर्तिमान को वैभव सूर्यवंशी ने ध्वस्त किया है और शुभमन गिल का जो रिकॉर्ड वो तोड़े की दहलीज पर खड़े हैं, उन दोनों के तार अंडर 19 वनडे में उनके

प्रदर्शन से जुड़े हैं. इन दोनों ने अपने अंडर 19 वनडे करियर में जितने रन बनाए हैं, वैभव सूर्यवंशी उसे तोड़ने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं. विराट कोहली का तो उन्होंने पिछले ही मैच में तोड़ भी दिया और अब अगला नंबर शुभमन गिल का है.

विराट कोहली ने अंडर 19 वनडे में खेले 28 मैचों में 1 शतक और 6 अर्धशतक के साथ 978 रन बनाए थे. वैभव सूर्यवंशी में मौजूदा अंडर 19 वनडे वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ खेली 72 रन के दौरान उनके रनों के इस कीर्तिमान को तोड़ दिया. वैभव सूर्यवंशी के फिलहाल 20 मैचों में 3 शतक के साथ 1047 रन हैं.

अब सवाल है कि शुभमन गिल से आगे निकलने के लिए उन्हें कितने रन की दरकार है? शुभमन गिल ने अंडर 19 वनडे में खेले 16 मैचों की 15 पारियों में 1149 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं. मतलब, गिल अभी 102 रन आगे हैं और ये फासला इतना ज्यादा नहीं कि वैभव सूर्यवंशी उन्हें पीछे ना छोड़ पाएं. हो सकता है कि न्यूजीलैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ होने वाले अगले मैच में शतक जड़कर या ग्रुप स्टेज के खत्म होते होते ही वैभव, गिल से आगे निकल जाएं.

अफ्रीका कप फाइनल में हंगामाः सेनेगल टीम पेनल्टी विवाद पर मैदान छोड़कर गई

14 मिनट खेल रुका रहा, लौटने के बाद मोरक्को को हराया

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का फाइनल मैच फुटबॉल से ज्यादा विवाद और हंगामे के कारण चर्चा में रहा। मोरक्को और सेनेगल के बीच मोरक्को के प्रिंस मौले अब्देल्लाह स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला गया। इसमें एक विवादित पेनल्टी के बाद सेनेगल की पूरी टीम गुस्से में मैदान छोड़कर बाहर चली गई।

मैच के अंतिम समय में रेफरी के मोरक्को को पेनल्टी दिए जाने से सेनेगल के खिलाड़ी भड़क गए और खेल रोक दिया गया। करीब 14 मिनट तक मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और मैच रुका रहा। बाद में कप्तान सादियो माने के समझाने पर सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी।

सेनेगल ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया

सेनेगल की टीम को मैदान पर लौटने के बाद खेल शुरू हुआ। पेनल्टी पर मोरक्को के खिलाड़ी ब्राहिम डियाज गोल नहीं कर सके और सेनेगल के गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। इसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया, जहां सेनेगल के लिए पाप गुए ने 94वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर मुकाबला 1-0 से जीत लिया।

सेनेगल दूसरा खिताब जीता

इस जीत के साथ सेनेगल ने अफ्रीका कप का दूसरा खिताब अपने नाम किया। सोशल मीडिया पर भी इस फाइनल को अफ्रीका कप का सबसे विवादित मुकाबला बताया जा रहा है।

अफ्रीका कप में पहले भी हो चुके हैं ऐसे विवाद

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के इतिहास में यह पहली बार नहीं है जब बड़े मुकाबले विवादों में घिरे हों। 2010 अफ्रीका कप में टोगो टीम पर बस अटैक के बाद टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

2015 अफ्रीका कप में मेजबान इक्वेटोरियल गिनी पर रेफरी फैसलों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जिससे घाना के खिलाड़ी और अधिकारी खुले तौर पर नाराज दिखे।

2022 अफ्रीका कप में ट्यूनीशिया और माली के बीच खेले गए मैच में रेफरी ने समय से पहले मैच खत्म कर दिया था, जिस पर भारी विवाद हुआ था। उस मुकाबले के बाद सीएएफ (अफ्रीकन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन) को आधिकारिक सफाई तक देनी पड़ी थी।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

बेयर्डमैन-जैक एडवर्ड्स को टीम में मौका मिला

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज 29 जनवरी से 1 फरवरी तक लाहौर में खेली जाएगी। यह दौरा आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 (भारत और श्रीलंका) की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

इस सीरीज में मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड चोट के कारण टीम में शामिल नहीं किए गए हैं, ताकि वे टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह फिट हो सकें।

इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल और नाथन एलिस को भी वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत इस दौरे से आराम दिया गया है। बड़े खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में घरेलू लीग बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले दो युवा खिलाड़ियों महली बेयर्डमैन और जैक एडवर्ड्स को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

महली बेयर्डमैन तेज गेंदबाज हैं और अभी तक इंटरनेशनल स्तर पर डेब्यू नहीं किया है। बीबीएल में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए खेलते हुए 8 विकेट लिए। वहीं, जैक एडवर्ड्स भी अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हैं। वे सिक्सर्स की ओर से सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि यह सीरीज उन खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन मौका है, जो राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण अनुभव मिलेगा, जो वर्ल्ड कप की तैयारियों में मददगार साबित होगा।

इटली के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जेजे स्मट्स शामिल

क्वालिफाई कराने वाले कप्तान जो बर्न्स बाहर; भाइयों की 2 जोड़ियों को मौका

रोम, 19 जनवरी (एजेंसियां)। इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम में साउथ अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी जॉन-जॉन (जेजे) स्मट्स को शामिल किया है। क्वालिफायर स्टेज में टीम की कप्तानी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी जो बर्न्स को बाहर कर दिया गया। वहीं टीम में भाइयों की 2 जोड़ी को भी मौका मिला।

राइट हैंड बल्लेबाज वेन मेडसन इटली की कप्तानी करेंगे, उन्होंने 4 ही टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। टीम पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हैं। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में हैरी मनेंटी और बेंजामिन मनेंटी के साथ एंथनी मोस्का और जस्टिन मोस्का के 2 भाइयों की जोड़ियों को मौका मिला।

दूसरे नंबर पर रहकर इटली ने क्वालिफाई किया

टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर में इटली की कप्तानी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जो बर्न्स ने की थी। उनकी लीडरशिप में टीम क्वालिफायर स्टेज

में नीदरलैंड के बाद दूसरे नंबर पर रही। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद बोर्ड ने बर्न्स की कप्तानी छीन ली और उन्हें टीम से भी हटा दिया। इटली के कोचिंग स्टाफ में हेड कोच जोन डेविसन और असिस्टेंट कोच के रूप में आयरलैंड के पूर्व कप्तान केविन ओ'ब्रायन शामिल हैं।

बांग्लादेश के ग्रुप में है इटली

भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इटली को ग्रुप-सी में रखा गया। इसमें इंग्लैंड, नेपाल, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज भी हैं। टीम बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में 9 फरवरी को पहला मैच खेलेगी। फिर उन्हें 12 फरवरी को नेपाल, 16 को इंग्लैंड और 19 को वेस्टइंडीज से भिड़ना है।

7 फरवरी से शुरू होगा वर्ल्ड कप

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होकर 8 मार्च तक चलेगा। 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया। हर टीम अपने ग्रुप में 4-4 मैच खेलेगी। ग्रुप स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमें सुपर-8 में एंट्री करेंगी। यहां भी 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। 2-2 टॉप टीमों को सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी, वहीं इन्हें जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

इटली का स्क्वॉड

वेन मेडसन (कप्तान), जैन अली, मार्कस कैंपोपियानो (विकेटकीपर), अली हसन, क्रिशन कलुगामेज, हैरी मनेंटी, जियान पिएरो मीड, एंथनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, सैयद नकवी, बेंजामिन मनेंटी, जसप्रीत सिंह, जेजे स्मट्स, ग्रांट स्टीवर्ट और थॉमस ड्राका।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः गॉफ, मेदवेदेव, डी मिनॉर और अल्कराज दूसरे राउंड में पहुंचे

क्वीसलैंड की स्टॉर्म हंटर ने उलटफेर किया

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ, डेनियल मेदवेदेव, वर्ल्ड नंबर-6 एलेक्स डी मिनॉर और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कराज और वर्ल्ड नु ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार शुरुआत की है। वहीं, वीनस विलियम्स वुमेंस सिंगल्स का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई। वहीं, 300 से ज्यादा ऊपर रैंक वाली क्वीसलैंड की स्टॉर्म हंटर ने उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर 40 रैंक की बाउजस मानेइरो को हराया।

तीसरी सीड गॉफ ने रॉड लेवर एरीना में खेले गए पहले राउंड के मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली।

मैच के बाद गॉफ ने पहले दौर के दबाव को लेकर कहा,'मैं पहले भी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हार चुकी हूं, इसलिए अब खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालती। इस समय मेरा लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट जीतना है।

अगर मैं पहले दौर में हारूं या फाइनल में, तब भी मैं खुद से संतुष्ट रहूंगी।'

डेनियल मेदवेदेव ने भी सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के खेले गए मुकाबले में नीदलैंड के जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, और 7-6 से हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं।

वर्ल्ड नंबर-6 एलेक्स डी मिनॉर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने मैच को 6-2, 6-2, 6-3 से जीत लिया।

डी मिनॉर को मैकडोनाल्ड की गलतियों का भी फायदा मिला। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को लोकल दर्शकों का भी भरपूर सपोर्ट मिला।

मैच के बाद पूर्व टेनिस खिलाड़ी टॉड वुडब्रिज ने डी मिनॉर की जमकर तारीफ की। अब डी मिनॉर दूसरे राउंड में सर्बिया के हमाद मेजेदोविच से भिड़ेंगे।

क्वींसलैंड की स्टॉर्म हंटर ने किया एरीना में खेले गए मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-40 जेसिका बाउजस मानेइरो को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बना ली। हंटर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में मानेईरो 300 से ज्यादा स्थान नीचे हैं। हंटर के करियर में सात मेन ड्रॉ मुकाबलों में दूसरी बार है जब वह पहले राउंड से आगे बढ़ी हैं।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए पहले राउंड में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को 6-3, 7-6, 6-2 से शिकस्त दी। यह मुकाबला मेलबर्न के प्रतिष्ठित रॉड लेवर एरिना में खेला गया।

उन्होंने पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में हालांकि वॉल्टन ने कड़ी टक्कर दी, जिससे सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, लेकिन अहम मौकों पर अल्कराज ने धैर्य और आक्रामकता का संतुलन बनाए रखा और टाई-ब्रेक में नौ में से सात अंक जीतकर दो सेट की बढ़त हासिल कर ली। वहीं, तीसरा सेट वह आसानी से 6-2 से जीत गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में अमेरिका की वीनस विलियम्स ने इतिहास रचा है। वह 45 साल की उम्र में विमेंस सिंगल्स का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई। उन्हें तीन सेट तक चले मैच में ओल्गा डैनलोविच से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। वीनस तीसरे सेट में एक समय 4-0 से आगे थी लेकिन इसके बाद डैनलोविच ने गजब की वापसी की।

वीनस ने सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने के रिकॉर्ड के मामले में जापान की किमिको दाते को पीछे छोड़ा। उन्होंने 44 साल की उम्र में मुकाबला खेला था।ह बना ली। हंटर WTA रैंकिंग में मानेईरो 300 से ज्यादा स्थान नीचे हैं। हंटर के करियर में सात मेन ड्रॉ मुकाबलों में दूसरी बार है जब वह पहले राउंड से आगे बढ़ी हैं।

रेवंत ने नवीनीकृत सम्मक्का-सारलम्मा मंदिर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को मुलुगु जिले के मेडारम में आदिवासी देवियों सम्मक्का और सरलम्मा को समर्पित नवीनीकृत मंदिर तथा विभिन्न विभागीय विकास कार्यों का उद्घाटन किया। मेडाराम मंदिर में 28 से 31 जनवरी तक आदिवासी महोत्सव महाजातरा आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री अपने परिवार के सदस्यों, कैबिनेट मंत्रियों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मंदिर पहुंचे और विशेष पूजा-अर्चना कर देवियों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद

उन्होंने मंदिर परिसर में एक नए तोरण (पायलन) का अनावरण किया। पारंपरिक रस्म के तहत मुख्यमंत्री को गुड़ से तौला गया, जिसे द्विवार्षिक मेदाराम जातरा के दौरान आदिवासी देवताओं को प्रतीकात्मक रूप से सोना(बंगारम) के रूप में अर्पित किया जाता है। जब मुख्यमंत्री अपने परिवार के साथ मंदिर परिसर पहुंचे तो पारंपरिक आदिवासी ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में कई मंत्री, विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हुए।

हरीश राव ने सिंगरेणी टेंडर घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक दल के उपनेता हरिश राव ने नायनी कोयला ब्लॉक के टेंडरों में कथित घोटाले की व्यापक सीबीआई जांच की मांग की। सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सिंगरेणी कोलियरीज द्वारा जारी टेंडरों में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और मुख्यमंत्री व अन्य वरिष्ठ मंत्रियों पर भ्रष्टाचार तथा हिस्सेदारी को लेकर आंतरिक विवादों में शामिल होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ठेकों, प्रक्रियाओं में हेरफेर और राजनीतिक हस्तक्षेप के गहरे जाल में लिप्त है और इन तथ्यों को उजागर करने के लिए पूर्ण सीबीआई जांच जरूरी है। हरीश

राव ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमर्का के उस बयान पर सवाल उठाया जिसमें कहा गया था कि साइट विजिट प्रमाणपत्र न होने के कारण नायनी ब्लॉक के टेंडर रद्द किए गए।

उन्होंने कहा कि ऐसी कोई प्रणाली पहले कभी अस्तित्व में नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रणाली केवल 2024 में रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद लागू की गई और इसका पहला लाभ मुख्यमंत्री के करीबी रिश्तेदार सुजान रेड्डी को मिला, जिनकी कंपनी शोदा कंस्ट्रक्शंस को पहला टेंडर मिला। उन्होंने पूछा कि यदि प्रणाली अवैध थी तो केवल नायनी ब्लॉक के टेंडर ही क्यों रद्द किए गए और अन्य टेंडरों का क्या हुआ। हरीश राव ने आरोप लगाया कि साइट विजिट प्रणाली के जरिए ठेकेदारों को डराया-धमकाया जाता है, उन्हें बाहर किया जाता है और बाद में वफादार ठेकेदारों को ऊंची दरों पर ठेके देकर कमीशन वसूला जाता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से सीबीआई जांच का आदेश देने की मांग की और कहा कि बीआरएस इस कथित कांग्रेस कोयला घोटाले के खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी।

तेलंगाना को वैश्विक निवेश के रूप में बढ़ावा देने दावोस रवाना हुए रेवंत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अपनी आधिकारिक टीम के साथ सोमवार को स्विट्ज़रलैंड के दावोस रवाना हुए, जहां वे विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे। यात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने मेडारम में आदिवासी योद्धा देवियों सम्मक्का और सरलम्मा के पवित्र मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रसिद्ध महाजातरा का शुभारंभ किया। मेडाराम में अनुष्ठान पूरे करने के बाद मुख्यमंत्री हैदराबाद लौटे और सुबह 9:30 बजे शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दावोस के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में सीएमओ के अधिकारी और उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। चार दिवसीय सम्मेलन (20 जनवरी से) के दौरान मुख्यमंत्री वैश्विक कंपनियों के सीईओ, निवेशकों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बैठकें करेंगे। दावोस में तेलंगाना पवेलियन में मुख्यमंत्री गूगल, सेल्सफोर्स, यूनिलीवर, हनीवेल, लॉरियल, नोवार्टिस, टाटा समूह, डीपी वर्ल्ड, इन्फोसिस और सिस्को जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रमुखों से अलग-अलग बैठकें करेंगे।

वे अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल बैठकों में भी भाग लेंगे। इन चर्चाओं में मुख्यमंत्री निवेश आकर्षित करने, पहले से स्थापित उद्योगों के विस्तार और आईटी, एआई, लाइफ साइंसेज तथा विनिर्माण क्षेत्रों में बड़े निवेश पर विशेष ध्यान देंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे डब्ल्यूईएफ में तेलंगाना की राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट और निवेश संभावनाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करें। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, संजय कुमार और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

पत्नी की हत्या कर बेटी पर हमला

आरोपी ने खुद को भी किया घायल

सिद्दिपेट, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पत्नी की बेवफाई पर शक करते हुए एक व्यक्ति ने रविवार देर रात सिद्दिपेट के आदर्श नगर कॉलोनी में अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपनी बेटी पर हमला किया और खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया। घटना का पता सोमवार सुबह चला।

जानकारी के अनुसार येल्लैया ने अपनी पत्नी श्रीलता (40) पर चाकू से कई बार वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। अधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद येल्लैया ने अपनी बेटी अर्चना पर मूसल से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी ने गला काटकर आत्महत्या करने का भी प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने अर्चना और येल्लैया को सिद्दिपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए सक्रिय है शी टीम

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग की उपायुक्त पुलिस (डीसीपी) श्रीमती डॉ. लावण्या एनजेपी के पर्यवेक्षण में शी टीम शहर भर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर समर्पित प्रयास कर रही हैं। वर्तमान माह के दौरान, शी टीम्स ने व्हाट्सऐप, प्रत्यक्ष आवेदन (पिटीशन) तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर सक्रिय रूप से कार्रवाई की है।

दिसंबर माह के दौरान कुल 98 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 29 शिकायतें संबंधित पुलिस थानों को भेजी गईं, जिनमें से 14 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई, जबकि 15 मामले आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस थानों में लंबित हैं। लगातार फील्ड सर्विलांस, डिकॉय ऑपरेशन्स और तकनीकी निगरानी के माध्यम से 13 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया, जिनमें 11 वयस्क और 2 नाबालिग हैं। इसके अतिरिक्त, 7 आरोपियों को परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में उचित काउंसलिंग के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। गंभीर कदाचार के मामलों में 9 प्रकरणों में पेटी केस दर्ज किए गए। प्रमुख मामलों में एक इंजीनियरिंग छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई कि कॉलेज से घर तक रैपिडो राइड पूरी होने के बाद चालक ने उसका मोबाइल नंबर सेव कर लिया और बार-बार फोन कॉल तथा अभद्र संदेश भेजकर उसे परेशान करने लगा। शिकायत मिलते ही शे टीम्स ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा और धारा 292 बीएनएस तथा सीपी एक्ट की धारा 70(सी) के तहत पेटी केस दर्ज किया। आरोपी को माननीय 10वें विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, नामपल्ली के समक्ष पेश किया गया, जहां उसे 7 दिन के साधारण कारावास और 250 जुर्माने की सजा सुनाई गई। इसी तरह एक डिग्री छात्रा ने शे टीम्स में शिकायत दी कि उसका पड़ोसी टी. सोल राजू (उम्र 45 वर्ष) उसका पीछा करता था, घर से कॉलेज तक परेशान करता था और एक बार उसे जबरन बाइक पर बैठाने के लिए हाथ पकड़ने की कोशिश की। डर के कारण उसने तुरंत शी टीम्स से सहायता मांगी।

शी टीम्स ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 292 बीएनएस और सीपी एक्ट की धारा 70(सी) के तहत पेटी केस दर्ज किया। आरोपी को माननीय 10वें विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, नामपल्ली के समक्ष पेश किया गया, जहां उसे 7 दिन के साधारण कारावास और 500 जुर्माने की सजा दी गई। शी टीम्स को वाई. साईं त्रिनाथ के खिलाफ शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी उससे पहचान हुई और धीरे-धीरे दोस्ती हो गई। इस दौरान दोनों ने व्यक्तिगत जानकारी साझा की और उसने आरोपी की व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पैसे भी ट्रांसफर किए, जिन्हें आरोपी ने अपनी लतों में खर्च किया। बाद में आरोपी ने उसके निजी फोटो और वीडियो के जरिए उसे धमकाना और ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। शी टीम्स ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़कर धारा 292 बीएनएस और सीपी एक्ट की धारा 70(सी) के तहत पेटी केस दर्ज किया। न्यायालय ने उसे 7 दिन के साधारण कारावास और 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। शी टीम्स को शिकायत मिली कि के. सुमंत साईं कुमार सोशल मीडिया के जरिए शिकायतकर्ता को अभद्र संदेश भेजकर परेशान कर रहा था। तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा गया और धारा 292 बीएनएस तथा सीपी एक्ट की धारा 70(सी) के तहत पेटी केस दर्ज किया गया। माननीय 10वें विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, नामपल्ली ने उसे 4 दिन के साधारण कारावास और 250 जुर्माने की सजा सुनाई। हैदराबाद भर में हजारों नागरिकों तक पहुंचने वाले 234 एवी वाहन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

शमशाबाद में सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम को शमशाबाद में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभिजीत दास (25) और सुजीत कुआर मुक्या (20) के रूप में हुई।

दोनों बिहार के मूल निवासी थे और शमशाबाद की एक कंपनी में काम करते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों गोल्लापल्ली गांव से बहादुरगुड़ा जा रहे थे, तभी तेज गति के कारण बाइक से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस की गश्ती टीम और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित किया।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए शमशाबाद अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एआई आधारित पुलिसिंग: 'सी-मित्र' ने 100 एफआईआर दर्ज कराईं

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा शुरू की गई अभिनव पहल 'सी-मित्र' से उल्लेखनीय परिणाम सामने आने लगे हैं। शुरुआत के महज दस दिनों मेंजो देश में अपनी तरह की पहली पहल है। इस वर्चुअल हेल्पडेस्क ने 1,000 पीड़ितों से संपर्क किया और 100 से अधिक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई हैं।

9 जनवरी को पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य पीड़ितों को आश्वस्त करना और शिकायत प्रक्रिया को सरल बनाना है। अधिकारियों के अनुसार, सी-मित्र टीम प्रतिदिन औसतन 100 पीड़ितों को फोन कर उनकी समस्याएं समझ रही है। जब कोई पीड़ित 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करता है, तो सी-मित्र टीम उससे संपर्क कर विवरण एकत्र करती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से कानूनी रूप से सुदृढ़ शिकायत का मसौदा तैयार कर उसे व्हाट्सऐप या ईमेल के जरिए पीड़ित को भेजा जाता है। पीड़ित को शिकायत प्रिंट कर हस्ताक्षर करने के बाद डाक या कूरियर से बशीरबाग साइबर क्राइम थाने भेजनी होती है। हस्ताक्षरित प्रति मिलते ही बिना किसी देरी के एफआईआर दर्ज की जाती है और उसकी प्रति सीधे पीड़ित के मोबाइल पर भेज दी जाती है। इससे पीड़ितों को घंटों थाने में इंतजार नहीं करना पड़ता। त्वरित सेवा सुनिश्चित करने के लिए साइबर क्राइम विंग में 24 सदस्यीय विशेष टीम बनाई गई है, जो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक दो शिफ्टों में काम कर रही है। इस पहल की मानवीय दृष्टिकोण के लिए सराहना हो रही है। टीम से जुड़ी महिला कांस्टेबल दीक्षिता ने कहा कि लोग आमतौर पर थाने जाने से डरते हैं, लेकिन जब हम फोन कर न्याय का भरोसा दिलाते हैं तो उनकी आवाज में आत्मविश्वास झलकता है। सी-मित्र एक पुल की तरह काम करता है। एक अन्य कांस्टेबल पृथ्विका ने इसे तकनीक और मानवीय संवेदना का 'डिजिटल क्रांति' बताया और कहा कि भविष्य में साइबर अपराध के पूर्ण उन्मूलन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला मामले में वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पीवी मिधुन रेड्डी को ईडी का समन

अमरावती, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पीवी मिधुन रेड्डी को समन भेजा है। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है।

यह घोटाला कथित तौर पर उनकी पिछली सरकार के दौरान हुआ था। रेड्डी का बयान 23 जनवरी को ईडी के जोनल दफ्तर में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों के तहत दर्ज होगा।

उन्हें जुलाई 2025 में आंध्र प्रदेश पुलिस की एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आरोपी बनाया था और गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। इससे पहले पूर्व सांसद विजयसाई रेड्डी को भी 22 जनवरी को आंध्र प्रदेश में 2019 और 2024 के बीच लागू की गई शराब नीति के कामकाज के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया था। विजयसाई पर आरोप है कि उन्होंने अवैध पैसा पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचाया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एसआईटी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए सितंबर 2025 में कथित घोटाले की जांच के लिए धन-शोधन निवारण अधिनियम के अंदर मामला दर्ज किया था।

पुलिस की जांच अब तक कहां पहुंची :

पुलिस ने अब तक इस मामले में तीन चार्जशीट दाखिल की हैं। एसआईटी ने चार्जशीट में जगन मोहन रेड्डी पर उन लोगों में शामिल होने का आरोप लगाया जिन्हें हर महीने औसतन 50 करोड़ रुपये से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत मिलती थी।

पुलिस ने यह भी आरोप लगाया है कि जगन मोहन रेड्डी ने जुलाई 2019 में नई शराब नीति से संबंधित एक बैठक की अध्यक्षता की थी। इस बैठक में तय हुआ था कि शराब बेचने वाली दुकानों को आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा चलाया जाएगा, जो एक सरकारी संस्था है। पुलिस ने दावा किया जगन मोहन रेड्डी ने इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस अधिकारी डी वासुदेव रेड्डी को जानबूझकर स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन का प्रबंध निदेशक बनाया।

स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन में अनियमितताओं पर अलर्ट भी मिला :

चार्जशीट के अनुसार, पूर्व नौकरशाह रजत भार्गव ने स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन में अनियमितताओं के बारे में मुख्यमंत्री कार्यालय को कई बार अलर्ट करने की कोशिश की। हालांकि, उनकी चेतावनियों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जब कथित घोटाला हुआ, तब भार्गव एक्साइज के विशेष मुख्य सचिव के पद पर थे।

महिला से सोने की चेन छीनने वाला गिरफ्तार

कामारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नांदेड़ निवासी हेगडोल हनुमंत विट्ठल को सोमवार को बारामगाड़ी गांव में एक महिला से सोने की चेन छीनने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बंसवाड़ा डीएसपी बी विट्ठल रेड्डी ने बताया कि हनुमंत ने 2 दिसंबर को गांव की अनुषाबाई की सोने की चेन छीनने की घटना को अंजाम दिया था।

रविवार को बीरकुर मंडल मुख्यालय में वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि करते हुए उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में हनुमंत ने कबूल किया कि उसने महिलाओं को लिफ्ट देने का बहाना बनाकर उनका शिकार किया और विलासितापूर्ण जीवन के लिए सोने की चेन छीनता था। एसपी राजेश चंद्र ने इस गिरफ्तारी के लिए बंसवाड़ा ग्रामीण निरीक्षक तिरुपथैया, बीरकुर एसआई एम महेंद्र और उनके स्टाफ की सराहना की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.